

संख्या: ३२२५२, ३२२५१

श्री श्री गणेशाय नमः (२-४)

श्री श्री गणेशाय नमः

श्री श्री गणेशाय नमः

श्री श्री गणेशाय नमः

श्री श्री गणेशाय नमः

श्री श्री गणेशाय नमः

श्री श्री गणेशाय नमः

श्री श्री गणेशाय नमः

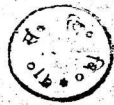
श्री श्री गणेशाय नमः

001279

श्री श्री गणेशाय नमः



सं. प्र. ना. सं. ३२२३२



Indira Gandhi National
Centre for the Arts

श्रीगणेशाय नमः ॥ हरिः ओम् ॥ प्रजापतिरिति प्रजाऽपतिः अकामय
 तः प्रजा इति प्रजाः सृजेया इति सः तपः अतप्यतु सः सर्पान् असृजतु सः
 अकामयतु प्रजा इति प्रजाः सृजेया इति सः द्वितीयं अतप्यतु सः वयोरसि
 असृजतु सः अकामयतु प्रजा इति प्रजाः सृजेया इति सः तृतीयं अतप्यतु
 सः एतं दीक्षित्वादमिति दीक्षितऽवादं अपश्यत् तं अवदत् ततः वै सः प्रजा
 इति प्रजाः असृजतु यत् तपः तुष्टा दीक्षित्वादमिति दीक्षितऽवादं वदेति
 प्रजा इति प्रजाः एवातत् यजमानः ॥ १ ॥ सृजते यत् वै दीक्षितः अमेध्यं प

श्यति अपेति अस्मात् दीक्षा क्रामति नीलं अस्या हरः वीति एति अबद्धमनः
 दृष्टिं चक्षुः स्पर्शं ज्योतिषां श्रुतिं दीक्षा मा मा हासी इति आहूना अस्मात् दी
 क्षा अपेति क्रामति ना अस्या नीलं ना हरः वीति एति यत् वै दीक्षितो अभिव
 र्त्तनीत्यभिः वर्षति दिव्याः आपः अशंताः ओजः बली दीक्षां रातपः अस्या नि
 रिति घृति उदनीः बली धत्ता ओजः धत्ता बली मा मे दीक्षा मा तपः निरिति व
 धिष्ठा इति आह एतत्वा एवा स वै आत्मन् धत्ते ना अस्या ओजः बली ना दीक्षा ना
 तपः निरिति घृति अग्निः वै दीक्षितस्य देवता सः अस्मात् एतद्दीक्षितः इवा



याहि याति॥ ईश्वरं रक्षां॥ सिद्धं नै॥ ॥ ॥ भद्रात् अभाति॥ श्रेयः॥ प्रेति॥ इति॥ व
 हस्यति॥ पुर एतेति पुरः एता॥ ते॥ अस्तु॥ इति॥ आह॥ ब्रह्मै॥ वै॥ देवानां॥ वृहस्यति॥
 ता॥ एवा॥ अन्वारं भत इत्यनु॥ आरंभते॥ स॥ एतां॥ समिति॥ पारयति॥ एति॥ इदं॥ अग
 न्मा॥ देव्ये जेन॥ मति॥ देव्ये जेन॥ पृथिव्याः॥ इति॥ आह॥ देव्ये जेन॥ मति॥ देव्ये
 जेन॥ हि॥ एषः॥ पृथिव्याः॥ आगच्छतीत्यो॥ गच्छति॥ यः॥ यजेते॥ विश्वे॥ देवाः॥ यत्॥
 अनुषत॥ पूर्वं॥ इति॥ आह॥ विश्वे॥ हि॥ एतत्॥ देवाः॥ जोषयंते॥ यत्॥ ब्राह्मणाः॥ कृ
 क्सा॥ माभ्या॥ मित्य॥ क्सा॥ मभ्यां॥ यजुषा॥ संनरं॥ इति॥ संनरं॥ इति॥ आह॥ अक्सा

रामः

२

माभ्यामित्य॥ क्सा॥ मभ्यां॥ हि॥ एषः॥ यजुषा॥ संनरं॥ इति॥ संनरं॥ इति॥ यः॥ यजेते॥ एषः॥
 पोषेण॥ समिति॥ इषा॥ मदेमा॥ इति॥ आह॥ आशिषमित्या॥ शिषी॥ एवा॥ एतां॥ एति॥
 शास्ते॥ ॥ ॥ यजमानो दीक्षां हन्ते ब्राह्मणश्चतुर्विंशतिश्च॥ ॥ ॥ एषः॥ ते॥ गा॥ यवः॥
 भागः॥ इति॥ मे॥ सोमो॥ यः॥ ब्रूतात्॥ एषः॥ ते॥ त्रैष्टुभः॥ जागृतः॥ भागः॥ इति॥ मे॥ सोमो॥ यः॥
 ब्रूतात्॥ छंदो॥ माना॥ मिति॥ छंदः॥ मानां॥ साम्नी॥ ज्युमिति॥ सां॥ राज्यं॥ गच्छ॥ इति॥ मे॥ सो
 मो॥ यः॥ ब्रूतात्॥ यः॥ वै॥ सोमो॥ राजीनः॥ साम्नी॥ ज्युमिति॥ सां॥ राज्यं॥ लोकं॥ गमयित्वा॥ क्री
 णाति॥ गच्छति॥ स्वानां॥ साम्नी॥ ज्युमिति॥ सां॥ राज्यं॥ छंदो॥ सोमं॥ खलु॥ वै॥ सोमं॥ स्या॥ राजः॥

साम्राज्य इति सांश्रज्यः। लोकः। पुरस्तात्। सोमस्य। क्रयात्। एवं। अमीति। मंत्र
येत्। साम्राज्यमिति सांश्रज्यः। एवा॥१॥ एनं। लोकं। गमयित्वा। क्रीणाति। गच्छति।
स्वानां। साम्राज्यमिति सांश्रज्यः। यः। वै। तानून्। नृप्रस्येति। तानून्। नृप्रस्येति। प्रतिष्ठापि
ति। प्रतिः। स्था। वेदः। प्रतीति। एवातिष्ठति। ब्रह्मवादिन इति ब्रह्मवादिनः। वदति। न।
प्राश्नतीति। पः। अश्नतीति। न। जुहुति। अर्थः। कानानून्। नृप्रमिति। तानून्। नृप्रप्रतीति। ति
ष्ठति। इति। प्रजापेता। विनिप्रजाः। पतौ। मनसि। इति। ब्रूयात्। त्रिः। अवति। जिघ्रेत्।
प्रजापेता। विनिप्रजाः। पतौ। त्वा। मनसि। जुहोमि। इति। एषा। वै। तानून्। नृप्रस्येति। ता

रामः

३



नृन्। नृप्रस्येति। प्रतिष्ठेति। प्रतिः। स्था। यः। एवं। वेदः। प्रतीति। एवातिष्ठति। पः। वै। अश्रु
योः। प्रतिष्ठापिनि। प्रतिः। स्था। वेदः। प्रतीति। एवातिष्ठति। यतः। मन्त्रेन। अनेमि। क्रम्येत्।
नेमि। क्रम्येत्। होष्यामि। इति। तत्। तिष्ठन्। एति। आवेयेत्। एषा। वै। अध्वर्योः। प्रतिष्ठे
ति। प्रतिः। स्था। यः। एवं। वेदः। प्रतीति। एवातिष्ठति। यत्। अनेमि। क्रम्येत्। मिः। क्रम्येत्। जुहु
यात्। प्रतिष्ठाया। इति। प्रतिः। स्थायाः। इयात्। तस्मात्। समानं। त्रि। तिष्ठता। होतव्यं। प्रति
ष्ठित्या। इति। प्रतिः। स्थित्या। यः। वै। अध्वर्योः। स्ववेदः। स्ववानि। तिस्ववान्। एव। भवति। स्त
का। वै। अस्य। स्व। वायव्ये। अस्य॥३॥ स्व। चमसः। अस्य। स्व। यत्। वायव्ये। वा। चमसः।

प० न०
४

वा। अनेनान्तरयेत्यनेनः आरभ्या आश्रावयेदित्याः आश्रावयेत्वा स्वात् इयात् नस्मा
त् अन्तरयेत्यनेनः आरभ्या आश्राव्यमित्याः आश्राव्यत्वात् एवा न एति यः वै सो
मः अप्रतिष्ठायेत्यप्रतिः स्थाप्योः स्तोत्रं उपाकरोनीत्युपः आकरोति अप्रतिष्ठित इ
त्यप्रतिः स्तुतः सोमः भवेति अप्रतिष्ठित इत्यप्रतिः स्तुतः सोमः अप्रतिष्ठि
तानीत्यप्रतिः स्तुतानि उक्थ्यानि अप्रतिष्ठित इत्यप्रतिः स्तुतः यजमानः अप्र
तिष्ठित इत्यप्रतिः स्तुतः अध्वर्युः वायव्यं वै सोमस्य प्रतिष्ठेति प्रतिस्था चमसः
अस्य प्रतिष्ठेति प्रतिः स्था सोमः सोमस्य सोमः उक्थ्यानां ग्रह वा गृहीत्वा चम

रमः
४

संवा उन्नीयेत्यनेनः नीयः स्तोत्रं उपाकुर्यादित्युपः आकुर्यात् प्रतीतिः एवा सोमः
स्थापयेति प्रतीतिः सोमः प्रतीतिः उक्थ्यानि प्रतीतिः यजमानः निष्ठेति प्रतीतिः
अध्वर्युः ॥ ४ ॥ एवतिष्ठतियो वायव्यमस्य ग्रहवैकान्तविः शनिश्चा ॥ २ ॥ युज्ञं वै एत
त् सोमिति भर्त्तुति यत् सोमकयण्या इति सोमः कयण्यै पदं यज्ञमुखमनियज्ञ
मुखं हविर्धाने इति हविः धानै यद्दि हविर्धाने इति हविः धानै प्राची इति प्रव
र्त्तयैयुरिति प्रवर्त्तयैयुः तद्दिनेना अक्षं उपेत अंज्यात् यज्ञमुख इति यज्ञः मु
खा एवा यज्ञं अनु समिति ननोति प्राची अग्निं प्रेति हरति उदिति पत्नी एति



नयति। अन्विति। अनाऽसि। प्रति। वर्तयति। अथा। वै। अस्य। एषः। धिस्त्रियः। हीय
ते। सः। अन्विति। ध्यायति। सः। ईश्वरः। रुद्रः। भूत्वा। ११॥ प्रजामिति प्रऽजा। पृश्नः।
यजमानस्य। शर्मयितोः। यही। पशुः। आप्रीतुमित्याऽप्रीते। उद्वं। नयति। ताही। त
स्य। पशुऽप्रपणमिति पशुऽप्रपणं। हरेत्। तेन। एव। एना। भागिनं। करोति। यजमा
नः। वै। आहवनीयइत्याऽहवनीयः। यजमानं। वि। एतत्। वीति। कर्षते। यत्। आ
हवनीयोदित्याऽहवनीयात्। पशुऽप्रपणमिति पशुऽप्रपणं। हरेति। सः। वा। एव।
स्यात्। निर्मथ्यमिति निऽमथ्यं। वा। कुर्यात्। यजमानस्य। सात्मलायेति सात्मऽत्वा

रामः

५

यो। यदि। पशुः। अवदानमित्येवऽदानेन स्येत्। आज्यस्य। प्रत्याख्यायमिति प्रतिऽ
आख्याया। अवेति। घेत्। सा। एव। तत्। प्रायश्चित्तिः। यो। पशुः। विमथी। रन्ति। निविऽ
मथीरन्। यः। तान्। कामयेत्। आर्ति। एति। क्रच्छयुः। इति। कुर्वेत्। अंगा। इति। नमो
वृक्तिव्येति। नमो वृक्तिऽवत्या। क्रुवा। आग्नीध्रइत्याग्निऽध्रौ। जुहुयात्। नमो वृक्ति
मिति। नमो वृक्तिऽवत्या। एव। एषः। वृद्धे। नाजक। आर्ति। एति। क्रच्छति। १॥ भूत्वा। तनऽष
द्विऽएतिष्वा। ३॥ प्रजापतेरिति प्रजाऽपतेः। जायमानाः। प्रजा इति प्रऽजाः। ज्ञानाः।
चा। याः। इमाः। तस्मै। प्रति। प्रति। वेदया। चिकित्वा। न। अन्विति। मन्यतां। इमां। पशुऽ



प० त०
६

पशुपत इति पशुः पतेति। अद्यावधामि। अग्ने। सुकृतस्येति सुः कृतस्यामर्थे।
अन्विति। मन्वसु। सुयजेति सुः यजे। यजामा। जुष्टा। देवानां। इदं। अरु। हव्ये। प्र
जानंत इति प्रः जानंतः। प्रनीति। गृह्णति। पूर्वा। पाणमिति प्रः अनां। अगेभ्यः। परी
ति। आचरतमित्याः चरतं। सुवर्गमिति सुवः। गं। याहि। पथिभिरिति पथिभिः। दे
वयानैरिति देवः। यानैः। आषधीषु। प्रतीति। तृष्ठा। शरीरं। यिषो। इष्टे। ॥ १ ॥ पशुप
तिरिति पशुः पतिः। पशूनां। चतुष्पदमिति चतुः। पदा। उत। च। द्विपदमिति द्विः। प
दा। तिक्रीत इति निः। क्रीतः। अयं। यज्ञिया। भागं। एतु। रायः। पोषा। यजमानस्य।

रामः
६



संतु। धा। बध्यमाना। अन्विति। बध्यमानाः। अभ्यैक्षंतं। त्यमिः। ऐक्षंतं। मनसा। चक्षं
षा। चां। अग्निः। तात। अग्रे। प्रेति। मुमोक्षु। देवः। प्रजापतिरिति प्रजाः पतिः। प्रजयेति
प्रः जया। संविदान इति संविदानः। यो। आरण्याः। पशवः। विश्वरूपा इति विश्वः रू
पाः। विरूपा इति विरूपाः। संते। बहुधेति बहुः। ध्या। एकरूपा इत्येकः रूपाः। वायुः।
तान्। अग्रे। प्रेति। मुमोक्षु। देवः। प्रजापतिरिति प्रजाः पतिः। प्रजयेति प्रः जया। संवि
दान इति संविदानः। प्रमुचमाना इति प्रमुचमानाः। ॥ १ ॥ भुवनस्याः रतेः। गानु। धृत्वा।
यजमानाया। देवाः। उपाकृतमित्युपः। आकृतं। शशमानं। यत्। अस्वात्। जीवादेवा

प० न०
७

नी। अपीति। एतु। पार्थः। नाना। प्राणा इति प्रः अनः। यजमानस्य। पशुना। यज्ञः। देवे
भिः सह। देवयान इति देवः। यानेः। जीवां देवानां। अपीति। एतु। पार्थः। सत्याः। सन्तु।
यजमानस्य। कामाः। यत्र। पशुः। मायुं। अकृतं। उरः। वा। पद्मि रिति पदः। मिग्राह
त इत्याहुते। अग्निः। मा। तस्मात्। एनेसः। विश्वात्। मुचुत्। अहसः। शर्मिताः। उ
पेतनेत्युपः। एतेना। यज्ञो। भा। देवेभिः। इन्वितां। पाशात्। पशुः। प्रेति। मुचुत्। बंधात्। यज्ञ
पतिमिति यज्ञः। पतिः। परिः। अदितिः। पाशः। प्रेति। मुमीकृ। एतेन मः। पशुभ्य इति पशुः
भ्यः। पशुपते य इति पशुः। यतया। करोमि। अरणीयेतां। अधरं। कृणोमि। यो द्विषः। नसि

रामः
७

नी। प्रतीति। मुंचामि। पाशां। त्वां। उते। दधिरे। हव्यवाह। मिति हव्यः। वाहं। श्रुतं। कर्त्तारमि
ति श्रुतं। कर्त्तारं। उता। यज्ञि। यी। चा। अर्गैः। सदेक्ष इति सः। दक्षः। सतेनु रिति सः। तनुः। हि। भू
त्वा। अये। हव्या। जातवेद इति जातः। वेदः। जुषस्वा। जातवेद इति जातः। वेदः। वषया। ग
च्छ। देवान्। त्वा। हि। होता। प्रथमः। बभूव्ये। धृतेन। त्वं। तनुवः। वर्धयस्व। स्वाहो कृतमिति
स्वाहोः। कृतं। हविः। अदंतु। देवाः। स्वाहा। देवेभ्यः। देवेभ्यः। स्वाहा। भा। ईशे प्रमुं वर्मानां। यु
ज्ञत्वं। योऽश्वा। भा। प्राजापत्या इति प्राजाः। पत्याः। वै। पशवः। तेषां। रुद्रः। अधिपतिरित्य
धिः। पतिः। यत्र। एताभ्यो। उपाकरोतीत्युपः। आकरोती। ताभ्यो। एवा एनं। प्रतिप्रोच्येति



प्रतिप्रोच्य। एति। लभते। आत्मनः। अनावस्कायेत्यनः। वस्काया। द्वाभ्यां। उपाकरोती
 त्वुपः। आकरोति। द्विपादिति। द्विपात्। यजमानः। प्रतिष्ठित्य। इति। प्रति। स्थित्ये। उपाक
 रत्युपः। आकृत्य। पंच। जुहोति। पांक्तः। पशवः। पशुत्वा। एवा। अविति। रुंधे। मृत्यवै। वै। ए
 व। नीयते। यत्। पशुः। तं। यत्। अन्वास्तेत्यनु। आरभेता। प्रमायेक। इति। प्रः। मायेकः।
 यजमानः। स्यात्। नाना। प्राण। इति। प्रः। अनः। यजमानस्या। पशुनो। इति। आह। व्याहृत्या
 इति। विः। आहृत्ये। १॥ यत्। पशुः। मायुं। अकृता। इति। जुहोति। शंखै। शर्मितारः। उपेत
 नेत्युपः। एनना। इति। आह। यथायजु रिति। यथाः। यजुः। एवा। एतत्। वपायौ। वै। आहि

यमाणायामित्याः। द्वियमाणायां। अग्नेः। मेधः। अपेति। कामानि। त्वां। उति। दुधिर
 हव्यवाहुमिति। हव्यः। वाहुं। इति। वापां। अमीति। जुहोति। अग्नेः। एवा। मेधो। अविति।
 रुंधे। अथो। इति। श्रुत्वा। येति। श्रनः। त्वायां। पुरस्तात्त्वाहाकृतयु। इति। पुरस्तात्। स्वाहाक
 रतयाः। वै। अन्ये। देवाः। उपरिष्ठात्त्वाहाकृतयु। इत्युपरिष्ठात्। स्वाहाकृतयुः। अन्ये। स्वा
 हा। देवेभ्यः। देवेभ्यः। स्वाहा। इति। अभितः। वपां। जुहोति। तान्। एवा। उभयानां। प्राणा
 नि। १॥ व्याहृत्या। अभितो। वपां। पंचचा। पायः। वै। अयेथा। देवतमित्ययेथाः। देवतो। यज्ञा
 उपचरतीत्युपः। चरति। एति। देवतोभ्यः। दृश्यते। पापीयान्। भवति। यः। यथा। देवते

प० न०
९

मिति यथा देवताः देवताभ्यः। एति। दृश्यते। वसीयान् भवति। आग्नेया। कृचा।
आग्नीध्रे मित्यग्निः इधः। अभीति। मशेता वैष्णव्या। हविर्देन मिति हविः। घानं।
आग्नेयाः। स्वः। वायव्या। वायव्यानि। ऐन्द्रिया। सदे। युथा देवता मिति यथा दे
वता। एवायज्ञः। उयेति। चरति। न देवताभ्यः। एति। दृश्यते। वसीयान् भवति। यु
नज्मि। ते। एधिवी। ज्योतिषा। सहा। युनज्मि। वायुं। अंतरेक्षणा। ११। ते। सहा। युन
ज्मि। वाचं। सहा। सूर्येणा। ते। युनज्मि। तिस्रः। विष्टव इति विष्टवः। सूर्यस्य। ते। अग्नि
ः। देवता। गायत्री। छंदः। उपा। शोरित्युपः। अशोः। पात्री। असि। सोमः। देवता। त्रिष्टु

रामः
९

प० छंदः। अंतर्यामस्यैतः। यामस्य। पात्री। असि। इंद्रः। देवता। जगती। छंदः। इंद्र
वायुवोर्निद्रः। वायुवोः। पात्री। असि। बहस्पतिः। देवता। अनुष्टुबित्यनुः। स्तुप०। छं
दः। मित्रावरुणयोरेति मित्रावरुणयोः। पात्री। असि। अश्विनौ। देवता। पृक्तिः।
छंदः। अश्विनौः। पात्री। असि। सूर्यः। देवता। बहनी। २०। छंदः। शुक्रस्य। पात्री। असि।
रुद्रमाः। देवता। सतो बहनी तिस्रः। बहनी। छंदः। मंथिनः। पात्री। असि। विश्वदे
वोः। देवता। उद्भिहा। छंदः। आययणस्य। पात्री। असि। इंद्रः। देवता। कुकुत्वा। छंदः।
उज्यानां। पात्री। असि। एधिवी। देवता। विराडिति विरट्। छंदः। क्रवस्य। पात्री।

प० नृ०
१०

असि॥३॥ अंतरिक्षेण हृदनीत्रयं स्त्रिः शब्दः॥ दी॥ इष्टर्गः वै अध्वर्युः॥ यजेमान
स्या इष्टर्गः॥ खलु वै पूर्वः॥ अर्घुः॥ क्षीयते॥ आसन्त्यात्मा॥ मंत्रोत्पादिकस्याः॥
चित्ताभिर्गस्या इत्यभिः शब्दाः॥ इति पुरा॥ प्रातरनुवाकादिनिप्रातः॥ अनुवा
कोत्तराजुह्यात्॥ आत्मनै॥ एवा॥ तत्तत्॥ अध्वर्युः॥ पुरस्तात्॥ शर्म॥ तस्यते॥ अनात्यै॥ सं
वेशयेति संवेशयेत्वा॥ उपवेशयेत्युपवेशयेत्वा॥ गा॥ यत्रियाः॥ त्रिष्टुभः॥ जग
त्याः॥ अभिर्गस्या इत्यभिः शब्दाः॥ स्वाहा॥ प्राणापानाविति प्राणः॥ अपानौ॥ मृत्योः॥ मा॥
पानं॥ प्राणापानाविति प्राणः॥ अपानौ॥ मा॥ मा॥ हा॥ सि॥ देवर्गोः॥ सु॥ वै॥ एते॥ प्राणापा

रामः
१०

नयोरिति प्राणः॥ अपानयोः॥१॥ व्यायच्छत इति विः॥ आयच्छत॥ येषां॥ सोमः॥ स
मृच्छत इति संः॥ ऋच्छत॥ संवेशयेति संः॥ वेशयेत्वा॥ उपवेशयेत्युपवेशयेत्वा॥
इति आह॥ छंदः॥ सि॥ वै॥ संवेश इति संः॥ वेशः॥ उपवेश इत्युपवेशः॥ छंदो भिरिति
छंदः॥ भिर्गस्या इत्यभिः शब्दाः॥ वृद्धेः॥ प्रैति वंतीति प्रैति वंति॥ आज्यानि भवन्ति॥
अभिर्गित्या इत्यभिः शब्दाः॥ जित्यै॥ मरुत्वैर्गोः॥ प्रतिपद इति प्रतिपदः॥ विजित्या इति विः॥
जित्यै॥ अभिर्गित्या इति हृदयं तरे इति हृदयं तरे॥ भवतु॥ इयं॥ बावा॥ रथं तरे मिति रथं
इति तरे॥ असौ॥ हृदयं॥ अभिर्गित्या इत्यभिः शब्दाः॥ एते॥ अंतः॥ एति॥ अद्या॥ बावा॥ रथं तरे मिति रथं तरे

श्वः। वृहता आद्याश्वादित्यघःश्वात्। एवा। एनं। अंतः। एति। भूतं। वावा। स्थं। त्र
 मिति रथः। त्र। भविष्यत्। वृहत्। भूतात्। चा। एवा। एनं। भविष्यत्। चा। अंतः। एति। प
 रिमितमिति परिमितं। वावा। स्थं। त्र। मिति रथः। त्र। अपे। रिमितमिति परितः। मि
 ता। वृहत्। परिमितादिति परिमितात्। चा। एवा। एनं। अपे। रिमितादित्यपरितः। मि
 तात्। चा। अंतः। एति। विश्वामित्रजमदग्नौ इति विश्वामित्रजमदग्नी। वसिष्ठेन।
 असुधेता। सः। एतत्। जमदग्नेः। विहव्यमिति विहव्यं। अपश्यत्। तेन। वै। सः। व
 सिष्ठस्य। इन्द्रिये। वीर्यं। अर्चका। यत्। विहव्यमिति विहव्यं। शस्यतो। इन्द्रियं। एव।

रमः

११

तत्। वीर्यं। यजमानः। आर्चयस्य। वृंके। यस्य भूयाः सः। यज्ञकृतव इति यज्ञक
 तवः। इति। आहुः। सः। देवताः। वृंके। इति। यदि। अग्निष्टोम इत्येग्नः। स्तोमः। सोमः।
 परस्तोत्रा स्यात्। उक्थं। कुर्वीता यदि। उक्थः। स्यात्। अनिरुचमिति रुचं।
 कुर्वीत्। यज्ञकृतुमिरिति यज्ञकृतुमिः। एव। अस्य। देवताः। वृंके। वसीयान्।
 भवति॥३॥ प्राणापानयोर्भूतं वृंके सावित्रीति श्वा॥ आनिग्राभ्यो इति निग्राभ्यो
 स्त्रा। देवकृत इति देवः कृतः। आयुः। मो। तर्पयत्। प्राणमिति प्रः। अनां। मो। तर्पयत्।
 अपानमिति पः। अनां। मो। तर्पयत्। व्यानमिति विः। अनां। मो। तर्पयत्। चक्षुः। मो। तर्प

प० तृ०
१२

युताः श्रोत्रं मे। तर्पयताः मर्तः मे। तर्पयताः वार्षा मे। तर्पयताः आत्मानं मे। तर्पयताः
अंगानि मे। तर्पयताः प्रजामिति प्रजो मे। तर्पयताः पशून् मे। तर्पयताः गृहान् मे।
तर्पयताः गणान् मे। तर्पयताः सर्वगणमिति सर्वगणो मा। तर्पयताः मा। ॥ ३ ॥ गणाः
मे। मा। वीति। नृपन्। ओषधयः। वै। सोमस्याविशः। विशः। खलु। वै। राशः। प्रदातो रि
ति प्रदातोः। ईश्वरः। ऐन्द्रः। सोमः। अवीर्यः। ब्रह्म। मनसा। सुजाता इति सुजाताः। क्र
तु प्रजाता इत्येतं प्रजाताः भगो इति ब्रह्मस्यार्मा इन्द्रोणा देवीः। वीर्यः। संविदाना इ
ति संविदानाः। अन्विति। मन्यता। सर्वनाया सोम इति आहुः। ओषधीभ्य इत्योषध
। + तर्पयताः ३३

रामः
१२



धिभ्यः। एवा एनं। स्वायै। शिवैः। स्वायै। देवतायै। निर्याच्येति निः। याच्ये। अभीति।
सुनोति। यः। वै। सोमस्या अभिषूयमाणस्येत्वंभिः। सुयमो नस्य। शा। प्रथमः। अ२।
सुः। स्कंदोति। सः। ईश्वरः। इन्द्रियं। वीर्यं। प्रजामिति प्रजो। पशून्। यजमानस्या। निहं
तोरिति निः। हुतोः। तं। अभीति। मन्त्रयेता। एति। मा। अस्कात्। सह। प्रजयेति प्रज
याः। सह। रायः। पौषणा। इन्द्रियं। मे। वीर्यं। मा। निरिति। वधीः। इति। आशिषमित्याः। शि
षा। एवा एतो। एते। श्लोः। इन्द्रियस्य। वीर्यस्य। प्रजाया इति प्रजायै। पशून्। अनैधी
तायेत्यनिः। घाताया इति। चस्कंद। एधिवी। अन्विति। चां। इमां। चायोनिं। अन्विति।

प० त०
१३

यः। चापूर्वां तृतीयं। योनिं। अन्विता। संचरन्। मिति। संचरन्। इति। जुहोमि। अनि
ति। सप्त। होत्रोः॥३॥ तर्पयन्। मा। निषु। यमी। ण। स्युयश्चुदशवा। णा। यः। वै। देवान्। दे
वयशसेनेति। देवः। यशसेन। अर्पयति। मनुष्यान्। मनुष्ययशसेनेति। मनुष्यः। ये
शसेन। देवयशसीति। देवः। यशसी। एवा। देवेषु। भवति। मनुष्ययशसीति। मनुष्यः
यशसी। मनुष्येषु। यात्रा। प्राचीन। आगुयेणात्र। ग्रहान्। गृह्णीयात्। तान्। उपा
श्रित्युपः। अः॥ गृह्णीयात्। यात्रा। कृष्वान्। तान्। उपादिमन्तुः। पदिः। मन्तः। देवा
न्। एवा। तत्र। देवयशसेनेति। देवः। यशसेन। अर्पयति। मनुष्यान्। मनुष्ययशसेने

रामः
१३

ति। मनुष्यः। यशसेन। देवयशसीति। देवः। यशसी। एवा। देवेषु। भवति। मनुष्ययश
सीति। मनुष्यः। यशसी। मनुष्येषु। अग्निः। प्रातः। सवनं। इति। प्रातः। सवनं। पातु। अस्मा
न्। वैश्वानरः। महिना। विश्वशंभुरिति। विश्वः। शंभुः। सितः। पावकः। दर्विणः। दधातु
॥१॥ आयुष्मन्तः। सहमक्षा। इति। सहः। भक्षाः। स्याम। विश्वो। देवाः। मरुतः। इन्द्रः। अस्मा
न्। अस्मिन्। द्वितीयो। सवनं। नाजद्युः। आयुष्मन्तः। प्रियं। एषां। वदेतः। वयं। देवान्।
सुमना। विति। सुमनौ। स्याम। इन्द्रा। तृतीयो। सवनं। कवीनां। कृतेन। यो। चमसो। ऐर्य
मोति। सौधन्वनाः। सुवः। आनशानाः। खिष्टमिति। सुः। इष्टानः। अभीति। वसीयान्



प० न०

१४

यंतुं आयतनवतीरित्यायतनवतीः वै। अन्याः। आहुतयइत्याहुतयः। हयंते। अ
नायतनाइत्यनाः। यतनाः। अन्याः। आचारवतीरित्याचारः। वतीः। ताः। आयतनवती
रित्यायतनवतीः। याः। ॥ १॥ सोम्याः। ताः। अनुयतनाइत्यनाः। यतनाः। ऐंद्रवायुवमि
त्येद्रवायुवां। आदायेत्यादाया। आचारमित्याचारः। एति। चारमेत्। अध्वरायुतः।
अयं। अस्तु। देवाः। ओषधीभ्यइत्योषधिभ्यः। पशवै। नः। जनीया। विश्वसोभूतायै।
अध्वरा। अमिसः। पितृस्वाघृतवदितिघृतः। वत्। देवः। सोमः। इति। सोम्याः। एवातत्।
आहुतीरित्याहुतीः। आयतनवतीरित्यायतनवतीः। करोति। अयतनवानित्याय

रामः
१४

ननः। वान्। भवति। यः। एवं। वेदां। अथोइति। घावां। पथिवीइति। घावां। पृथिवी। एवा। घृते
ना। वीति। छनति। तिइति। व्युत्तेइति। विउत्ते। उपजीवनीयेइत्युपजीवनीये। भवतः।
उपजीवनीयेइत्युपजीवनीये। भवति। ॥ १॥ यः। एवं। वेदां। एषः। ते। रुद्रः। भागः। यः। निर
याचथाइतिनिः। अयाचथाः। तं। जुषस्व। विदेः। गोयत्यां। एयः। योषां। सुवीर्यमिति। सु
वीर्यं। संवत्सरीणां। मितं। संवत्सरीणां। स्वस्तिं। मनुः। पुत्रेभ्यः। दायां। वीति। अभजत्।
सः। नाभां। नेदिष्ठां। ब्रह्मचर्यमिति। ब्रह्मचर्यं। वसंतं। निरिति। अभजत्। सः। एति। अग
हत्। सः। अब्रवीत्। कथां। मा। निरिति। अभाक्। इति। नात्वा। निरिति। अमाहोइति।



ਧੰਨੁ
੧੫

अब्रवीत् अंगिरसः ॥ इमे सत्रा आसन्ते ॥ ते ॥ ५ ॥ सुवर्गमिति सुवः ॥ गं ॥ लोकं ॥ नाप्रति
जानेति ॥ तेभ्यः ॥ इदं ब्राह्मणं ब्रूहि ॥ ते सुवर्गमिति सुवः ॥ गं ॥ लोकं ॥ यन्तः ॥ यो एषां ॥ पशु
वः ॥ तान् ॥ ते दास्यति ॥ इति तत्रा एभ्यः ॥ अब्रवीत् ॥ ते सुवर्गमिति सुवः ॥ गं ॥ लोकं ॥ यन्तः ॥
यो एषां ॥ पशवो आसन् ॥ तान् ॥ अस्मै ॥ अद्दुः ॥ तं पशुमिति पशुभिः ॥ चरन्तं ॥ यज्ञवा
स्ताविति यज्ञः ॥ वासौ ॥ रुद्रः ॥ एति ॥ अगच्छत् ॥ सः ॥ अब्रवीत् ॥ मम ॥ वै ॥ इमे ॥ पशवः ॥ इति ॥
अद्दुः ॥ वै ॥ ५ ॥ मदा ॥ इमान् ॥ इति ॥ अब्रवीत् ॥ नावैतस्येति ॥ ईशते ॥ इति ॥ अब्रवीत् ॥ य
ज्ञः ॥ यज्ञवास्ताविति यज्ञः ॥ वासौ ॥ हीर्यते ॥ मम ॥ वै ॥ तत्र ॥ इति ॥ तस्मात् ॥ यज्ञवास्तवित्य

रामः
१५



ज्ञः वाक्स्नाना अभ्यवेत्यमित्येवमवेत्यं सः अनुवीत् यत्रो मा एति भज अथ
 ना पशन्ना अभिनि मस्ये इति तस्मै एतां मथिनः सस्त्रावमिति संस्त्रावं अ
 जुहोत ततः वै तस्यै रुद्रः पशन्ना अभिनि अभ्यन्यता यत्रो एतां एवं विद्वान्
 मथिनः सस्त्रावमिति संस्त्रावं जुहोति ना तत्र रुद्रः पशन्ना अभिनि मन्यते ॥ दी
 दधात्वा यतनवती योऽपजीवनी ये भवत उपजीवनी यो भवति तदुर्वै यत्रै तमेका द
 प्राचा ॥ १॥ जुष्टः वाचः भूया सं जुष्टः वाचः पतये देवि वाक्पयता वाचः मधुमदि
 तिमधुं भून्तस्मिन् मा धाः स्वाहा सरस्वत्यै ऋचाः स्तोमः समिति अर्दयाग

ज्ञः वै विष्णुः यज्ञः एवा अकः विष्णो इति त्वं नः अंतमः शर्म यज्ञः संहृत्य प्रिति
 ते धाराः मधुश्चुत इति मधुः शुतेः उत्सं दुकते अक्षितं इति आह यत्र एवा अ
 स्य शयानस्य उपशुष्यतीत्युपशुष्यति तत्र एवा अस्या एतेनै एति व्यापयति
 शायस्विपात्यजामयि दुहते चतुर्दश च ॥ १० ॥ अग्निनी रथो अश्ववत् पोषो
 एव दिवे दिव इति दिवो यशसं वीरवत्तममिति वीरवत्तममो गोमानिति गो
 मान् अग्ने अविमानित्यविमान् अश्वी यज्ञः नृवत्सखेति नृवत्सखा सदा
 इति अमृष्य इत्यमृष्यः इडावानितीडावान् एषः असुरः प्रजावानिति प्रजाः

रामः

१७

वान् दीर्घः रथिः पृथुबुध इति पृथुः बुधः सभावानिति सभाः वान् एति व्याप
 स्वासमिति नो इह त्वं रं अग्नियं विश्वरूपमिति विश्वः रूपः उपेति क्रमे अस्मा
 को अक्ता केवलः तत्र नः तुरीयः अघो पोषयितुं देवा त्वं वीति रराणः सखा
 यतः वीरः ॥ ११ ॥ कर्मण्यः सुदक्ष इति सुदक्षः युक्त्या वेतियुक्तः ग्रावा जायते देव
 काम इति देवः कामः शिवः त्वं इति गहि विभुरिति विभुः पोषो उतात्म
 ना यज्ञेयं इति यज्ञेयः यज्ञः नः उदिति अर्वापिशर्ग रूप इति पिशर्गः रूपः सुभर
 इति सुभरः वयोधा इति वयोधाः अश्वी वीरः जायते देव काम इति देवः कामः

प० न०
१८

जामितिप्रजां त्वष्टा वीति। स्यतु। नामि। अस्मिइति। अथ। देवानां। अपीति। एतु। पाथ्या
प्रेति। न। देवी। एति। न। दिवा। पीपिवाः। सी। सरस्वतः। सनी। यः। विश्वदर्शतुइतिविश्वः
दर्शतः। धुक्षी। महि। प्रजा। मितिप्रजा। इषी। रा। ये। ते। सरस्वः। ऊर्मयः। मधुमंतुइति
मधुमंतः। घृतश्रुतइतिघृतः। श्रुतः। तिषा। ते। सुम्नः। इमहो। यस्य। व्रतः। पृथ्वः। येति।
सदीयस्य। व्रतः। उपतिष्ठतुइत्युपः। तिष्ठते। आपः। यस्य। व्रतः। पृथिवीतिरितिपृथिवी
ति। निविष्टइतिनिः। विष्टः। तः। सरस्वतः। अवसे। हुवेमा। दिव्यः। सुपर्णमिति। सुपर्णः। वा
यसा। बृहन्। अपां। गर्भः। दृषभः। जोषधीनां। अभीपतः। दृष्ट्या। तर्पयते। तः। सरस्व

रामः
१८

तः। अवसे। हुवेमा। सिनीवालि। द्युधुक्इतिप्रथुः। स्तुके। या। देवानां। असी। स्वः
सी। जुषस्व। हव्यः। आहुतमित्याहुतः। प्रजामितिप्रजा। देवि। दिदिहिनः। या। सु
पाणि। रिति। सुपाणिः। स्वगुरिरिति। सुअंगुरिः। सुषमेति। सुसमा। बहुसवरीति
बहुसवरीति। स्यो। विप्रलिये। हविः। सिनीवाल्ये। जुहोतनाइंद्रः। वः। विश्वतः। पृथि
ति। इंद्रः। नरी। असीतवर्णाइत्यसितः। वर्णाः। हरयः। सुपर्णीइति। सुपर्णाः। मिहः। व
सोनाः। दिवा। अवति। पतुति। ते। एति। अबवृत्रतः। सदनानि। कृत्वा। आताइत्वा। दृष्टि
वी। घृतैः। वीति। वृद्धनैः। हिरण्यकेशइति। हिरण्यः। केशः। रजसः। विसारइति। विसा

प० त०
९६

वि० अहिः धुनिः वानः इव। ध्रुजीमान् श्रुचिभ्राजान् श्रुचिभ्राजाः उषसः।
 ॥ गानवैदाः यशस्वतीः अपस्युवः नासत्याः एति० ति। सुपुष्पाः इति सुपुष्पाः।
 मिनन्त। एवैः कृष्णः। तोनावा वृषभः। यदि इदं शिवाभिः नो स्मर्यमानाभिः एति०
 जगात्। पतति। मिहः। सनयति। अभ्यावाभ्या। इव। विद्युदिति विद्युत्। मिमाति।
 दत्ता। न। माता। सिषाकौ यत्। एषां। वृष्टिः असर्जि। पर्वतः। चित्। महिः। वृक्षः। विभा
 यु। दिवः। चित्। सानुः। रज्जुत। स्वने। वः। यत्। क्रीडन्। मरुतः। ॥ ५॥ कृष्मन्त इत्यष्टिः
 भते। आपेः। इव। सध्रियेवः। धवध्वे। अभीति। कृन्दा। सनय। गभी। एति० धाः। उदन्व

रामः
९६

तेत्युदन्वन्तः। परीति। दीया। स्थेना। दति०। स्विति। कर्ष। विषित्। मिति। वि० सितं। न्येच।
 समा। भवन्तु। उदन्तेत्युत्। वन्तः। निपादादति० निपादाः। त्वा। त्या। चित्। अच्युता। अ
 न्ते। पृथुः। ना। यवसौ। धामा। ह्यत्। न्ते। अजरावन्तः। वृश्चन्ति। शिर्क्से। अग्ने। भूरी
 णि। तवा। जातवेद इति जातः वेदः। देवः। स्वधावृदति। स्वधाः। वः। अमृतस्य। धामीयाः।
 च। ॥ ६॥ मायाः। मायिनी। विश्वमिन्वेति विश्वेऽदन्व। त्वे। दति०। पूर्वाः। संदधु। रिति संद
 धुः। दृष्टवन्तः। इति दृष्टवन्तः। दिवः। नः। वृष्टिः। मरुतः। ररीध्वं। प्रेति०। पुन्वन्तः। वृष्टः। अ
 श्वस्य। धारः। अर्वाङ्। एतेन। सनयितुना। एति०। इति०। अपः। निषिचन्ति०। निः। सन्व

न० अमुरः पिता॥ न० पितृन्ति॥ अप० मरुतः॥ सुदानव इति सुदानवः॥ पर्यः॥ घृतवृदि
ति घृतः वृत्त॥ विदथेषु॥ आमुवृत्त्योऽमुवः॥ अत्यं॥ मिहो॥ वीति॥ नृत्यं॥ वाजिनं॥ उ
त्सी॥ दुहंति॥ सनयं॥ अक्षितं॥ उदप्रुतइत्युदः प्रुतः॥ मरुतः॥ तान्॥ इत्यर्त्त॥ हृष्टं॥ ॥ ॥
ये॥ विश्वं॥ मरुतः॥ जुनेति॥ कोशति॥ गदी॥ कन्यो॥ इव॥ तुला॥ पेहं॥ तुंजाना॥ पत्या॥ इव॥
जाया॥ घृतेर्ताद्यावा॥ पृथिवी इति द्या॥ वा॥ पृथिवी॥ मधुना॥ समिति॥ उक्षता॥ पयस्वतीः॥
कृणुता॥ आपः॥ ओषधीः॥ ऋजं॥ च॥ तत्रा॥ सुम॥ ति॥ मि॥ ति॥ सु॥ म॥ ति॥ च॥ पितृ॥ यवः॥
न० मरुतः॥ सिचर्था॥ मधु॥ उदिति॥ जाल्यं॥ चित्रं॥ और्वभृगुवदित्यौर्वभृगुवत्त॥ शुचि॥

अम्रवानवदित्यम्रवानः वत्त॥ एति॥ हुवे॥ अग्निः॥ समुद्रवा॥ ससुमिति॥ समुद्रः॥ वा॥ ससं॥
एति॥ सवा॥ सवितुः॥ यथा॥ भगस्य॥ इव॥ भुजि॥ हुवे॥ अग्निः॥ समुद्रवा॥ ससुमिति॥ समुद्रः॥
वा॥ ससं॥ हुवे॥ बान्ते॥ स्वने॥ मिति॥ बान्ते॥ स्वने॥ कुर्वि॥ पुजे॥ न्ये॥ कंध॥ मिति॥ पुर्जन्ये॥ कंधा॥ सहा॥
अग्निः॥ समुद्रवा॥ ससुमिति॥ समुद्रः॥ वा॥ ससं॥ ॥ ॥ ॥ वीर॥ इव॥ इव॥ मुषसो॥ मरुतश्च॥
हृष्टं॥ भगस्यद्वादशच॥ ॥ ॥ ॥ प्रजापतिर॥ कामयते॥ धते॥ यज्ञं॥ वै॥ प्रजापतेः॥ प्राजापत्या
योवा॥ अयया॥ देवत॥ मिषगो॥ निग्राभ्यो॥ स्त्रयो॥ वै॥ देवा॥ जुष्टो॥ अग्निर्नार॥ यिमेका॥ दश॥ ॥ ॥
प्रजापतिर॥ कामयते॥ प्रजापतेर्जायमाना॥ व्यायच्छते॥ मरुमिमा॥ त्माया॥ मायिना॥ दिवत्वा



रिश्रवता ॥ ४२ ॥ ॥ हृदि ओम् ॥ ॥ यः वै पर्वमानानां अन्वारे हानित्यनु आरोहः
 न विद्वान् यजते अन्विति पर्वमानान् एति रोहति न पर्वमानेभ्यः अवेति द्वि
 द्यते श्येनः असि गायत्र छंदा इति गायत्र छंदाः अन्विति त्वा एति रमे स्वस्ति
 मा समिति पायस्य सुपर्ण इति सुपर्णः असि त्रिष्टुप् छंदा इति त्रिष्टुप् छंदाः अन्वि
 ति त्वा एति रमे स्वस्ति मा समिति पायस्य सघो असि जग्नी छंदा इति जग्नीः
 छंदाः अन्विति त्वा एति रमे स्वस्ति मा समिति पायस्य इति आह एते ॥ १ ॥ वै पर्व
 मानानां अन्वारे हानित्यनु आरोहः नान्यः एवं विद्वान् यजते अन्विति पर्व

मानान् एति रोहति न पर्वमानेभ्यः अवेति द्विद्यते यः वै पर्वमानस्य संतति
 मिति संतति वेदे सर्वे आयुः एति न पुरा आयुषः प्रैति मीयते पृष्ठमानिति
 पृष्ठमान भवति विंदते प्रजामिति प्रजा पर्वमानस्य महान् गृह्यते अथा वै
 अस्या एते अगृहीताः क्षेणकुलश इति क्षेणकुलशः आधवनीय इत्योऽधवनीयः
 पूतभृदिनि पूतभृत् नाना यत् अगृहीत्वा उपाकुर्यादित्युपः आकुर्यात् पर्वमानं
 वीति ॥ २ ॥ छिद्यमानं विच्छिद्यमानमिति विच्छिद्यमानं अधुर्यो प्राण इति प्रः अनुः
 अनु वीति छिद्येता उपयामगृहीत इत्युपयामः गृहीतः असि प्रजापतय इति प्रजा



पतयेत्वा इति। द्रोणकलशमिति द्रोणः कलशः। अभीति। मृशेत्। इन्द्रोयात्वा इति।
आध्वनीयमित्याध्वनीया विश्वेभ्यः। त्वा देवेभ्यः इति। पृतमृतमिति पृतमृतं।
यवमानं। एवातत्। समिति। तनोति। सर्वं। आयुः। एति। नापुरो आयुषः। प्रेति। मीय
ते। पृथुमानिति पृथुः। मातृ। सुवृति। विंदते। प्रजामिति प्रजाः। आ। एते विदिवत्वारि
श्च। १॥ त्रीणां वा। सर्वनां। अथ। तृतीयं। सर्वनां। अवेति। लुंयति। अनुश्शु। कु
र्वते। उपाश्शुमित्युपः। अश्शु। हुत्वा। उपाश्शुपात्र इत्युपाश्शुपात्रे। अश्शु। अ
वायेत्यवः। अस्यां। तं। तृतीयं। सर्वनां इति तृतीयः। सर्वनां। अपि। सज्ये। ल्यपिः। सज्ये। अ

भीति। सुनुयात्। यत्। आप्याययतीत्याः। याययति। तेन। अश्शुमदित्यश्शुम
त्। यत्। अभिषुणोतीत्यभिः। सुनोति। तेन। ऋजीषि। सर्वाणि। एवातत्। सर्वनां।
अश्शुमंतीत्यश्शुमंति। शुक्रवंतीति शुक्रं वेति। समावेदीर्याणीति समावेत्।
दीर्याणिकरोति। द्यौः। समुद्रोर्वितं। वितं। वितं। अज्यै। पयं वेत्तेति इति परि
आवेत्तेति। जहरी। इवापादाः। तयोः। पश्यतः। अतीति। यंति। अन्यं। अपश्यतः। १॥ से
तुना। अतीति। यंति। अन्यं। देहति। द्रधसी इति। सतती इति सतती। वसो। एकः। केशी
विश्वो। सुवनां। विद्वान्। तिरोधायेति तिरोधाये। एति। असितं। वसीन। शुक्रं। ए

ति। दत्ते। अनुहायेत्यनुहायः। जायै। देवाः। वै। यत्। यज्ञो। अकुर्वत्। तत्। असुराः। अकुर्वत्। ते। देवाः। एतं। महायज्ञमिति महायज्ञः। अपश्यन्। तं। अतन्वत्। अग्निहोत्रमिदं। अग्निहोत्रं। ब्रूतं। अकुर्वत्। तस्मात्। हि ब्रूत इति हि ब्रूतः। स्यात्। हि। हि। अग्निहोत्रमित्यग्निहोत्रं। जुह्वति। पौर्णमासमिति पौर्णमासः। यज्ञः। अग्नीषोमीयमित्यग्नीषोमीयः। शापयं। अकुर्वत्। दास्यं। यज्ञः। आग्नेयं। पयं। अकुर्वत्। नैऋदेवमिति नैऋदेवः। पातः। सुवनेमिति प्रातः। सुवनं। अकुर्वत्। वरुणप्रधासो निति वरुणः। प्रधासानामार्धदिनं। सर्वतं। साकमेधानिति साकमेधान्। पितृयज्ञमिति पितृयज्ञः।

रामः

२३

अथ कानि त्रिः। अंबकात्। तृतीयसुवनमिति तृतीयः। सुवनं। अकुर्वत्। तं। एषां। असुराः। यज्ञः। अन्ववाजिगाः। सन्वित्यनुः। अवाजिगाः। सन्वतं। न। अन्ववायनित्यनुः। अवायन्। ते। अब्रुवन्। अध्वर्यावाः। वै। इमे देवाः। अभूवन्। इति। तत्। अध्वर्यावाः। अध्वर्यमित्यध्वर्यः। तत्। ते। देवाः। अभूवन्। परेति। असुराः। यः। एवं विद्वान्। सोमं। यजेत। भवति। आत्मना। परेति। अस्या। भार्गव्यः। भवति॥ आ। अपश्यन्। अग्नीषोमीयमात्मना पराव्रीणिच॥ आ। परिभूरिति परिभूः। अग्निः। परिभूरिति परिभूः। इन्द्रः। परिभूरिति परिभूः। विश्वान्। देवान्। परिभूरिति परिभूः। मां। सह। ब्रह्मवर्चसि॥



प० न०
२४

नेति ब्रह्मवर्चसिनाः सः नः पवस्वाः शंगवैः शंजनायाः शं। अवैतिः शं। राजन्। ओष
धीम्य इत्योषधिः भ्यः। अह्नि न स्याते। रयिपत इति रयिः पते। सुवीर्यस्येति सुवी
र्यस्य। रयः। पोषस्य। ददिताः स्यामातस्य। मे। रास्व। तस्य। ते। भक्षीया। तस्य। ते। इदं।
उदिति। मृजे। प्राणयेति प्रः अनायासे। वर्चदा इति वर्चः दाः वर्चसे। पवस्वा। अपाना
यत्यपः अनायासे। व्यानायेति विः अनायासे। ॥१॥ दक्षक्रतुभ्यामिति दक्षक्रतुभ्यां।
चक्षुभ्यामिति चक्षुः भ्यां। मे। वर्चदा इति वर्चः दाः वर्चसे। पवथा। श्रोत्राया। आत्म
ने। अंगेभ्यः। आयुषे। वीर्यया। विलोः। इन्द्रस्य। विष्वेष्वां। देवानां। जुठरं। असि। वर्चदा

रामः
२४

इति वर्चः दाः मे। वर्चसे। पवस्वाः कः। असि। कः। नाम। कस्यै। त्वा। कार्य। त्वाः यं। त्वासे
मेना। अतीतपं। यां। त्वा। सोमेना। अमीमदं। सुप्रजा इति सुः प्रजाः। प्रजयति प्रः जया।
भूयासे। सुवीर इति सुः वीरः। वीरैः। सुवर्चा इति सुः वर्चाः। वर्चसे। सुपोष इति सुः पोषः।
पोषैः। विष्वेभ्यः। मे। रूपेभ्यः। वर्चदा इति वर्चः दाः। ॥२॥ वर्चसे। पवस्वा। तस्य। मे। रास्व। त
स्य। ते। भक्षीया। तस्य। ते। इदं। उदिति। मृजे। बभूषन्। अवैति। इक्षिता। एषः। वै। पात्रियः।
प्रजापतिरिति प्रजाः पतिः। युजः। प्रजापतिरिति प्रजाः पतिः। नं। एवा। तर्पयति। सः।
एनां। नृणां। भृत्या। अमीति। पवते। ब्रह्मवर्चसकां। मु इति ब्रह्मवर्चसः कां। मः। अवैति। इ



प० न०
२५

क्षेत्ताः एषः वै पात्रियः प्रजापतिरिति प्रजाः पतिः यज्ञः प्रजापतिरिति प्रजाः पतिः
पतिः तां एवातर्पयति सः एनं तृप्तः ब्रह्मवर्चसेनैति ब्रह्मवर्चसेना अभितीति प
क्षेत्ताः आमुयावी ॥ ३ ॥ अवेति ईक्षेत्ता एषः वै पात्रियः प्रजापतिरिति प्रजाः पतिः
यज्ञः प्रजापतिरिति प्रजाः पतिः तां एवातर्पयति सः एनं तृप्तः आयुषा अभि
तीति पवते अभिचरन्निवमिचरन् अवोते ईक्षेत्ता एषः वै पात्रियः प्रजाप
तिरिति प्रजाः पतिः यज्ञः प्रजापतिरिति प्रजाः पतिः तां एवातर्पयति सः एनं
तृप्तः प्राणापानाभ्यामिति प्राणापानाभ्यां वाचः दक्षकृतुभ्यामिति दक्षक

रामः
२५

तुभ्यां चक्षुभ्यामिति चक्षुःभ्यां श्रोत्राभ्यां आत्मनः अंगैर्भ्याः आयुषः अंतः ए
ति तां जक्रेति धन्वति ॥ ४ ॥ वाचेरूपेभ्यो बर्वादा आमुयावी पंचचत्वारिंश
च्चा ॥ ५ ॥ स्यः स्वस्तिः विघ्ननश्चैति विघ्ननः सुस्तिः पथः वेदिः पुरुषः नः ह
स्तिः यज्ञियोः यज्ञकृतुश्चैति यज्ञकृतुः स्वाते मा अस्मिन् यज्ञे उपेति दस
ध्वं उपेति मा द्यावापृथिवी इति द्यावापृथिवी द्रव्ये तो उपेति आस्तावदस्य
स्तावः कलशः सोमः अग्निः उपेति देवाः उपेति यज्ञः उपेति मा होत्राः उ
पहवदस्य पशुवे द्रव्ये तो नमः अग्नये मखघ्नश्चैति मखघ्नो मखस्या मा



प० त०
२६

शः॥ अर्यान् इति॥ आहुवनीयमित्याहुवनीर्य॥ जपेति॥ तिष्ठते॥ यज्ञः॥ वै॥ मखः॥ १॥ शाय
ज्ञा॥ वावासा॥ तदा अह्नानस्मै॥ एवा॥ नमस्कृत्येति॥ नमः॥ कृत्या॥ सदे॥ प्रेति॥ सर्पति॥ आ
त्मनः॥ अनार्यै॥ नमः॥ रुद्राय॥ मखघ्न इति॥ मखघ्ने॥ नमस्कृत्येति॥ नमः॥ कृत्या॥ मा॥ ण
हि॥ इति॥ आग्नीध्रमित्याग्निः॥ इध्रा॥ तस्मै॥ एवा॥ नमस्कृत्येति॥ नमः॥ कृत्या॥ सदे॥ प्रेति॥ स
र्पति॥ आत्मनः॥ अनार्यै॥ नमः॥ रुद्राय॥ मखघ्न इति॥ मखघ्ने॥ इन्द्रिया॥ मे॥ वीर्यं॥ मा॥
निरिति॥ वधी॥ इति॥ होत्रीर्य॥ आशिषमित्याशिषी॥ एवा॥ एता॥ एति॥ शासो॥ इन्द्रिय
स्या॥ वीर्यस्य॥ अनिर्घातो॥ येत्यनिः॥ घाता॥ या॥ या॥ वै॥ १॥ शो॥ देवताः॥ सदे॥ सि॥ आ॥ नै॥ आ

पयंतीत्या॥ अपयंति॥ यः॥ ताः॥ विद्वान् प्रसर्पतीति॥ प्रः॥ सर्पति॥ ना॥ सदे॥ सि॥ आ॥ नै॥
एति॥ कृच्छति॥ नमः॥ अग्नये॥ मखघ्न इति॥ मखघ्ने॥ इति॥ आ॥ हु॥ एताः॥ वै॥ देवताः॥ स
दे॥ सि॥ आ॥ नै॥ एति॥ अपयंति॥ ताः॥ यः॥ एवं॥ विद्वान् प्रसर्पतीति॥ प्रः॥ सर्पति॥ ना॥ स
दे॥ सि॥ आ॥ नै॥ एति॥ कृच्छति॥ दृढे॥ इति॥ स्वः॥ शिथिरे॥ इति॥ समीची॥ इति॥ मा॥ अ॥ रु
सः॥ पातं॥ स॥ र्यः॥ मा॥ देवः॥ दिव्यात्मा॥ अ॥ रु॥ सः॥ पातु॥ वायुः॥ अंतरिक्षात्मा॥ शो॥ अग्निः॥
पृथिव्याः॥ यमः॥ पितृभ्य इति॥ पितृभ्यः॥ सरस्वती॥ मनुष्येभ्यः॥ देवी॥ इति॥ द्यौः॥ मा॥
मा॥ समिति॥ ता॥ प्रो॥ नमः॥ सदे॥ सि॥ नमः॥ सदे॥ सः॥ पते॥ यो॥ नमः॥ सखीना॥ पुरोगाणामि

तिपुरः॥ गाना॥ चक्षुषो नमः॥ दिवो नमः॥ पृथिव्ये॥ अहो॥ देधिष्वया॥ उदिति॥ अतः॥ ति
 ष्ठा॥ अन्यस्या॥ सदने॥ सीदा॥ यः॥ अस्मत्पा॥ केन॥ इति॥ पाक॥ इति॥ उदिति॥ निवतः॥
 तिनः॥ वतः॥ उदिति॥ उदितः॥ इत्युतः॥ वतः॥ च॥ गेषा॥ पाते॥ मा॥ ध्या॥ वा॥ पृथिवी॥ इति॥ द्या॥ वा॥
 पृथिवी॥ अद्या॥ अद्या॥ सदः॥ वै॥ प्रसर्पन्मिति॥ प्र॥ स॥ र्यन्ता॥ ध्या॥ पितरः॥ अना॥ प्रेति॥ सु
 र्यति॥ तो॥ ए॥ नो॥ ई॥ श्वरा॥ हि॥ सि॥ तो॥ सदः॥ प्र॥ स॥ र्येति॥ प्र॥ स॥ र्यः॥ दक्षिणा॥ र्धमिति॥ दक्षिणा॥
 अर्ध॥ परेति॥ ई॥ क्षे॥ तो॥ ए॥ ति॥ अंग॥ तः॥ पितरः॥ पित॥ मानि॥ ति॥ पित॥ मानः॥ अ॥ हं॥ यु॥ ध्या॥ मिः॥
 भू॥ या॥ सं॥ सु॥ य॥ ज॥ सं॥ इति॥ सु॥ य॥ ज॥ सं॥ म॥ यो॥ यू॥ यो॥ भू॥ या॥ सं॥ इति॥ ति॥ भ्यः॥ ए॥ वा॥ न॥ म॥ स्तु॥ त्ये

ति॥ नः॥ इ॥ त्वा॥ सदः॥ प्रेति॥ स॥ र्यति॥ आ॥ त्म॥ ने॥ अ॥ नो॥ त्र्यो॥ पा॥ म॥ स्तो॥ वा॥ अ॥ न॥ रि॥ क्षा॥ त्म॥ स
 र्यन्त॥ त्र्यो॥ स्त्रि॥ श॥ च्चा॥ ध्या॥ भर्षा॥ ए॥ ति॥ इ॥ हि॥ मा॥ ए॥ ति॥ वि॥ श॥ दी॥ र्घा॥ यु॥ त्वा॥ ये॥ ति॥ दी॥ र्घा॥ यु॥
 त्वा॥ ये॥ श॥ न॥ नु॥ त्वा॥ ये॥ ति॥ श॥ न॥ नु॥ त्वा॥ ये॥ र॥ यः॥ यो॥ वा॥ यः॥ व॥ र्च॥ सो॥ सु॥ प्र॥ ज्ञा॥ त्त्वा॥ ये॥ ति॥ सु॥ प्र॥ ज्ञा॥
 त्वा॥ ये॥ ए॥ ति॥ इ॥ हि॥ व॥ सो॥ इति॥ पु॥ रो॥ व॥ सो॥ इति॥ पु॥ रः॥ व॥ सो॥ प्रि॥ यः॥ मे॥ हृ॥ दः॥ अ॥ सि॥ अ॥ श्रि
 ने॥ त्वा॥ बा॥ हु॥ भ्या॥ मि॥ ति॥ बा॥ हु॥ भ्या॥ स॥ ध्या॥ सं॥ नृ॥ च॥ क्ष॥ सं॥ मि॥ ति॥ नृ॥ च॥ क्ष॥ सं॥ त्वा॥ दे॥ वा॥ सो॥
 मा॥ सु॥ च॥ क्षा॥ इति॥ सु॥ च॥ क्षा॥ अ॥ वे॥ ति॥ र॥ ख्ये॥ वं॥ मं॥ द्रा॥ अ॥ भि॥ भू॥ ति॥ रि॥ त्य॥ मि॥ भू॥ ति॥ के॥ तु॥ य
 ज्ञा॥ नो॥ वा॥ क्॥ जु॥ पा॥ णा॥ सो॥ म॥ स्या॥ नृ॥ य॥ तु॥ मं॥ द्रा॥ ख॥ र्वा॥ ची॥ ति॥ सु॥ अ॥ र्वा॥ ची॥ अ॥ दि॥ ति॥



प० तृ०
२६

अनाहतशीर्षीत्यनाहतः श्रीर्षी॥ वाक्काज्याणा॥ सोमस्यानृत्यनु॥ एति॥ इति॥ विश्व
चर्षण इति विश्वः चर्षणे॥ १॥ शंभूरिति शंभूः मयोभूरिति मयः॥ भूः स्वस्ति॥ मा॥ हरि
वयोति हरिः वर्णाप्रेति॥ चर॥ कर्त्तव्यदक्षायारायः॥ पोषोय॥ सुवीरतोया इति सुवीरता
ये॥ मा॥ मा॥ राजन्॥ वीरता॥ बीमिषः॥ मा॥ सो॥ हृदि॥ त्विषा॥ वधीः॥ वषणे॥ शुभ्राया॥ आयु
षो॥ वर्चसे॥ वसुमद्गणस्येति वसुमत्तः गणस्या॥ सोमा॥ देवा॥ ते॥ मतिविद इति मतिः वि
दः॥ प्रातः॥ सवनस्येति प्रातः॥ सवनस्या॥ गायत्र्यं छंदस इति गायत्र्यं छंदसः॥ इदं पीतस्ये
तींद्रः पीतस्या॥ नराशः स पीतस्येति नराशः स पीतस्या॥ पितृपीतस्येति पितृपीत

रामः
२६

स्या॥ मधुमनु इति मधुः मनुः॥ उपहृतस्येत्युपहृतस्या॥ उपहृतस्येत्युपहृतः॥ भक्षयामि
रुद्रवद्गणस्येति रुद्रवत्तः गणस्या॥ सोमा॥ देवा॥ ते॥ मतिविद इति मतिः विदः॥ मा॥ अर्घ्यदिन
स्या॥ सवनस्या॥ त्रिष्टुप् छंदस इति त्रिष्टुप् छंदसः॥ इदं पीतस्येतींद्रः पीतस्या॥ नराशः स
पीतस्येति नराशः स पीतस्या॥ रा॥ पितृपीतस्येति पितृपीतस्या॥ मधुमनु इति मधुः
मनुः॥ उपहृतस्येत्युपहृतस्या॥ उपहृतस्येत्युपहृतः॥ भक्षयामि॥ आदित्यवद्गणस्येत्या
दित्यवत्तः गणस्या॥ सोमा॥ देवा॥ ते॥ मतिविद इति मतिः विदः॥ तृतीयस्या॥ सवनस्या॥ जग
ती छंदस इति जगती॥ छंदसः॥ इदं पीतस्येतींद्रः पीतस्या॥ नराशः स पीतस्येति नराशः



प. नं.
२६

संपीतस्यः पितृपीतस्येति पितृः पीतस्यः मधुमत् इति मधुः मतः उपहृतस्येत्युपः हृत
तस्यः उपहृत इत्युपः हृतः भक्षयामि एति आयस्वः सोमति एतुः तौ विश्वतः सोम
हस्विष्यां भवो वाजस्यः संगे अइति सं गथे हन्वा मे गात्रा हरिव इति हरिः वः गणा
नामो मा वीति नीतृषः शिवः मे सप्तर्षी निति सप्तः ऋषीन् उपेति तिष्ठस्वामा मे
अवाङ् नामि अनीति शो गाः अपीमः सोमं अमृताः अमृता अदर्सा ज्योतिः अ
विहामा देवान् किं अस्मान् कृणवत अरति किं उधृतिः अमृता मर्त्यस्य यदा
मे आत्मने मिदा अर्हेत् अग्निः तदा पुनः एति अहः जातवेदा इति जात वेदाः वि

राजः
२६

वर्षणिरिति विः चूर्वाणि पुनः अग्निः चक्षः अदात् पुनः इहः हृत्स्पतिः पुनः मे
अश्विना युवां चक्षः एति धृता अक्ष्योः इष्टयं जुष इतीष्टः युजुषः ति देवः सोमः कृ
तस्ते मस्येति कृतः क्षोमस्यः शास्त्रोक्तस्येति शास्त्रः उक्तस्य हरिवत् इति हरिः
वतः इन्द्रपीतस्येति इन्द्रपीतस्यः मधुमत् इति मधुः मतः उपहृतस्येत्युपः हृतस्यः उ
पेहृत इत्युपः हृतः भक्षयामि आपूर्या इत्योः पूर्याः स्वा एति मा पूरयता पूजयेति
प्रजयो चार्धनेन च एतदनेन तनुये चार्त्वा अन्विता एतदनेन पितामहा प्र
तामहेति प्रपितामहायै चार्त्वा अन्विता अत्रा पितरः यथा भागमिति यथा भाग



प० त०
२०

मंदं च। नमः। वः। पितरः। रसाया। नमः। वः। पितरः। शुभाय। नमः। वः। पितरः। जीवा
या। नमः। वः। पितरः। पा। सुधाया। इति स्वः धार्यै। नमः। वः। पितरः। मन्यवै। नमः।
वः। पितरः। घोरये। पितरः। नमः। वः। चि। एतस्मिन् लोके। स्वयं यन्मन्ति। अ
न्विनि। यो। अस्मिन् लोके। मांति। अन्विनि। यो। एतस्मिन् लोके। स्वयं यन्मन्ति। व
सिष्ठाः। भूयास्त। यो। अस्मिन् लोके। अहं नेषी। वसिष्ठः। भूयासं। प्रजापितृ इति प्रजा
पते। न त्वत् एतानि। अन्यः। विश्वा। जाननि। परीति। तां वस्वु। दी। यत्कामा इ
तियत्। कामाः। ते। जुहुमः। तत्रानः। अस्ता वयं। स्याम। पतेयः। रयीणां। देवकृतस्ये

राः
२०



तिदेवः कृतस्य। एनसः। अवयर्जनमित्यवः यर्जनं। अति। मनुष्यं कृतस्येति मनु
यः कृतस्य। एनसः। अवयर्जनमित्यवः यर्जनं। अति। पितृकृतस्येति पितृकृत
स्य। एनसः। अवयर्जनमित्यवः यर्जनं। अति। अस्वित्यपुंसु। घोरस्य। सोम। देव।
ते। नृभिरिति नृभिः सुतस्य। इष्टयं जुष इतीष्टयं जुषः। कृतस्य। मस्येति कृतस्य।
मस्य। शुशो वक्ष्येति शस्तः उवक्ष्यस्यायः भक्षः। अश्वसनि रित्यश्वः सनिः यः गो
सनि रिति गोः सनिः तस्येति। पितृभिरिति पितृभिः भक्षकृतस्येति भक्षः कृतस्य।
उपकृतस्येत्युपः कृतस्य। उपकृतस्येत्युपः कृतः। भक्षया मि। ॥ विश्वचर्वणत्रिष्टुब्ध



सुदंरपीतस्यनराशः सपीतस्यातिस्तनलोमस्यजीवायुनमोवः पितरोबभूव
 तुष्यत्वारिः शब्दः ॥ ५ ॥ महीनाः पर्याः असि विष्णोः देवानां तनः कथासं
 द्याः पर्वतीनां ग्रहाः पर्वतीनां ग्रहाः असि विष्णोः हृदये असि एकः इषा विष्णुः
 अनुवीति वक्रमे भूतिः दुष्पाः घृतेनैव धृतिः तस्य मा इष्टस्य जीतस्याद
 विष्णोः एति गम्यात् ज्योतिः असि वैष्णवः राश्रियै दुग्धं यावती इति द्यावी
 थिवी इति द्यावीः पृथिवी महित्वेति महित्वा यावत् रात्रि समासिधं वा विनस्तु
 रिति विनस्तुः तावत् इति ॥ १ ॥ ग्रहाः सह ऊर्जा गृह्णामि अस्तं यत्

रामः
३१

न इति कलः शकुनः पृषदाज्यमिति पृषतः आज्या अवमृशेदित्यवः मृशेत्
 शब्दः अस्या प्रमायुका इति प्रमायुकाः स्युः यत् रात्रि अवमृशेदित्यवः मृशेत्
 चतुष्पाद इति चतुः स्यादः अस्या पृषवः प्रमायुका इति प्रमायुकाः स्युः यत् रात्रि
 देवः यजमानः प्रमायुका इति प्रमायुकाः स्यात् पृषवः वै पृषदाज्यमिति पृष
 तः आज्या पृषवः वै एतस्या स्कंदंति यस्य पृषदाज्यमिति पृषतः आज्या स्कंद
 ति यत् पृषदाज्यमिति पृषतः आज्या पुनः गृह्णति पृषत् एवा जसौ पुनः
 गृह्णति प्राणे इति प्रः अनः वै पृषदाज्यमिति पृषतः आज्या प्राणे इति प्रः अनः



पृ० न०
३२

दे॥शा एतस्याः स्कंदति॥यस्याः पृषदाज्यमिति एष तः आज्यं स्कंदति॥यत्र पृषदाज्य
मिति एष तः आज्यं पुनः॥गृह्णाति प्राणमिति प्रःअनं॥एव॥अस्मै॥पुनः॥गृह्णाति॥हि
रप्य॥अवधायैत्यवधार्य॥गृह्णाति॥अमृतं॥वै॥हिरण्यं॥प्राण इति प्रःअनः॥पृ
षदाज्यमिति एष तः आज्यं॥अमृतं॥एव॥अस्याः प्राण इति प्रःअनं॥दधाति॥शतमा
नमिति शतः मानं॥भवति॥शतायुरिति शतः आयुः॥दुर्हयः॥शतं द्रियं इति शतः इं
द्रियः॥आयुषि॥एव॥इंद्रिये॥प्रतीति॥तिष्ठति॥अश्वं॥अवेति॥घ्रापयति॥प्रजापत्य इ
ति प्राजाः पत्यः॥वै॥अश्वं॥प्राजापत्य इति प्राजाः पत्यः॥प्राण इति प्रःअनः॥स्वात् ए

रमः
३२

वा॥अस्मै॥यो नैः॥प्राणमिति प्रःअनं॥जिगति॥मिमीते॥वीति॥वै॥एतस्याः यज्ञः॥छिद्य
ते॥यस्याः पृषदाज्यमिति एष तः आज्यं स्कंदति॥वै॥सुव्या॥कृचा॥पुनः॥गृह्णाति॥यज्ञः॥
वै॥विष्टुः॥यज्ञेन॥एव॥यज्ञं॥समिति॥तनोति॥आते पृषदाज्यं प्राणो वै यो नैः प्राणं दा
वि॥शतिश्च॥॥॥देव॥सवितुः॥एतत्तने॥प्रेति॥आह॥तत्तने॥प्रेति॥चा॥सुवा॥प्रेति॥चा॥यु
जा॥हहस्यति॥ब्रह्मा॥आयुष्यत्या॥कृचः॥मा॥गाता॥तन्पादिति तन्पादा॥साम्नः॥
सत्याः॥वः॥आशिष इत्या॥शिषः॥संतु॥सत्याः॥आकृतय इत्या॥कृतयः॥कृतं॥चा॥स
त्या॥चा॥वदत॥रुत॥देवस्या॥सवितुः॥प्रसव इति प्रःसवो॥रुतस्या॥रुतं॥असि॥ज

स्थ २

प० त०
३२

जीमही। स्तुतं। दुहां। एति। मा। स्तुतस्य। स्तुतं। गम्यात्। शस्त्रस्य। शस्त्रं। अ० सि।
ऊर्जै। मही। शस्त्रं। दुहां। एति। मा। शस्त्रस्य। शस्त्रं। गम्यात्। इदियावंतु इतीदियं वं
तं। वनामहे। धुक्षीमहे। प्रजामिति प्रजां। इषा। सामे। सत्या। आशीरित्योः शोः। दे
वेषु। भ्यात्। ब्रह्मवर्चसमिति ब्रह्मवर्चसं। मा। एति। गम्यात्। यज्ञः। बभूव। सः। ए
ति। बभूव। सः। प्रेति। जज्ञे। सः। वावृधोः सः। देवानां। अधिपतिरित्यधिः पतिः। बभू
व। सः। अस्मान्। अधिपती। नित्यधिः पतीन्। करोतु। वयं। त्यामापतयः। रयीणां।
यज्ञः। वा। वै। रा। यज्ञपतिसिति यज्ञपतिः। दुहां। यज्ञपतिरित्ये यज्ञपतिः। वा। य

रागः
३२

ज्ञ। दुहां। सः। यः। स्तुतशस्त्रयोः शितिस्तुतशस्त्रयोः। दोहां। अविद्वान्। यजते। तां। य
ज्ञः। दुहां। सः। इष्ट्वा। पापीयान्। भवति। यः। एनयोः। दोहां। विद्वान्। यजते। सः। यज्ञः।
दुहां। सः। इष्ट्वा। वसीयान्। भवति। स्तुतस्य। स्तुतं। अ० सि। ऊर्जै। मही। स्तुतं। दुहां। ए
ति। मा। स्तुतस्य। स्तुतं। गम्यात्। शस्त्रस्य। शस्त्रं। अ० सि। ऊर्जै। मही। शस्त्रं। दुहां। ए
ति। मा। शस्त्रस्य। शस्त्रं। गम्यात्। इति। आहा। एषः। वै। स्तुतशस्त्रयोः शितिस्तुतश
स्त्रयोः। दोहां। तां। यः। एवं। विद्वान्। यजते। दुहां। एवायज्ञः। इष्ट्वा। वसीयान्। भवति।
आशस्त्रं। वै। शस्त्रं। दुहां। द्वविंशतिश्चाणाश्यानाय। पत्नैः। स्वाहा। वद। स्वयमेभि



प० त०
३४

गृहीयेति स्वयं अभिगृहीया नमः॥ विष्टभायेति विस्तृभाये। धर्मणे। स्वाहा। व
द। स्वयमभिगृहीयेति स्वयं अभिगृहीया नमः॥ परिधय इति परिधये। जुन
प्रथनायेति जनप्रथनाया। स्वाहा। वद। स्वयमभिगृहीयेति स्वयं अभिगृहीया
नमः॥ ऊर्जे। होत्राणां। स्वाहा। वद। स्वयमभिगृहीयेति स्वयं अभिगृहीया नमः॥ पर्य
से। होत्राणां। स्वाहा। वद। स्वयमभिगृहीयेति स्वयं अभिगृहीया नमः॥ प्रजापतये
इति प्रजापतये। मनवे। स्वाहा। वद। स्वयमभिगृहीयेति स्वयं अभिगृहीया नमः॥
ऋते। ऋतपा इत्यनपाः। सुवर्काडिति सुवर्काद। स्वयमभिगृहीयेति स्वयं अभिगृ
स्वाहा। वद।

रामः
३५

नीया नमः॥ नृपेता। होत्राः। मधोः। चतुर्षां। यज्ञपतिमिति यज्ञपति। ऋषयः। एन
सा। १॥ आहुः। प्रजा इति प्रजाः। निर्भक्ता इति निर्भक्ताः। अनुत्तममाना इत्यनु
त्तममाना। मध्वयौ। स्लोकौ। अपेति। तौ। रूधा। समिति। नः। नाभ्यां। सुजनु। वि
श्वकुर्मति विश्वकुर्मा। घोराः। ऋषयः। नमः। अस्का। एभ्यः। चक्षुषः। एषां। मनसः।
चु। सुधाविति सुधौ। बहूस्पतये। माहि। सत्। घुमदिति घुमद। नमः। नमः। विश्व
कर्मण इति विश्वकुर्मणो। सः। उपातु। अस्मात्। अनुत्तमाना। सोमपानिति सोम
पान। मन्यमानः। प्राणस्येति प्राणस्य। विद्वानां समर इति सं अरे। नाधीरः।



एनः॥ चक्रवान्। महाबद्धः। एषां। तां। विश्वकर्मनि। तिविश्वः। कर्मन्। ॥ शोभेति। मु-
द्रा। स्वसये। यो। भक्षयेतः। ना। वसन्ति। आनृहुः। यान्। अग्नयेः। अन्वतयन्ते। त्ये-
॥ अतयन्तः। धिस्त्रियाः। इयं। तेयी। अवया। दुरिष्या। इति। दुः। इत्ये। स्त्रि। मि। तिसुः।
हि। नृः। तां। कृणोतु। विश्वकर्मनि। विश्वः। कर्मा। नमः। पितृभ्युः। इति। पितृभ्यः। अमीति।
यो। नः। अख्यन्तः। युज्जुतु। इति। यज्ञः। कर्तः। युज्जु। कामा। इति। यज्ञः। कामाः। सुदेवा। इति।
सुदेवाः। अकामाः। वः। दक्षिणां। नानीनिमा। मानः। तस्मात्। एनसः। योययिष्ठ।
यार्पतः। वै। सुदस्याः। ते। सर्वे। दक्षिण्याः। तेभ्यः। यः। दक्षिणां। न॥ ॥ नयेत्। एति। ए

भ्यः। व्रश्चेत। यत्। वैश्वकर्मणानीति। वैश्वः। कर्मणानि। जुहोति। सुदस्यान्। एवातत्।
॥ णाति। अस्मे। इति। देवासः। वपुषो। चिकित्सता। यं। आशिरा। दंपती। इति। वामं। अश्रु-
तः। पुमान्। पुत्रः। जायते। विंदते। वसु। अथ। विश्वे। अरूपाः। एधते। गृहः। आशीर्दाय-
त्ये। शीः। दाया। दंपती। इति। वामं। अश्रुतां। अरिष्टः। रायः। सवतां। समौ। कसेति। सं। ओ-
कम्। या। एति। अस्मिन्। चत्। संदुग्धमिति। संदुग्धं। कुंभ्या। सहा। इहेत। यामन्। अमति-
जहातु। सपिर्ग्रीवीति। सपिः। ग्रीवी॥ ॥ ॥ पीवरी। अस्या। जाया। पीवानः। पुत्राः। अ-
शासः। अस्या। सहजा। निरिति। सहः। जानिः। यः। सुमुखस्य। मोन। इति। सुमुखस्य। मोनः।



प० न०
३६

प्रकार

इंद्रोया आशिरं सहकुंभ्या अदात्त आशीरित्याः शीः मे ऊर्जा उता सुप्रजास्त्वमि
ति सुप्रजाः त्वं इषो दधातु द्रविणो सवेर्वसमिति सः स्वर्चसं संजयन्ति तिसं जय
नं क्षेत्राणि सहसा अहं इद्रा कृण्वानः अन्यान् अधरान् सपत्नान् भूतं असि
भूतं माधाः मुखं असि मुखं भूयासां द्यावा पृथिवीभ्यामिति द्यावा पृथिवीभ्या
त्वा परीति गृह्णामि विश्वेत्वा देवाः वैश्वानराः प्राप्तेति च्यावयंतु दिवि देवा
ता दृष्ट्वा अंतरिक्षो बयाः स्यादृथिव्यां पार्थिवानां ध्रुवेणा हविषा अवैति सोमं न
यामसि यथो नः सर्वा इत्त जगत् अयुक्ष्मं सुमना इति सुमना असत् यथो नः

सं
३६

इद्रः इत्त विषाः केवलीः सर्वाः समनस इति सः समनसा कर्त्ता यथो नः सर्वा इत्त
दिशः अस्माकं केवलीः असन्नादी एनेसा विश्वकर्म्मन्या दक्षिणां नर्पिर्गवी वैश्व
नुराश्वत्वारिः शचाणा यत्त वैहोता अध्वर्युः अभ्या कृत्यं तु इत्येभिः आ कृत्यं तौ वज्रं
एनं अभि प्रेति वृत्तं युति उक्थेः इत्युक्थेः शः इति आह प्रातः सुवनमिति प्रातः
सुवनं प्रति गीर्येति प्रति गीर्धं त्रीणि एतानि अक्षरेणि त्रिपदेति त्रिपदा गा
यत्री गा यत्र प्रातः सुवनमिति प्रातः सुवनं गा यत्रिया एवा प्रातः सुवन इति प्रातः
सुवने वज्रं अन्तः धत्ते उक्थादा चि इति आह माध्यदिनां सर्वनां प्रति गीर्येति प्रति

प. नं.
३०

गीर्थाचत्वारि। एतानि। अक्षरणि। चतुष्पदेति चतुःपदा। त्रिष्टुप्। त्रैष्टुभं। माध्यंदिनं।
सर्वनां। त्रिष्टुभा। एव। माध्यंदिने। सर्वनां। वज्रैः। अंतः। धृत्तेः। १॥ उक्थं। वाचि। इन्द्रायाः।
ति। आह। तृतीयसुवनमिति तृतीयः सुवनं। प्रतिगीर्थातिप्रतिः। गीर्था। सप्त। एतानि।
अक्षरणि। सप्तपदेति सप्तपदा। शर्करा। शाकरा। वज्रैः। वज्रैणा। एव। तृतीयसुवन
इति तृतीयः सुवने। वज्रैः। अंतः। धृत्तेः। ब्रह्मवादिन इति ब्रह्मवादिनः। वदन्ति। सः।
तु। वै। अथ्युः। स्यात्। यः। यथा। सुवनमिति यथाः सुवनं। प्रतिगुर इति प्रतिगुरे।
छंदः। सि। संपादयेदिति संपादयेत्। तेजः। प्रातः। सुवन इति प्रातः सुवने। आत्म

सग
३७

न। दधीत। इन्द्रियां। माध्यंदिने। सर्वने। पञ्चत्वा। तृतीयसुवन इति तृतीयः सुवने। इति
उक्थं। इन्द्रायाः। वाचि। इन्द्रायाः। इति। आह। प्रातः सुवनमिति प्रातः सुवनं। प्रतिगीर्थातिप्रति
गीर्था। त्रीणि। एतानि। अक्षरणि। ॥ त्रिपदेति त्रिःपदा। गायत्री। गायत्रं। प्रातः सुव
नमिति प्रातः सुवनं। प्रातः सुवन इति प्रातः सुवने। एव। प्रतिगुर इति प्रतिगुरे। छ
ंदः। सि। समिति। पादयति। अथा इति। तेजः। वै। गायत्री। तेजः। प्रातः सुवन इति प्रातः
सुवनं। तेजः। एव। प्रातः सुवन इति प्रातः सुवने। आत्म। धृत्तेः। उक्थं। वाचि। इति।
आह। माध्यंदिनं। सर्वनां। प्रतिगीर्थातिप्रतिः। गीर्था। चत्वारि। एतानि। अक्षरणि। च

मि



प० न०
३८

तुष्यदेतिवतुः स्याद्वा त्रिष्टुप् त्रैष्टुभं माध्यंदिनं सवनेन माध्यंदिने एव सवनेन ।
प्रतिगुर इति प्रतिगुरोच्छेदोऽसि समितिर्पादयति अथो इति इन्द्रिया वै त्रिष्टुक्
इन्द्रियं माध्यंदिनं सवनेन ॥ ३ ॥ इन्द्रिया एव माध्यंदिने सवनेन आत्मनः धृतेः उक्तं ।
वाचि इन्द्रिय इति आहुतृतीयं सवनेन मिति तृतीयः सवनेन प्रतिगुर इति प्रतिगु
र्यसमा एतानि अक्षराणि सप्तयुदने सप्तः पदाः शकरी शाकरीः पशवः जागती
तृतीयं सवनेन मिति तृतीयः सवनेन तृतीयं सवनेन इति तृतीयः सवनेन एव प्रतिगु
र इति प्रतिगुरोच्छेदोऽसि समितिर्पादयति अथो इति पशवः वै जागती पश

रामः

वातुतीयसुवनमिति तृतीयसुवनाप्युक्त्वा एवातुतीयसुवन इति तृतीयसुव
नो आत्मन् धत्ते यत्र वै छिती अध्वर्युः अभ्याकृतं इत्यभिः आकृतयेतां व्य
अस्मिन् दधाति तत्र यत्र न॥ ४॥ अपहनी तेत्यपहनीता पुरा अस्या संवत्स
रदिति संवत्सरं गृहे एति वेदी रक्षाणां सा मादा इवा इति प्रत्याकृतं इ
ति प्रति आकृतयेतेने एवा तत्र अपेति हते यथा वै आयतामित्यायतां प्र
तीक्षत इति प्रति ईक्षते एवं अध्वर्युः प्रतिगूरमिति प्रतिगूरां प्रतीति ईक्षते य
त्र अभिप्रतिगूणीयादित्यभिः प्रतिगूणीयात्र यथा आयतयेत्यायतया सम

प० न०
३६

कृतुश्चिंतसं कृच्छते। तादृक्। एवा। तत्र। यत्र। अर्द्धादित्यदः कृत्वा। लुघेत्। यथा।
धावेद्यश्चिन्धावेत्। अथ। हीयेत्। तादृक्। एवा। तत्र। प्रबाहुगिति प्रः बाहुक्। वै। कृ॥
त्विति। उद्गीथा इत्युत्। गीथाः। उद्गीथ इत्युत्। गीथः। एवा। उद्गीतृणामित्युत्। गीतृ
णां। पा॥ कृ॥ प्रणव इति प्रः नवः। उक्थश्चिन्नामित्युक्थश्चिन्ना। प्रतिगृ
इति प्रतिः गृ॥ अध्वर्युणां। यः। एवा। विद्वान्। प्रतिगृणातीति प्रतिः गृणाती। अन्ना
दित्यन् अदः। एवा। भवति। एते। अस्या। प्रजायामिति प्रः जायं। वजी। जायते।
इयं। वै। होतो। असी। अध्वर्युः। यत्र। आसीनः। शः सति। अस्याः। एवा। तत्र। होतो।

रामः
३६

ना। एति। आसी। इवा। हि। इयं। अथो इति। इमां। एव। तिने। यजमानः। दुहे। यत्र। तिच
न्। प्रतिगृणातीति प्रतिः गृणाती। अमुष्यः। एवा। तत्र। अध्वर्युः। ना। एति॥ ६॥ ति
चेति। इवा। हि। सोऽथो। अथो इति। अर्मु। एव। तिने। यजमानः। दुहे। यत्र। आसीनः। शः
सति। तस्मात्। इतः। प्रदानमितीतः। प्रदानं। देवाः। उपेति। जीवन्ति। यत्र। तिचन्।
प्रतिगृणातीति प्रतिः गृणाती। तस्मात्। अमुतः। प्रदानमित्यमुतः। प्रदानं। मनुष्याः।
उपेति। जीवन्ति। यत्र। प्राङ्। आसीनः। शः सति। प्रत्यङ्। तिचन्। प्रतिगृणातीति प्र
तिः गृणाती। तस्मात्। प्राचीनैरिति। धीयते। प्रतीचीः। प्रजा इति प्रः जाः। जायते। य



प० तृ०
४०

त्र वै होता । अध्वर्युः । अभ्याकृतं तु इत्यमिः । आकृतं ते । वज्रं । एनं । अभिप्रेति । वृत्तं
यति । पयङ् । एति । वृत्ति । वज्रं । एवा । तत् । नीति । कुरोति ॥ ७ ॥ सर्वेने वज्रं मंतं धेनु
त्रीत्येता न्यक्षरोणी द्वियं माध्यं दिनः । सर्वं नूनो द्रोतुणा मेध्वर्युनैति वत्तयत्युषै च ।
॥ ८ ॥ उपयामगृहीतु इत्युपयामः गृहीतः । असि । वाक्षसदिति वाक्षः सत् । असि । वा
त्ताभ्यामिति वाक्पाभ्यां । त्वा । क्रतुपाभ्यामिति क्रतुपाभ्यां । अस्यायज्ञस्याः क्रव
स्य । अध्यक्षाभ्यामित्यधिः । अक्षाभ्यां । गृह्णामि । उपयामगृहीतु इत्युपयामः गृही
तः । असि । क्रतुसदिति वः सत् । असि । चक्षुष्यामिति चक्षुःपाभ्यां । त्वा । क्रतुपाभ्यां

रामः
ध

म्या

मिति क्रतुपाभ्यां । अस्यायज्ञस्याः क्रवस्य । अध्यक्षाभ्यामित्यधिः । क्षोभेभ्यां । गृह्ण
मि । उपयामगृहीतु इत्युपयामः गृहीतः । असि । अतुसदिति अतुसत् । असि । श्रोत्र
पाभ्यामिति श्रोत्रपाभ्यां । त्वा । क्रतुपाभ्यामिति क्रतुपाभ्यां । अस्यायज्ञस्याः क्रव
स्य । अध्यक्षाभ्यामित्यधिः । अक्षाभ्यां । गृह्णामि । देवेभ्यः । त्वा । विश्वदेवेभ्य इति विश्वः
देवेभ्यः । त्वा । विश्वेभ्यः । त्वा । देवेभ्यः । विष्णोः । उरुक्रमेत्युरुः क्रमा एषः । ततो सोमः । ततो
हस्वः ॥ १ ॥ ततो दुश्मन्ता इति दुश्मन्ताः । मा । अवेति । ख्यत् । वसुः । पुरोवसुः । रिति पुरः । वा
सुः । वाक्या इति वाक्पाः । वाचः । मे । पाहि । मयि । वसुः । त्वा । अस्या इति अस्याः । विदह

प० तृ०
४९

सुरिति विदत्तः वसुः। चक्षुष्या इति चक्षुः पाः। चक्षुः मे। पाहि। मयि। वसुः संयदसु
रिति संयत् वसुः। श्रोत्रपा इति श्रोत्रः पाः। श्रोत्रं। मोपाहि। भूः। अस्मि। श्रेष्ठः। रश्मीना।
प्राणपा इति प्राणः पाः। प्राणमिति प्रः अन्तं। मे। पाहि। धूः। अस्मि। श्रेष्ठः। रश्मीना। अया
गुपा इत्ययानः पाः। आपानमित्ययं अन्तं। मे। पाहि। यः। नः। इन्द्रवायु इति इन्द्रवायु।
मित्रा वरुणा विति मित्रा वरुणौ। अश्विनौ। अग्निदासनीत्यग्निः दासति। भार्गवः।
जल्यपीत इत्युत्तः पिपीता। शुभः। पती इति। इन्द्रा अहंता। अधरः। पादयामि। यथा। इन्द्रा
अहं। उत्तम इत्युत्तमः। चेतयानि। शौरक्षस्वभारतव्यलयादशचा। १०। प्रेति।

गनः
४९

सः। अग्ने। तव। अतिमिरित्युतिभिः। सुवीरंभिरिति सुवीरंभिः। तुरति। वाजकर्मभि
रिति वाजकर्मभिः। यस्यात्वा सुख्यं। आविष्य। प्रेति। छिन्ने। पूर्व्य। वचः। अग्नये। मरुतः।
बृहत्वा विषामिति विष्पो। ज्योतींश्चा बिभ्रते। ता। वेधसे। अर्गै। त्रीनु। वाजिना। त्री।
सधस्तेति सधः स्तुः। तिस्रः। ते। जिह्वाः। कृतज्ञानेत्येतज्जात। पूर्व्यः। तिस्रः। उते। ननु
वः। देववाता इति देववाताः। तामिः। नः। पाहि। गिरः। अप्रयुक्तमित्यप्रः युक्तत्वा समिति।
वा। कर्मणा। समिति। इत्या। ११। हिनोमि। इन्द्रा बिभ्रु इतीन्द्रा बिभ्रु। अयं सः पारे। अस्या
जुषेया। यज्ञाद्रविणा। चाधत्तं। अरिष्टे। नः। पथिमिरिति पथिभिः। पारयेता। उभा।



प० न०
४२

जिग्युः। नापरेति। जयथे इति। नापरेति। जिग्युः। कतरः। चत। एनोः। इन्द्रः। वा। विज्ञा
इति। यत्। अपस्येधेया। त्रिधा। सहस्रं। वीति। तित्। ऐर्युधा। त्रीणि। आयुः। श्वान
वा। जातुवेद इति। जातः। वेदः। तिस्रः। आजानीरित्योः। जानीः। उधसः। तो। अग्ने। तामिः।
देवानी। अवः। यक्षि। विद्वान्। अथ। ॥ १॥ भवा। यजमानाय। शं। योः। अग्निः। त्रीणि। त्रि
धा। तूनीति। त्रिधा। तैना। एति। क्षेति। विदथा। कविः। सः। त्रीन्। एकादशान्। इह। यक्ष
त्वा। विप्रयत्नान्। चानः। विप्रः। दूतः। परिष्कृतः। नर्मता। अन्युके। समे। इन्द्रविष्णु इतीन्द्र
विष्णु इन्द्रहिताः। शंबरस्यानवा। पुरः। नवति। च। श्रथिष्टः। शतं। वर्चिनः। सहस्रं। च। सा

रामः
४

कां। ह्यः। अ० प्रति। असुरस्या। वीरन्। उत। माता। मुहिषा। अन्विनि। अवेनत्। अमीद
तिल्ला। जुहुति। पुत्रः। देवाः। अथ। अब्रवीत्। वृत्रं। इन्द्रः। हुनिथन्। सखे। विष्णु इति। वि
त्तरमिति। वि० त्रं। वीति। क्रमस्व॥ ३॥ इष्टाथत्वात्रयोदशचा॥ ११॥ ॥ यो वै पर्वमाना
नां। त्रीणि। परिभूः। स्वयः। स्वस्ति। मक्षेहि। महीनां। देवसवितरुततैश्येनाययदैहोतौपया
मृगं। हीतो। सिवाक्षमन्मसो। अग्न एकादश॥ ११॥ ॥ यो वै स्वयः। स्वस्तिः। स्वधायेनमः। प्र
मुचति। षती। वषट्। चत्वारिंशत्। ॥ ४६॥ ॥ हरिः। श्रीमन्। ॥ अग्ने। तेजस्विन्। तेज
सी। स्वस्ति। देवेषु। भूयाः। तेजस्वंतां। मां। आयुष्यन्तां। वर्चस्वंतां। मनुष्येषु। कुरु। दीक्षायै। व



त्वात्तपसः॥ च॥ तेजसे॥ जुहोमि॥ तेजोविदिति तेजः॥ वित्॥ असि॥ तेजः॥ मा॥ मा॥ हा
सीत्॥ मा॥ अहं॥ तेजः॥ हासिषं॥ मा॥ मा॥ तेजः॥ हासीत्॥ इंद्र॥ ओजस्विन्॥ ओजस्वी
त्वा॥ देवेषु॥ भूयाः॥ ओजस्वतां॥ मा॥ आयुष्मतां॥ वर्वस्वतां॥ मनुष्येषु॥ कुरु॥ बर्हणः॥ च॥
त्वा॥ क्षत्रस्य॥ च॥ १॥ ओजसे॥ जुहोमि॥ ओजोविदित्यो जः॥ वित्॥ असि॥ ओजः॥ मा॥
मा॥ हासीत्॥ मा॥ अहं॥ ओजः॥ हासिषं॥ मा॥ मा॥ ओजः॥ हासीत्॥ सूर्य॥ ओजस्विन्॥
ओजस्वी॥ त्वा॥ देवेषु॥ भूयाः॥ ओजस्वतां॥ मा॥ आयुष्मतां॥ वर्वस्वतां॥ मनुष्येषु॥ कुरु॥ वा
यो॥ च॥ त्वा॥ अयां॥ च॥ ओजसे॥ जुहोमि॥ सुवर्वादिनि सुवः॥ वित्॥ असि॥ सुवर्ग॥ मा॥ मा॥

हासीत्॥ मा॥ अहं॥ सुवर्ग॥ हासिषं॥ मा॥ मा॥ सुवर्ग॥ हासीत्॥ मयि॥ मेधां॥ मयि॥ प्रजामि
ति॥ प्र॥ जा॥ मयि॥ अग्निः॥ तेजः॥ दधातु॥ मयि॥ मेधां॥ मयि॥ प्रजामिति॥ प्र॥ जा॥ मयि॥
इंद्र॥ इंद्रियां॥ दधातु॥ मयि॥ मेधां॥ मयि॥ प्रजामिति॥ प्र॥ जा॥ मयि॥ सूर्यः॥ भार्जः॥ दधा
तु॥ १॥ क्षत्रस्य॥ च॥ मयि॥ च॥ यौवि॥ इति॥ श्रुति॥ श्रुति॥ १॥ वायुः॥ हिं॥ कर्त्त॥ ते॥ ति॥ हिं॥ कर्त्ता॥ अग्निः॥
प्र॥ त्वा॥ ते॥ ति॥ प्र॥ स्तो॥ ता॥ प्र॥ जा॥ ये॥ ति॥ रि॥ ति॥ प्र॥ जा॥ प॥ ति॥ सामे॥ बृह॥ स्प॥ ति॥ उ॥ द्वा॥ ते॥ स्यु॥ त्वा॥ ग
ता॥ विश्वे॥ देवाः॥ उप॥ गा॥ ता॥ र॥ इत्यु॥ प॥ गा॥ ता॥ र॥ म॥ रू॥ तैः॥ प्र॥ ति॥ हु॥ तै॥ र॥ इति॥ प्र॥ ति॥ हु॥ तै॥ र॥
इंद्र॥ नि॥ ध॥ न॥ मि॥ ति॥ नि॥ ध॥ न॥ ते॥ देवाः॥ प्रा॥ ण॥ भृ॥ त्वा॥ इति॥ प्रा॥ ण॥ भृ॥ तः॥ प्रा॥ ण॥ भि॥ ति॥ प्र॥ अ॥ न॥



प० त०
४४ ते

मयि। दधतु। एतत्। वै। सर्वा। अर्चयुः। उपाकुर्वन्। त्र्यम्बकः। उपाकुर्वन्। उपाकुर्वन्। उपाकुर्वन्।
ज्ञानः। मयि। उपाकेरेतीत्युपः। आकरोति। देवाः। प्राणभूतः। इति। प्राणभूतः। प्राणमिति।
प्रः। अन्तः। मयि। दधतु। इति। आह। एतत्। एवा। सर्वा। आत्मनः। धत्ते। इडा। देवहारीति। दे
वः। हः। मनुः। यज्ञेनीति। यज्ञेनीः। वृहस्पतिः। उक्त्वा। मदान्। तीत्युक्त्वा। मदानि। श्रुः।
सिषुत्वा। विश्वे। देवाः। १॥ सूक्तवाचः। इति। सूक्तः। वाचः। २॥ अथि। वि। मातः। मा। मा। हिः। सीः।
मधु। मनिष्ये। मधु। जनिष्ये। मधु। वक्ष्यामि। मधु। वदिष्यामि। मधु। मतीमिति। मधुः।
मती। देवभ्यः। वाचै। उद्यासं। शुश्रूषेण्यो। मनुष्येभ्यः। तां। मा। देवाः। अवंतु। शोभायै। ३॥

रामः
४५

पुनरः। अन्विता। मन्दतु। १॥ शः। सिषुद्विष्वे। देवा। अष्टाविंशतिश्च। २॥ वसं। कः। त्वा।
प्रेति। वृहन्तु। गायत्रेण। छंदसा। अग्नेः। प्रियां। पार्थः। उपेति। इहि। रुद्रः। त्वा। प्रेति। वृ
हन्तु। त्रेष्टमेन। छंदसा। इन्द्रस्य। प्रियं। पार्थः। उपेति। इहि। आदित्याः। त्वा। प्रेति। वृह
न्तु। जार्गतेन। छंदसा। विश्वेषां। देवानां। प्रियां। पार्थः। उपेति। इहि। मांदासु। तो। शुक्रा।
शुक्रा। एति। धनो। मि। मंदनासु। कोतनासु। नूतनासु। रेरीषु। मेधीषु। वारीषु। विश्व
भृत्विता। विश्वभृत्सु। माधीषु। कुकेहासु। शकरीषु। १॥ शुक्रासु। तो। शुक्रा। शु
क्रा। एति। धनो। मि। शुक्रा। तो। शुक्रेण। गृह्णामि। अङ्गः। रूपेण। सूर्यस्य। एषमभिरिति।



प० त०
४५

स

रश्मिः॥ भिः॥ एति॥ अस्मिन् उग्राः॥ अचुच्युः॥ दिवः॥ धारः॥ अमश्चत॥ ककुहं॥ रूपं॥ वृ
षभस्य॥ रोचते॥ हृहत्॥ सोमेः॥ सोमस्य॥ पुरोगा॥ इति पुरः॥ गाः॥ शुक्रः॥ शुक्रस्य॥ पुरोगा
इति पुरः॥ गाः॥ यत्नः॥ सोमा॥ अदाभ्यां॥ नामे॥ जागृ॥ वि॥ तस्मै॥ ति॥ सोमा॥ सोमा॥ या॥ स्वाहा
उशिका॥ त्वं॥ देवा॥ सोमा॥ गाय॥ त्रेणा॥ छंदसा॥ अग्निः॥ रा॥ प्रियां॥ पार्थः॥ अपीति॥ इति॥ वृ
षा॥ त्वं॥ देवा॥ सोमा॥ त्रेणा॥ मेना॥ छंदसा॥ इंद्रस्या॥ प्रियां॥ पार्थः॥ अपीति॥ इति॥ अस्मत्सुखे
स॥ सतः॥ सुखा॥ त्वं॥ देवा॥ सोमा॥ जागृ॥ तेना॥ छंदसा॥ विश्वेषां॥ देवानां॥ प्रियां॥ पार्थः॥ अ
पीति॥ इति॥ एति॥ नः॥ प्राण॥ इति॥ प्रः॥ अनः॥ एतु॥ पुरा॥ वत॥ इति॥ परा॥ वतः॥ एति॥ अंतर्

रामः
४५

आत्त॥ दिवः॥ परि॥ आयुः॥ पृथिव्याः॥ अधीति॥ अमृतं॥ असि॥ प्राणायति॥ प्रः॥ अनाये॥
त्वा॥ इन्द्राग्नी॥ इतींद्रः॥ अग्नी॥ मे॥ वर्चः॥ कृणुतां॥ वर्चः॥ सोमेः॥ हृहस्पतिः॥ वर्चः॥ मे॥ वि
श्वे॥ देवाः॥ वर्चः॥ मे॥ धन्त॥ अश्विना॥ दधत्वे॥ वा॥ यत्नः॥ इ॥ अन्विति॥ वोचत्॥ ब्रह्मणि॥
वे॥ उ॥ तत्त॥ परीति॥ विश्वानि॥ काव्या॥ निमिः॥ चक्रं॥ इवा॥ अभवत्॥ आ॥ शकरी॥ षग्रे
हृहस्पतिः॥ पंचवि॥ शतिश्च॥ आ॥ एतत्त॥ वै॥ अपा॥ नाम॥ धेयु॥ मतिनाम॥ धेयु॥ गुह्यो
यत्नः॥ आ॥ धा॥ वा॥ इत्यो॥ धावाः॥ मां॥ दे॥ सु॥ ते॥ शुक्रं॥ एति॥ धू॥ नो॥ मि॥ इति॥ आ॥ हा॥ अपा॥ एत
नाम॥ धेयु॥ नेति॥ नाम॥ धेयु॥ न॥ गुह्ये॥ न॥ दिवः॥ हृह॥ अवैति॥ रु॥ धे॥ शुक्रं॥ ते॥ शुक्रेणा॥

प० न०
४६

गृह्णाति। इति। आहु। एतत्तु वै। अहुः। रूपं। यत्। रात्रिः। सूर्यस्य। रश्मयः। दृष्ट्या। इ
 शते। अहुः। एवा। रूपेण। सूर्यस्य। रश्मिभिरिति रश्मिभिः। दिवः। दृष्टिं। व्यावृत्ति। ए
 ति। अस्मिन्। उग्राः॥१॥ अत्युच्चैः। इति। आहु। यथा। यजुरिति यथा। यजुः। एवा। एतत्तु।
 ककुहं। रूपं। दृष्टमस्ये। एवते। दृष्टत्। इति। आहु। एतत्तु। कै। अस्य। ककुहं। रूपं। यत्।
 दृष्टिः। रूपेण। एवा। दृष्टिं। अवति। रुंधे। यत्तु। ते। सोमः। अदोभ्यः। नाम। जग्मू। वि। इति।
 आहु। एषः। हु। वै। हुविषो। हुविः। यजति। यः। अदोभ्यः। गृहीत्वा। सोमो। यजुहोति।
 यरेति। वै। एतस्या। आयुः। प्राण इति प्रः। अनः। एति॥ शायः। अश्वः। गृह्णाति। एति।

रामः
४६



नः। प्राण इति प्रः। अनः। एतु। पशवतु इति पशवतेः। इति। आहु। आयुः। एवा। प्राणमि
 ति प्रः। अनः। आत्मन्। धत्ते। अमृतं। असि। प्राणायति प्रः। अनाया। त्वा। इति। हिरण्यं।
 आभि। वीति। अनिति। अमृतं। वै। हिरण्यं। आयुः। प्राण इति प्रः। अनः। अमृतं। ए
 वा। आयुः। अत्मन्। धत्ते। शतमानमिति शतमानं। भवति। शतायुरिति शतः। आयुः।
 पुरुषः। शतं द्रिय इति शतं इन्द्रियः। आयुषि। एवा। इन्द्रियो। प्रतीति। तिष्ठति। अपः। उ
 पयति। स्रष्टा। मेष्जं। वै। मेष्जं। एवा। कुरुते॥३॥ उग्रा। एत्या। पृथ्वीणि च॥४॥ वायुः
 असि। प्राण इति प्रः। अनः। नामे। सवितुः। आविपत्य। ह्य्याधिः। पत्ये। अपानमित्ये

पञ्च
४७

पञ्चानामेदाः। चक्षुः। असि। श्रोत्रं। नाम। घ्रातुः। आधिपत्य इत्याधिःपत्ये। आयुः।
मेदाः। रूपं। असि। वर्णः। नाम। बहस्यतैः। आधिपत्य इत्याधिःपत्ये। प्रजामिति प्रः
जा। मेदाः। कृतं। असि। सत्यं। नाम। इंद्रस्य। आधिपत्य इत्याधिःपत्ये। क्षत्रं। मेदाः। भू-
तं। असि। भव्यं। नाम। पितृणां। आधिपत्य इत्याधिःपत्ये। अपां। जीवन्तीनां। गभीधाः।
कृतस्य। त्वा। व्योमन इति विष्णो मने। कृतस्य। ॥ १ ॥ त्वा। विष्म मनु इति विष्म मने। कृत-
स्य। त्वा। विधर्मण इति विधर्मणे। कृतस्य। त्वा। सत्याया। कृतस्य। त्वा। ज्योतिषे। प्रजा-
पतिरिति प्रजापतिः। विराजमिति विराजं। अपश्यत्। तयो। भूतं। च। भव्यं। च। असु-

रामः
४७

जतुनां। ऋषिभ्य इत्यधिःभ्यः। निरा। अदधात्। तां। जुमदग्निः। तपसा। अपश्यत्। तयो।
वै। सः। पृथ्वीन्। कामान्। असुजत। तत्। पृथ्वीनां। पृथ्वीत्वमिति पृथ्वीत्वं। यत्। पृथ्वी-
यः। गृह्यते। पृथ्वीन्। एव। तैः। कामान्। यजमानः। अवेति। रुंधे। वायुः। असि। प्राण इ-
ति प्रः। अनः। ॥ १ ॥ नाम। इति। आह। प्राणायानाविति प्राणः। अपानौ। एव। अवेति। रुं-
धे। चक्षुः। असि। श्रोत्रं। नाम। इति। आह। आयुः। एव। अवेति। रुंधे। रूपं। असि। वर्णः।
नाम। इति। आह। प्रजामिति प्रजा। एव। अवेति। रुंधे। कृतं। असि। सत्यं। नाम। इति।
आह। क्षत्रं। एव। अवेति। रुंधे। भूतं। असि। भव्यं। नाम। इति। आह। पशवः। वै। अपां।

७०
४८

ओषधीनां गर्भः पुष्कला एवाऽऽवेति। रुंधो एतावत्तवै। पुरुषा पुरितः तत्
 एवाऽवेति। रुंधोऽकृतस्य। त्वा। व्योमन इति विऽओमने। इति। आह। इयावै। कृत
 स्याव्योमेति विऽओमा। इमां एवाऽअभीति। जयति। कृतस्य। त्वा। विभूमन इति वि
 भूमने। इति। आह। अंतरिक्षां वै। कृतस्य। विभूमेति विऽभूमा। अंतरिक्षां एवाऽअभी
 ति। जयति। कृतस्य। त्वा। विधर्मण इति विऽधर्मणो। इति। आह। द्यौः। वै। कृतस्य। विधु
 र्मेति विऽधर्मो। दिवा एवाऽअभीति। जयति। कृतस्य। धा। त्वा। सत्याय। इति। आह। दि
 शः। वै। कृतस्य। सत्यां दिशः। एवाऽअभीति। जयति। कृतस्य। त्वा। ज्योतिषो। इति। आह।

रामः
४८

सुवर्ग इति सुवः। गः। वै। लोकः। कृतस्य। ज्योतिः। सुवर्गमिति सुवः। गः। एवा। लोकः।
 अभीति। जयति। एतावत्तवै। देवलोका इति देवलोकाः। तान् एवाऽअभीति। जय
 ति। दशः। समिति। पद्यते। दशोक्षरिति दशऽअक्षरा। विराडिति विऽरट्। अन्ता विराडि
 ति विऽरट्। विराजिति विऽराजि। एवाऽअन्ताद्युत्पन्नऽअद्यो। प्रातीति तिष्ठति। पा।
 व्योमन कृतस्य प्राणः पुष्कले विधर्म दिवमेवाभिजयत्युत्पन्नस्य षट्त्वारिंशच्च।
 पा। देवाः। वै। यत्त। यज्ञेना। न। अवा रुंधनेत्यवऽअरुंधत। तत्त। परैः। अवेति। अरुंध
 त। तत्त। पराणां। परत्वमिति परऽत्वा। यत्त। परैः। गृह्यते। यत्त। एवा। यज्ञेना। न। अवरुंध



पन्तः
४९

इत्यवःसुधोतस्य। अवःरुध्या इत्यवःरुध्यायं। प्रथमं गृह्णाति। इमं। एवातेन। लो
कां। अभीति। जयति। यं। द्वितीयं। अंतरिक्षं। तेन। यं। तृतीयं। अमुं। एवातेन। लो
कां। अभीति। जयति। यत्। एते। गृह्णन्ति। एषां। लोकानां। अभिजित्या इत्यभिः जि
त्ये॥१॥ उत्तरेऽध्वर्युतः। तरेषु। अहः। स्वित्यहः। सु। अमुतः। अर्वाचः। गृह्णन्ति। अभि
जित्येत्यभिः जित्या। एवा। इमान्। लोकान्। पुनः। इमं। लोकं। प्रत्यवरोहन्तीति प्रतिः
अतरोहति। यत्। पूर्वेषु। अहः। स्वित्यहः। सु। इतः। पराचः। गृह्णन्ति। तस्मात्। इतः। प
राचः। इमं। लोकः। यत्। उत्तरेऽध्वर्युतः। तरेषु। अहः। स्वित्यहः। सु। अमुतः। अर्वाचः।

रमः
४९

गृह्णन्ति। तस्मात्। अमुतः। अर्वाचः। इमं। लोकः। तस्मात्। अयातयात्। इत्ययातः। या
त्। लोकान्। मनुष्याः। उयेति। जीवेति। ब्रह्मवादिनः। इति ब्रह्मवादिनः। वदन्ति। कस्मा
त्। मत्वात्। अह इत्यवः। भ्यः। ओषधयः। समिति। भवन्ति। ओषधयः॥१॥ मनुष्या
णां। अन्तः। प्रजापतिमिति प्रजाः। यति। प्रजा इति प्रजाः। अनु। येति। जायन्ते। इति। य
त्। अन्विति। इति। ब्रूयात्। यत्। गृह्णाति। अह इत्यवः। भ्यः। त्वा। ओषधीभ्य इत्यो
षधीभ्यः। गृह्णामि। इति। तस्मात्। अह इत्यवः। भ्यः। ओषधयः। समिति। भवन्ति। य
त्। गृह्णाति। ओषधीभ्य इत्योषधीभ्यः। त्वा। प्रजाभ्य इति प्रजाभ्यः। गृह्णामि। इति।

प० न०
५०

तस्मात्प्रजापतयः। मनुष्याणां। अन्नं। यत्। गृह्णति। प्रजाभ्युदिति। प्रजाभ्यः। त्वा।
प्रजापतयुदिति। प्रजापतये। गृह्णामि। इति। तस्मात्प्रजापतिमिति। प्रजापति। प्र-
जाइति। प्रजाः। अनु। प्रेति। जायते। ॥ ३॥ अभिजित्या ओषधयोऽष्टा चत्वारिंशच्चादी-
प्रजापतिरिति। प्रजापतिः। देवासुरानिति। देवः। असुरान्। असृजत्। तत्। अन्विति।
यज्ञः। असृज्यत्। यज्ञः। छंदः। सिति। विषंवाः। वीति। अकामन्। सः। असुरान्।
अन्विति। यज्ञः। अपेति। अकामन्। यज्ञः। छंदः। सिति। देवाः। अमन्यत्। आमीह-
ति। वै। इदं। अभूवन्। यत्। वयं। स्मः। इति। ते। प्रजापतिमिति। प्रजापति। उपेति।

रामः
५०

अथावन्। सः। अवधीत्। प्रजापतिरिति। प्रजापतिः। छंदसां। वीर्यं। आदायेत्याऽदा-
यः। तत्। वः। प्रेति। दास्यामि। इति। सः। छंदसां। वीर्यं। ॥ १॥ आदायेत्याऽदायः। तत्। एभ्यः।
प्रेति। अयच्छत्। तत्। अन्विति। छंदः। सिति। अपेति। अकामन्। छंदः। सिति। यज्ञः। तत्।
देवाः। अभवन्। परेति। असुराः। यः। एवं। छंदसां। वीर्यं। वेदं। एति। आवय। अस्ते।
आषट्। यज। ये। यजामहे। वषट्कार इति वषट्कारः। भवति। आत्मना। परेति। स-
स्याभावेभ्यः। भवति। ब्रह्मवादिन इति ब्रह्मवादिनः। वदन्ति। कस्मै। कां। अध्वर्यु-
एति। आवयति। इति। छंदसां। वीर्यं। यः। इति। ब्रूयात्। एतत्। वै। ॥ २॥ छंदसां। वीर्यं।

एति। श्रावय। अस्त। श्रौषट्। यज्ञ। यि। यज्ञोमहे। वषट्कार इति वषट्कारः यः।
एवं वेदे। सवीर्ये रितिसंवीर्ये। एवा। छंदोभिरिति छंदःभिः। अर्चति। यत्। किं। च।
अर्चति। यत्। इंद्रः। हव्यं। अहने। अमेध्यां। तत्। यत्। यतीन्। अपावैपदित्यपः। अ
वपत्। अमेध्यां। तत्। अथा। कस्मात्। ऐंद्रः। युज्ञः। एति। सः। स्थातो। रितिसं। स्थातो।
इति। ओहुः। इंद्रस्य। वै। एषा। युज्ञिया। तृन्। यत्। युज्ञः। ता। एव। तत्। युज्जति। यः।
एवं वेदे। उपेति। एनं। युज्ञः। नमति। आ। छंदसावीर्ये वा। एव तदसौ वा। आ। आयुर्द
इत्यायुः। दा। अन्ने। हविषः। जुषाणः। घृतप्रतीक इति घृतः प्रतीकः। घृतयानि र

रामः
५९

निघ्नः योनिः। एधि घृतं पीत्वा। मधु। चरुं। गव्यं। पिता। इवा पुत्रं। अभाति। रक्षता।
त। इमं। एति। वृश्च्यते। वै। एतत्। यजमानः। अग्निभ्यामित्यग्निः भ्यां। यत्। एनेयः।
मृतं कृत्येति मृतं कृत्य। अथ। अन्यत्र। अवभृथमित्यवभृथं। अवैतीत्यवः। एति।
आयुर्दाइत्योयुः। हाः। अग्नि। हविषः। जुषाणः। इति। अवभृथमित्यवभृथं। अवै
त्यनिभ्यामित्यवः। एत्यन्तं। जुहुयात्। आहुत्यात्। हुत्या। एवा। एनौ। शमयति। नि।
आर्त्ति। एति। कच्छति। यजमानः। यत्। कुसीदं॥१॥ अप्रतीतिमित्यप्रतिः। इत्तं। म
यि। येन। मेयेस्य। बलिना। चरुमि। इह। एवा। सन्। निरवदयइतिनिः। अवदये।

प० त०
५२

तत्र एतत्तत्र अग्नेः अनुष्णः भवामि विश्वलोपेति विश्वः लोपा विश्वदावस्ये
ति विश्वः दावस्ये त्वा आसन्न जुहोमि अग्धादित्यग्धः अत्र एकः अहुतादि
त्यहुतः अत्र एकः समसनादिति समसनः अत्र एकः तेनः कृण्वंतु भेषजं स
दः सह वरेण्यं अयो नूनं न मे सा पुरा सुः स्फान इति संस्फानेः अभीति रक्षतु
गृहाणां असमर्था इत्यसंस्कृत्यै बहुवचनः गृहाः असन्नः सः त्वानुः शानु मे सः
यते ऊर्जी नु धेहि भद्रया पुनः न नृणां एति कृषिा पुनः न रुयिा एति कृषिा
द्वयं संस्फानेति संस्फाना सहस्रपोषस्येति सहस्रपोषस्य इति षे सः नृणां राख

रामः
५२



अज्यानिः शयः पोषा सुवीर्यमिति सुवीर्यं संवत्सरीणा मिति संवत्सरीणां स्वसि
अग्निः वा वायुमः इयं चिमी कुसीदा वै एतत्वायुमस्य यजमानः एति दत्ते यत्र
ओषधी मिरित्योषधिः मि वेदिं स्तुणार्ति यत्र अनुपौष्येत्यनुपः ओष्या प्रयाया
दिति प्रयायात्रा ग्रीववृद्धमिति ग्रीववृद्धं एनां शा अमुष्मिन् लोके नेनीयेर
यत्र कुसीदां अर्पनी त्ममित्यर्पति इत्तं माये इति उपेति ओषति इह एवा सन्न
यमं कुसीदां निरुवायेति निः अवुदाये अनुष्णः सुवर्गमिति सुवः संगं लोका एति
यदि मिश्रा इवा चरेत् अंजलिना सकृन् प्रदाव्य इति प्रदाव्य जुहुयात् एषा वै

अग्निः। वैश्वानरः। यत्प्रदाव्य इति प्रदाव्यः। सः। एवा। एनं। स्वदयति। अङ्गां विधा
न्यामिति विधान्यः। एका एका यामित्येकः अष्टका यो। अपूर्वा चतुःशरा वामिति च
तुःशरा वामं पञ्चा। प्रातः। एतेन। कर्षं। उपेति। ओषेता यदि॥४॥ दहति। पुण्य सममि
ति पुण्यः समा भवति। यदि। ना। दहति। पाप सममिति पापः समा। एतेन। हु। स्म। वै। रु
षेयः। पुरा। विज्ञानेनेति विज्ञानेन। दीर्घसत्रमिति दीर्घः सत्रं। उपेति। येति। यः। वै।
उपद्रष्टारमित्युपद्रष्टारः। उपश्रोतारमित्युपश्रोतारः। अनुख्यातारमित्यनुख्या
तारः। विद्वान्। यजेते। समिति। अमुष्मिन्। लोके। इष्टापूर्तेनेति इष्टपूर्तेन। गच्छते।

अग्निः। वै। उपद्रष्टेत्युपद्रष्टा। वायुः। उपश्रोतेत्युपश्रोता। आदित्यः। अनुख्यातेत्य
नुख्याता। तातायः। एवां विद्वान्। यजेते। समिति। अमुष्मिन्। लोके। इष्टापूर्तेने
ति इष्टपूर्तेन। गच्छते। अयं। नः। नभसा। पुरः॥५॥ इति। आहु। अग्निः। वै। नभसा। पुरः।
अग्निः। एवा। तत्। आहु। एतत्। मे। गोपाया। इति। सः। त्वं। नः। नभसा। पते। इति। आ
हु। वायुः। वै। नभसा। पतिः। वायुं। एवा। तत्। आहु। एतत्। मे। गोपाया। इति। देवः। सः।
स्फानेति संस्फानः। इति। आहु। असौ। वै। आदित्यः। देवः। सः। स्फानेति संस्फा
नः। आदित्यः। एवा। तत्। आहु। एतत्। मे। गोपाया। इति॥६॥ कुसीदत्वेन एनमोषे

प० न०
५५

द्यदिपुरादित्यमेवतदाहेतवेगोपायेति॥ नाएतानांयुधानांपरीतिवद्वामितेन
कीदृतीः॥ चरतः॥ प्रियेणामानः॥ शास्त्रजनुषा॥ सुभागा इति सुभागाः॥ एयः॥ पौषेण
समिति॥ इयोः॥ मदेमानमे॥ महिम्नो॥ उत॥ चक्षुषेति॥ मरुता॥ पित॥ तत्त॥ अहंगृणा
मि॥ अन्विति॥ मन्यस्व॥ सुयजेति सुयजा॥ यजामा॥ जुष्टा॥ देवाना॥ इदं॥ अस्ता॥ हव्यं॥
देवाना॥ एषः॥ उपनाहृत्युपः॥ नाहः॥ आसीत्॥ अपा॥ गर्भा॥ ओषधीषु॥ न्यक्त इति॥ अ
क्तः॥ सोमस्या॥ द्रुमः॥ अहणीता॥ पूषा॥ १॥ बृहन्॥ अद्रिः॥ अभुवन्॥ तत्त॥ एषां॥ पिता॥ व
जाना॥ पतिः॥ अघ्नियोना॥ अथो इति॥ पिता॥ महता॥ गर्गराणां॥ वत्सः॥ जरायु॥ प्रति

राम
५५

धुगिति प्रतिः॥ धुक॥ पी॥ यषः॥ आमिक्षा॥ मक्ता॥ घृतं॥ अस्य रितः॥ त्वा॥ गावः॥ अहण
॥ राज्याय॥ त्वा॥ हवन्त॥ मरुतः॥ स्वर्का इति सु॥ अर्का॥ वर्षन्॥ क्षत्रस्था॥ कुकुमो॥ शि
श्रियाणः॥ ततः॥ नः॥ उग्रः॥ वीति॥ भुजा॥ वसन्ति॥ व्यद्विनेति वि॥ क्रुद्धेना॥ वौ॥ एयः॥ यय
ना॥ यजते॥ यस्या॥ एतानि॥ ना॥ क्रियन्ते॥ एषः॥ हा॥ तु॥ वै॥ समृद्धेनेति सं॥ क्रुद्धेना॥ यज
ते॥ यस्या॥ एतानि॥ क्रियन्ते॥ ॥ शा॥ पूषा॥ क्रियन्ते॥ एषो॥ शेषः॥ ॥ दी॥ सयः॥ देवः॥ दिविषद्
इति दिविषत्॥ भ्यः॥ धाता॥ क्षत्राय॥ वायुः॥ प्रजाभ्य इति प्र॥ जाभ्यः॥ बृहस्पतिः॥ त्वा॥ प्र
जापतये इति प्रजा॥ पतये॥ ज्योतिष्मती॥ जुहोतु॥ यस्याः॥ ते॥ हरितः॥ गर्भा॥ अथो इति



ति० योनिः॥ हिरण्ययी॥ अंगानि॥ अहुना॥ यस्यै० तां॥ देवैः॥ समिति॥ अजीगुमा॥ एति॥
वर्तन॥ वर्तयो० नीति॥ निवर्तनेति॥ निवर्तना॥ इन्द्रा॥ नर्दुबुदा॥ भूस्याः॥ चर्तस्त्रि॥ प्रदिश
इति॥ प्रदिशोः॥ तामिः॥ एति॥ वर्तय॥ पुनः॥ वीति॥ तोभि॥ न॥ द्या॥ त० क० वी॥ वीति॥ यो॥
वीति॥ ग० वी॥ यो॥ वीति॥ १॥ मा० त० री॥ च॥ पुत्रं॥ च॥ वीति॥ ग० मी॥ च॥ ज० रा० यु॥ च॥ ब० हि॥ ति॥
१ अ० स्ता॥ बो० ल॥ इति॥ उरु० द० स० इत्यु० रु० द० स०॥ वि० श्व० रु० प० इति॥ वि० श्व० रु० यः॥ इन्द्रा॥ प० व०
॥ न०॥ धी० री॥ आ० तं॥ ज० ग० मी॥ एक० प० दी० त्ये० कं० प० दी॥ द्वि० प० दी॥ ति॥ द्वि० प० दी॥ त्रि० प० दी॥ ति॥ त्रिः॥
॥ च० प० दी॥ ति॥ चतुः० प० दी॥ पंच० प० दी॥ ति॥ पंच० प० दी॥ षट्० प० दी॥ ति॥ षट्० प० दी॥ स० न० प० दी॥

र० मः
५५

॥ स० न० प० दी॥ अ० षट्० प० दी॥ त्ये० षट्० प० दी॥ सु० व० ना॥ अ० न्वि० ति॥ प० थ० तां॥ स्वा० हा॥ म० हा॥ बो०॥ वृ
॥ दी॥ वा० नः॥ इ० सा॥ यु० द्रा॥ मि० मि० क्षु० तां॥ पि० प्र० तां॥ नः॥ भ० री॥ म० मि० रि० ति॥ भ० री॥ म० मि०॥ रा० ग
॥ न्यौ॥ वि० च० त० तु० श्व० त्वा० रि० श० च्वा॥ १॥ इन्द्रा॥ वां॥ आ० स्यौ॥ ह० वि॥ प्रि० यं॥ इन्द्रा॥ वृ० ह० स्य० ती॥ इ० ती
॥ द्रा॥ वृ० ह० स्य० ती॥ उ० व० थ॥ म० द॥॥ च॥ श० स्य० ते॥ अ० यं॥ वां॥ प० री॥ ति॥ सि० च्य० ते॥ सो० मः॥ इन्द्रा॥ वृ० ह०
॥ स्य० ती॥ इ० ती॥ द्रा॥ वृ० ह० स्य० ती॥ च० रुः॥ म० द॥॥ य॥ पी० त० र्यो॥ अ० स्मे॥ इति॥ इन्द्रा॥ वृ० ह० स्य० ती॥ इ० ती॥ द्रा॥ वृ०
॥ ह० स्य० ती॥ र० यं॥ ध० न्ता॥ श० त॥ ग्वि० न॥ मि० ति॥ श० त॥ ग्वि० नः॥ अ० श्वा० व० न॥ त॥ मि० त्य० श्वे० व० न॥ त॥ स० ह० स्त्रि० पा॥
॥ वृ० ह० स्य० ती॥ नः॥ प० री॥ ति॥ पा० तु॥ प० श्वा० त्वा॥ उ० ज॥ उ० त्र० र० स्मा॥ दि० त्यु० त॥ न० स्मा० त्वा॥ अ० र्ध० रा० त्वा॥ अ०



प० न०
५६

धायाःखिद्यःयोः॥ इन्द्रः॥ पुरस्तात्॥ उता॥ मध्यतः॥ नः॥ सरवाः॥ सखिभ्यश्चित्सखिभ्यः॥
वरिवः॥ कृणोतु॥ वीति॥ विष्वक्॥ वात॥ जता॥ सुइति॥ वात॥ जता॥ सः॥ अग्ने॥ भामा॥ सः॥
॥३॥ शुचेः॥ शुचयः॥ चरंति॥ तुविम्रसा॥ सुइति॥ तुविम्रसा॥ सः॥ दिव्याः॥ नर्वन्वाः॥ वनीः॥
वृन्ति॥ धृषता॥ रुजंते॥ त्वा॥ अग्ने॥ मानुषीः॥ इन्द्रो॥ विशः॥ होत्रा॥ विदमिति॥ होत्राः॥
विदो॥ विर्विचमिति॥ विर्विच॥ रत्न॥ धाते॥ ममिति॥ रत्न॥ धाते॥ मम॥ सुभृगेति॥ सुभृगो॥ वि
श्वदर्शनमिति॥ विश्वदर्शते॥ तुविष्मणसो॥ सुयजमिति॥ सुयजो॥ धातु॥ अयमिति॥ ध
नः॥ श्रियो॥ धाता॥ ददातु॥ नः॥ रयि॥ इक्षानः॥ जगंतः॥ पतिः॥ सः॥ नः॥ पूर्वेन॥ वावन्तः॥

गुहा संत

रामः
५६

धाता॥ प्रजायाइति॥ प्रजायाः॥ उता॥ रायः॥ इन्द्रो॥ धाता॥ इन्द्रो॥ विष्वक्॥ भुवनं॥ जजान्
धाता॥ पुत्रं॥ यजमानाया॥ दाता॥ रातस्मै॥ उ॥ हव्या॥ घृतवदिति॥ घृत॥ वत्॥ विधेम॥
धाता॥ ददातु॥ नः॥ रयि॥ प्राची॥ जीवांतु॥ अक्षिता॥ वया॥ देवस्यो॥ धीमहि॥ सुमतिमि
ति॥ सुमति॥ सत्यरंधस॥ इति॥ सत्यरंधसः॥ धाता॥ ददातु॥ दाशुषी॥ वसेनि॥ प्रजाका
मायेति॥ प्रजाका॥ माया॥ मीदुषो॥ दुरोणइति॥ दुः॥ ओ॥ नो॥ तस्मै॥ देवाः॥ अमृताः॥ समिति॥
व्ययं॥ ता॥ बिभ्वे॥ देवाः॥ अदिनि॥ सजोषा॥ इति॥ सजोषाः॥ अन्विता॥ नः॥ अद्या॥ अनुम
तिरित्यनु॥ मतिः॥ यज्ञं॥ देवेषु॥ मन्यता॥ अग्निः॥ चा॥ हव्यं॥ जाह्न॥ इति॥ हव्यः॥ वाहनः॥ म

वा

भवनां दाशुषैः मयः अन्विता इत्यनुमत् इत्यनुमते त्वं ॥ ३ ॥ मन्यासौ शं च ।
 नः कृद्धिः कृत्वा दक्षाया नः हिनुः प्रेति नः आयूः षिः नृषिः अन्विता मन्याता ।
 अनुमन्यमानेत्यनुमन्यमाना प्रजावन्मिति प्रजावन्तं रयिं अक्षयिमाणां न
 न्दीः हृदसि मा अपीति नृमासा नः देवी सुहवेति सुहवा शमी यच्छतुः य
 सा इहः प्रदिशति प्रदिशयन् विरोधेति विरोधते अनुमतिमिदं
 मतिप्रतीति भूयति आयवः यस्याः उपस्व इत्युपस्वः उरु अन्तरिक्षं सा
 देवी सुहवेति सुहवा शमी यच्छतुः ॥ ४ ॥ राको अहं सुहवामिति सुहवा सुहृता

रामः
५३

तिसुः कृती हृवैः शृणोतु नः सुभगेति सुभगा बोधतु त्वना सीव्यतु अपः ह
 व्या अलिखमानया ददातु वीरं शतदायमिति शतः दायं उच्यं याः ते रको
 सुमनय इति सुमनयः सुवेश इति सुवेशः याभिः ददासि दाशुषैः वसे
 निताभिः नः अद्या सुमनो इति सुमनः उपागृहीत्युप आगेहि सहस्रयोष
 मितिसहस्रयोषं सुभगेति सुभगे ररणा सिनीवाळिया सुपाणिरिति सु
 पाणिः कुरु आहं सुभगामिति सुभगा विष्णुपसमिति विष्णुः अपसा अ
 स्मिन् यद्वा सुहवामिति सुहवा जाह्वीमि सानः ददातु श्रवणं चित्तं गान

स्याः॥ति॥दिवि॥हविषा॥विधेम॥कुहः॥देवाना॥अमृतस्या॥पत्नी॥हव्या॥नु॥अस्या॥हवि
षेः॥चिकेतु॥समिति॥हृषुषे॥किरतु॥भूरि॥वामे॥रायः॥पोषा॥चिकितुषे॥दधातु॥५॥
सोमो॥सो॥दाना॥त्वमंत॥रि॥क्ष॥सानो॥देवी॥सु॥हवा॥शर्म॥य॥छतु॥श्रवणं॥चतुर्वि॥शति॥श्वा॥
॥११॥ ॥अर्गते॥ज॥खिन्वा॥युर्वसेव॥एतद्वा॥अपाना॥म॥धेय॥वायुर॥सि॥देवा॥वै॥पूजा॥पति
देवा॥सुरा॥नो॥यु॥र्द॥एतं॥वानु॥स॥ख्ये॥दिव॥इ॥दं॥वामे॥को॥द॥श॥॥११॥ ॥अर्गते॥ज॥खिन्वा॥यु
र॥सि॥ह॥द॥सां॥वी॥र्य॥मा॥न॥र॥षे॥च॥द॥त्रि॥श॥ता॥॥११॥ ॥ह॥रि॥ओ॥म॥ ॥वी॥ति॥वै॥ए॥त॥स्य॥
य॥ज्ञः॥ऋ॥थ्य॥ते॥य॥स्य॥ह॥विः॥अ॥ति॥रि॥च्य॥त॥इ॥त्ये॥ति॥रि॥च्य॥ते॥स॥ह्ये॥दिवः॥दिवि॥ष॥भ्य॥इ॥ति॥॥

दिविषतः॥भ्यः॥इति॥आ॥ह॥ह॥स्य॥र्ति॥ना॥चा॥ए॥वा॥अ॥स्य॥पू॥जा॥प॥ति॥ने॥ति॥पू॥जा॥प॥ति
ना॥चा॥य॥ज्ञ॥स्य॥व्य॥द॥मि॥ति॥वि॥ऋ॥तु॥अ॥पी॥ति॥व॥प॥ति॥र॥क्षो॥सि॥वै॥ए॥त॥त्वा॥प॥शु॥सि
च॥ते॥य॥त्वा॥ए॥क॥दे॥व॥त्ये॥इ॥त्ये॥क॥दे॥व॥त्यः॥आ॥लं॥ब॥धु॥इ॥त्या॥लु॥ब॥धुः॥भू॥या॥न॥भ॥व॥ति॥य॥
स्य॥ति॥ह॥रि॥ते॥ग॥म॥॥इति॥आ॥ह॥दे॥व॥त्रे॥ति॥दे॥वः॥वा॥ए॥वा॥ए॥ना॥ग॥म॥य॥ति॥र॥क्षे॥सां॥अ॥
प॥ह॥त्या॥इ॥त्य॥प॥ह॥त्ये॥ए॥ति॥व॥र्त्त॥न॥व॥र्त्त॥या॥इति॥आ॥ह॥॥ब्र॥ह्म॥णा॥ए॥वा॥ए॥न॥ए॥ति॥
व॥र्त्त॥य॥ति॥वी॥ति॥ते॥मि॥नु॥ष्मि॥त॥कू॥री॥इति॥आ॥ह॥य॥था॥य॥जु॥रि॥ति॥य॥था॥य॥जुः॥ए॥वा॥
त॥त्वा॥ज॥रु॥द्र॥प्स॥इ॥त्यु॥रु॥द्र॥प्सः॥वि॥श्व॥रु॥प्स॥इति॥वि॥श्वे॥रु॥प्सः॥इ॥ति॥आ॥ह॥प्र॥जे॥ति॥प्र॥जा॥

वैपुशवः। इदुः। प्रजयेति प्रजया। एवा एनां पशुभिरिति पशुभिः समिति। अर्द्ध
युति। दिवौ वै। यज्ञस्याव्युदमिति विः। क्रुद्धा गच्छति। पृथिवी। अतिरिक्तमित्यतिः
रिक्त। तदा यताना। शमयेत्। आर्त्ति। एति। क्रुद्धेत्। यजमानः। मही। द्यौः। पृथिवी। चा
नः। इति। आह। द्यावा पृथिवीभ्यामिति द्यावा पृथिवीभ्यां। एवा यज्ञस्याव्युद
मिति विः। क्रुद्धा च। अतिरिक्तमित्यतिः रिक्त। च। शमयेति। ना। आर्त्ति। एति। क्रुद्धेत्।
यजमानः। भस्मना। अभिसमिति। क्रुद्धेत्। स्वगाहत्या इति स्वगाः। कृत्यै। अथोद
ति। अनुयोः। वै। एषः। गर्भः। अनुयोः। एवा एनां दधाति। यत्। अवघेदित्यवघेत्।

अतीति। तदा रेचयेत्। यताना। अवघेदित्यवघेत्। पशोः। आलब्धस्येत्यालब्धस्य
ना। अवति। द्यौत्। पुरस्तादनाभ्याः। अन्यत्। अवघेदित्यवघेत्। उपरिष्ठात्। अन्य
त्। पुरस्तात्। वोनोभ्यै। आ। प्राण इति प्रः। अनः। उपरिष्ठात्। अपान इत्यपः। अनः।
यावात्। एवा पशुः। तस्या। अवति। यति। विष्णवा। शिपिविषयेति शिपिः। विषया। जु
होति। यत्। वै। यज्ञस्या। अतिरिच्यत इत्येतिः। रिच्यते। यः। पशोः। भूमाया। पुष्टिः। तदा
विष्णुः। शिपिविष्ट इति शिपिः। विष्टः। अतिरिक्त इत्यतिः रिक्ते। एवा अतिरिक्तमित्यतिः
रिक्त। दधाति। अतिरिक्तस्येत्यतिः रिक्तस्य। शाल्यै। अष्टाप्रदित्यष्टाः। प्रदः। हिरण्यादक्षि

प० न०
६०

या। अष्टापदीत्यष्टाऽपदी। हि। एषा। आत्मा। नवमः। पञ्चा। आत्मा। अंतुरकोश इत्यं
तरः कोशः। उद्गीर्षेण। आविष्टितमित्याऽविष्टितं। भवति। एवं। इवाहि। पशुः। उल्ब।
इवा। चर्म। इवा। मांसं। इवा। अस्त्रि। इवा। यावान्। एव। पशुः। तं। आ। स्वा। अवेति। रुंधो।
यस्या। एषा। युज्ञे। प्रायश्चिनिः। क्रियते। इष्टा। वसीयान्। भवति। ॥ १॥ वर्जयेत्याह न इ
ति वैनाभ्या उल्बमिवैकविंशतिश्च। ॥ १॥ एति। वायो इति। मूष। सुचिपा इति सुचि
प्याः। उपेति। न। सहस्रं। ते। नियुत इति। निःस्युतः। विश्ववारिर्ति विश्ववारः। उपो इति।
ते। अंधः। मध्यं। अयामि। यस्या देवा दधिषे। पूर्वपेयमिति पूर्वपेयः। आकृत्या इत्याऽ

रामः
६०



कृत्यै। त्वा। कामाया। त्वा। समृद्ध इति सः ऋधे। त्वा। किक्किदा। ते। मनः। प्रजापतयुरति
प्रजापतये। स्वाहा। किक्किदा। ते। प्राणमिति प्रः अन्तः। वायवै। स्वाहा। किक्किदा। ते। चक्ष
ः। सूर्याया। स्वाहा। किक्किदा। ते। श्रोत्राद्यावाऽपृथिवीभ्यामिति द्यावाऽपृथिवीभ्याः। स्वाहा।
किक्किदा। ते। वाचै। सरस्वत्यै। स्वाहा। ॥ १॥ त्वं। तुरीयो। वशिनी। वशा। असि। सकन। यत्र।
त्वा। मनेसा। गर्भः। एति। अशयत्र। वशा। त्वं। वशिनी। गच्छ। देवान्। सत्याः। संतु। यजमा
नस्या। कामाः। अजा। असि। रयिष्ठेति रयिः स्था। पृथिव्यां। सीदा। कूर्ध्वा। अंतरिक्षं। उपेति।
तिष्ठस्वा। दिवि। ते। ब्रह्म। भाः। तेतु। तन्वन्। रजसः। मानु। अन्विता। इहि। ज्योतिष्मन्। प



प० न०
६

५१०

थः। रक्षाधिया। कृतान्। अनुत्पणं। वयन। जोगुवां। अपः। मनुः। भव। जनयाद्वैव्यं।
जनं। मनसः। हविः। असि। प्रजापतिरिति प्रजाः पतिः। वर्णः। गात्राणां। तै। गात्रभाजः।
तिगात्रभाजः। भूयास्मां। श। सरस्वत्ये स्वाह। मनुस्वयोदशचा। श। इमे इति वै। सह।
आस्ता। ते इति। वायुः। वीतै। अवात्। ते इति। गर्भे। अदधातां। तं। सोमः। प्रेति। अजन
यत्। अग्निः। अग्नसुत। स। एतां। प्रजापतिरिति प्रजाः पतिः। आग्नेयां। अष्टाकपाल
मित्यष्टाः कपालं। अपश्यत्। तं। निरिति। अवपत्। तेर्न। एवा। एतां। अग्नेः। अधीनि
रिति। अक्रीणात्। तस्मात्। अपीति। अन्यदेवत्यमित्यन्यः देवत्यौ। आलभमानः।

रामः
६

त्याः। लभमानः। आग्नेयां। अष्टाकपालमित्यष्टाः कपालं। पुरस्तात्। निरिति। अग्नेः।
अग्नेः। एवा। एतां। अधीति। निष्क्रीयोर्तिनिः। स्कीयो। एति। लभते। यत्। १॥ वायुः। व्यवा
दितैविः। अबीत्। तस्मात्। वायुव्या। यत्। इमे इति। गर्भे। अदधातां। तस्मात्। द्यावापृ
थिव्योर्तिद्यावाः पृथिव्या। यत्। सोमः। प्रेति। अजनयत्। अग्निः। अग्नसुत। तस्मात्।
अग्नीषोमीयेत्यग्नीः। सोमीयो। यत्। अनयोः। वियत्योरिति विः। यत्योः। वाक्। अवद
त्। तस्मात्। सारस्वती। यत्। प्रजापतिरिति प्रजाः पतिः। अग्निः। अधीति। निरक्रीणा
दिति निः। अक्रीणात्। तस्मात्। प्राजापत्येति प्राजाः पत्या। सा। वै। एषा। सर्वदेवत्येति

प. त. ०
६२

सर्वदेवत्याः यत्र अजा वृणा वायव्याः एति लभते भूतिका मुदति भूतिः कामः।
वायुः वैशेषिष्ठा देवता वायुः एवास्वेनाः शाभाग्धेयेनेति भागः धेयेना उपे
ति धावति सा एवा एना भूतिः गमयति द्यावा पृथिव्या मिति द्यावा पृथिव्या ए
ति लभेता कृषमाणः प्रतिष्ठा कामुदति प्रतिष्ठा कामुदिवः एवा अस्मै पर्जन्यः।
वर्धति वीति अस्याः ओषधयः रोहति समर्थकमिति संसर्धकं अस्याः सस्याः
भवति अग्नीषोमीयामित्यग्नीः सोमीया एति लभेता यः कामयेता अन्नं वा नि
यिन्नं वान् अन्नादइत्यन्नः अदः स्या इति अग्निना एवा अन्नं अवेति रुधे सो

एमः
६२



नेना अन्नाद्यमित्यन्नः अद्यैः अन्नं वा नित्यन्नं वान् एवा अन्नादइत्यन्नः अदः भ
वाते सा रुखती एति लभेता यः शा ईश्वरः वाचा वदितोः सन् वाचा वदेत् वा
रुवा स रस्वती सरस्वती एवास्वेनाः भागधेयेनेति भागः धेयेना उपेति धावति।
सा एवा अस्मिन् वाचा दधाति प्राजापत्या मिति प्राजापत्या एति लभेता यः का
मयेता अन्नं भिजितु मित्यन्नं भिजितुं अभीति जयेय इति प्रजापतिरिति प्रजा
पतिः सर्वाः देवताः देवताभिः एवा अन्नं भिजितु मित्यन्नं भिजितुं अभीति जयति।
वायव्या उपोके रोती लुपः आकरोति वायो एवा एना अव रुध्यत्यव रुध्यतेति।



प० तृ०
६३



लभते। आकृत्या इत्याः कृत्यैः त्वा। कामीय। त्वा॥ ४॥ इति। आह। यथा यजुरित्यथाः
यजुः। एव। एतत्। किंकिटाकारमिति। किंकिटाः कारं। जुहोति। किंकिटाकारेण। किं
किटाः कारेण। वै। ग्राम्याः। पशवः। रमन्ते। प्रेति। आरण्योः। पतन्ति। यत्र। किंकिटाका
रमिति। किंकिटाः कारं। जुहोति। ग्राम्याणो। पशूनां। धृत्यैः। पर्यग्नौ। विति। परि। अज्जो।
क्रियमाणे। जुहोति। जीवन्ती। एव। एनां। सुवर्गमिति। सुवः। ग्नां। लोकं। गमयति। भानु
रीयाः। वशिनी। वशा। असि। इति। आह। देवत्रेति। देवः। त्रा। एव। एनां। गमयति। सत्याः।
भानु। यजमानस्य। कामीः। इति। आह। एषः। वै। कामः॥ ५॥ यजमानस्य। यत्र। अना

रामः
६३

न। उदयमित्युतः। ऊर्ध्वं। गच्छति। तस्मात्। एव। आह। अजा। असि। रायिष्ठति। रायिः
स्था। इति। आह। एषु। एव। एनां। लोकेषु। प्रतीति। स्थापयति। दिवति। बहवः। भाः। इ
ति। आह। सुवर्गमिति। सुवः। ग्नां। एव। अस्मै। लोके। ज्यातिः। दधाति। तनुं। तन्वन्। रज
सः। भानु। अन्विति। इति। इति। आह। इमान्। एव। अस्मै। लोकान्। ज्यातिभ्यः। कर्णे
नि। अनु। ल्वणं। वयते। जोषुवां। अफे। इति॥ ६॥ आह। यत्र। एव। यज्ञे। उल्वणं। क्रिय
ते। तस्य। एव। एषा। शक्तिः। मनुः। भव। जनये। देव्यं। जिने। इति। आह। मानव्यः। वै। प्रजा
इति। प्रजाः। ताः। एव। आद्यो। कुरुते। मनसः। हविः। असि। इति। आह। स्वगाकृत्या। इति



य० न०
६४

स्वगाऽकृत्यै गान्त्राणां। ते। गान्त्राज इति गान्त्राजः। भूयास्मा इति। आह। आशिष
मित्याऽशिषा। एवा एतां। एति। शस्ते। न स्यै। वै। एतस्याः। एका। एवा। अदेवयजनमित्यदेव
युजुनं। यत्। आलब्ध्या। यामित्याऽलब्ध्यायां। अभः। ग। भवति। यत्। आलब्ध्या। यामि
त्याऽलब्ध्यायां। अभः। स्यात्। अश्वित्येऽसु। वा। प्रवेशयेदिति प्रवेशयेत्। सवी। वा।
प्रेति। अश्रीयात्। यत्। अश्वित्येऽसु। प्रवेशयेदिति प्रवेशयेत्। युजुवेषमिति युजु
वेषसं। कुर्यात्। सवी। एवा। प्रेति। अश्रीयात्। इन्द्रिया। एवा। आत्मना। धन्ने। सा। वै। एषा। त्र
णां। एवा। अवैरुद्वेत्येवैः। रुद्रा। संवत्सरसद इति संवत्सरः। सदः। सहस्रयाजिन इ

रामः
६४

ते सहस्रयाजिनः। गृहमाधत्तुर्निगृहः। मुचिनेः। ते। एवा। एतयो। युजुरन्। तेवां। ए
वा। एषा। आभा। ग। यत्वेनेसारस्वतीमालमेतुयः। कामोयला। कामोपइत्युभोहि च
त्वारिऽश्वाः। आ। चित्तं। च। चित्तं। च। आकूतमित्याऽकूतं। च। आकूतिरित्याऽकूतिः।
च। विज्ञातमिति विज्ञातं। च। विज्ञानमिति विज्ञानं। च। मनः। च। शर्करा। च। दर्शः।
च। पूर्णमीस इति पूर्णमासः। च। रुहन्। च। रथंतरमिति रथंतरं। च। प्रजापतिरिति
प्रजापतिः। जयान्। इन्द्रिया। रुहन्। प्रेति। अयुक्तत्। उग्रः। एतनाज्येषु। तस्मै। विशेषः। स
मिति। अनमंतं। सवी। सः। उग्रः। सः। हि। हव्यः। बभूव। देवासु। रं इति देवः। असुरः। स



प० न०
६५

यत्ता इति संशयताः आसन् सः इन्द्रः प्रजापतिमिति प्रजाः पतिः उपेतः अधावत्
तस्मै एतान् जयान् प्रेतिः अयच्छत् तान् अजुहोत् ततः वै देवाः अमुं रात्रां अ-
जयन् तन् जयानां जयन्तमिति जयत्वं स्पृधेमानेना एते होतव्याः जयेति एव
तो दत्तेनां ॥ १ ॥ उपपद्ये विष्णुमिति ॥ ४ ॥ अग्निः भूतानां अधिपतिरित्यधिः पतिः
सः मा अवतु इन्द्रः ज्येष्ठानां यमः पृथिव्याः वायुः अंतरिक्षस्य सूर्यः दिव्यं चंद्र-
माः नक्षत्राणां बृहस्पतिः ब्रह्मणः मित्रः सत्यानां वरुणः अपां समुद्रां स्त्रियाणां
अनीं सामां जयानामिति सां सज्यानां अधिपतीत्यधिः पतिः तन् मा अवतु सो-
म ॥ ३ ॥ अर्जुन ॥ ३

रामः
६५

॥ ओषधीनां सविता मरुतवानामिति प्रसवानां रुद्रः पशूनां त्वष्टा रूपाणां दि-
तुः पर्वतानां मरुतः गणानां अधिपतय इत्यधिः पतयति मा अवतु पितरः पि-
तामहाः परे अवरे तानां ततामहः इह मा अवतु अस्मिन् ब्रह्मन् अस्मिन् क्ष-
त्रे अस्यां आशिषीत्यां शिष्टिं अस्यां पुरोधायामिति पुरुः धार्या अस्मिन् कर्म-
न् अस्यां देवहूत्यामिति देवः हूत्या ॥ १ ॥ अवरे समदशचापा देवाः वै यत्र यज्ञो
अकुर्वत तन् अमुं यः अकुर्वत ते देवाः एतान् अभ्यातानां नित्यमि आतानान्
अपश्यन् तान् अभ्यातन्वतेत्यभिः आतन्वत यत्र देवानां कर्मा आसीत् आर्य-



प० न०
६६

तातत्रायत्ता असुराणां। न तत्र आर्यतायेन। कर्मणा। ईत्थं तत्रा होतव्याः। क
 श्रोति। एव तित। कर्मणा। यत्ता विष्टै। देवाः। समभरन्ति तिसं। अमरना तस्मात्ता अ
 न्यात। ता इत्यभिः आताताः। वैश्वदेवा इति वैश्वः देवाः। यत्ता प्रजापेरिति नि प्रजाः
 पतिः। जयाने। प्रेति। अयं छत्ता तस्मात्ता जयाः। प्राजापत्या इति प्राजाः पत्याः। १॥
 यत्ता राष्ट्रभृद्गिरितिराष्ट्रभृत्त्वभिः। राष्ट्रं। एति। अर्द्धदत्ता तत्रा राष्ट्रभृतामिति रा
 मभृता। राष्ट्रभृत्त्वमितिराष्ट्रभृत्त्वं। देवाः। अभ्याता नैरित्यभिः आतानैः। असुरा
 अभ्यातैर्नैत्यभिः आतन्वता। जयैः। अजयत्ता राष्ट्रभृद्गिरितिराष्ट्रभृत्त्वभिः। राष्ट्रं।

रामः
६६

तति॥ अदत्ता॥ यत्तदेवा॥ अभ्यातानैरित्यभिः आतानैः॥ असुरान् अभ्यातन्वतेत्य
 भिः आतन्वते॥ तत् अभ्यातानानामित्यभिः आतानानां॥ अभ्यातानुत्वमित्यभ्या
 तानुत्वा॥ यत्तजयैः॥ अजयन् तत्तजयानां॥ जयत्वमिति जयःत्वा॥ यत्त राष्ट्रभृद्भि
 रिति राष्ट्रभृद्भिः॥ राष्ट्रं॥ एति॥ अदत्ता॥ तत्त राष्ट्रभृतामिति राष्ट्रभृतां॥ राष्ट्रभृत्वाभि
 रिति राष्ट्रभृत्वा॥ तत्तदेवा॥ अमवन् परेति॥ असुराः॥ यः॥ भ्रातृव्यवानिति भ्रातृव्य
 वान्॥ स्यात्तसः॥ एतान् जुहुयात्॥ अभ्यातानैरित्यभिः आतानैः॥ एवा॥ भ्रातृव्यान् अभ्या
 तानुत्तुत्यभिः आतनुते॥ जयैः॥ जयति॥ राष्ट्रभृद्भिरिति राष्ट्रभृद्भिः॥ राष्ट्रं॥ एति॥

ति॥ भवति॥ आत्मना॥ परेति॥ अस्या॥ भ्रातृव्यः॥ भवति॥ १॥ प्राजापत्याः॥ सोऽष्टादश
 च॥ ॥ दी॥ कृताषाढा॥ कृतधामेत्येतः॥ धामा॥ अग्निः॥ गंधर्वाः॥ तस्य॥ ओषधयः॥ असुर
 सः॥ अर्जुनः॥ नामा॥ सः॥ इन्द्रा॥ ब्रह्मा॥ क्षत्रा॥ पातु॥ ताः॥ इन्द्रा॥ ब्रह्मा॥ क्षत्रा॥ पातु॥ तस्मै॥ स्वाहा॥
 ताभ्यः॥ स्वाहा॥ स॥ हित॥ इति॥ संहिता॥ विश्वसामेति॥ विश्वः॥ सामा॥ सूर्यः॥ गंधर्वाः॥ त
 स्य॥ मरीचयः॥ असुरसः॥ आयुव॥ इत्या॥ युवः॥ सुयुज्ज॥ इति॥ सुः॥ सुज्ज॥ सूर्यः॥ रश्मिरिति॥
 सूर्यः॥ रश्मिः॥ चंद्रमाः॥ गंधर्वाः॥ तस्या॥ नक्षत्राणि॥ असुरसः॥ विकुरयः॥ भुज्युः॥ सुपर्ण
 इति॥ सुः॥ पर्णा॥ यज्ञः॥ गंधर्वाः॥ तस्या॥ दक्षिणाः॥ असुरसः॥ स्रवीः॥ प्रजापति॥ इति॥ १॥

रामः

६७

यः॥ विश्वकमेति॥ विश्वः॥ कमी॥ मनः॥ १॥ गंधर्वाः॥ तस्या॥ कृक्कामानीत्यक्ः॥ सामा
 ना॥ असुरसः॥ वद्रयः॥ इषिरा॥ विश्वव्यचा॥ इति॥ विश्वः॥ व्यचाः॥ वातः॥ गंधर्वाः॥ तस्य॥
 आपः॥ असुरसः॥ मुदाः॥ सुवेनस्य॥ पति॥ यस्य॥ ति॥ उपरि॥ गृहाः॥ इन्द्रा॥ च॥ सः॥ नः॥ रा
 त्वा॥ आज्योनिः॥ रायः॥ पोषा॥ सुवीर्यमिति॥ सुः॥ वीर्य॥ संवत्सरीणामिति॥ संवत्सरीणां॥
 स्वांति॥ परमेष्ठी॥ अधिपतिरित्याधिपतिः॥ मृत्युः॥ गंधर्वाः॥ तस्या॥ विश्वः॥ असुरसः॥ भुवः॥
 सुक्षितिरिति॥ सुः॥ क्षितिः॥ सुभूतिरिति॥ सुः॥ भूतिः॥ भद्रकंदिति॥ भद्रः॥ कंद॥ सुवेर्वा॥ निति॥ सु
 वेः॥ वा॥ ना॥ प॥ र्जन्यः॥ गंधर्वाः॥ तस्या॥ विद्युत॥ इति॥ विद्युतः॥ असुरसः॥ रुक्मः॥ दूरैरिति॥ रि

प० न०
६८

दरेऽहेतिः अमृडयः॥ शमृत्युः॥ गंधर्वः॥ तस्य॥ प्रजा इति प्रजा॥ असुरसः॥ भीरुवः॥
चौरः॥ कृपणः॥ काशीति कृपणः॥ कामी॥ कामः॥ गंधर्वः॥ तस्य॥ आधेय इत्याधेयः॥ अ
सरसः॥ शोचयेतीः॥ नामासः॥ इदं ब्रह्म॥ सुत्रापातुः॥ नाः॥ इदं ब्रह्म॥ क्षत्रापातुः॥ तस्मै॥
स्वाहा॥ ताभ्यः॥ स्वाहा॥ सः॥ नः॥ भुवनस्य॥ पतिः॥ यस्य॥ ति॥ उपरि॥ गृहाः॥ इह॥ च॥ उरु॥ ब्रह्म
णो॥ अस्मै॥ क्षत्राये॥ महि॥ शमी॥ यद्व॥ शमनो॥ मृडयः॥ षट्चत्वारिंशच्चा॥ १॥ राष्ट्रका
मायेति राष्ट्रकामाया होतव्याः॥ राष्ट्रवै॥ राष्ट्रभृत इति राष्ट्रभृतः॥ राष्ट्रपा॥ एवा॥ अस्मै॥
राष्ट्रा॥ अवेति॥ रुधो॥ राष्ट्र॥ एवा॥ भवति॥ आत्मनै॥ होतव्याः॥ राष्ट्रवै॥ राष्ट्रभृत इति राष्ट्रभृतः॥

रामः
६८

नः॥ राष्ट्र॥ प्रजेति प्रजा॥ राष्ट्र॥ पशवः॥ राष्ट्र॥ यत्त॥ श्रेष्ठः॥ भवति॥ राष्ट्रपा॥ एवा॥ राष्ट्रवैति॥
रुधो॥ वसिष्ठः॥ सामानाना॥ भवति॥ ग्रामकामायेति ग्रामकामाया होतव्याः॥ राष्ट्रवै॥
राष्ट्रभृत इति राष्ट्रभृतः॥ राष्ट्र॥ सजाता इति सजाताः॥ राष्ट्रपा॥ एवा॥ अस्मै॥ राष्ट्र॥ सजा
तानि निसजाताना॥ अवेति॥ रुधो॥ ग्रामी॥ १॥ एवा॥ भवति॥ अधिदेव न इत्यधिदेवे
ने॥ जुहोति॥ अधिदेव न इत्यधिदेवेने॥ एवा॥ अस्मै॥ सजातानि निसजाताना॥ अवे
ति॥ रुधोति॥ एने॥ अवरुद्ध इत्यवरुद्धाः॥ उपेति॥ तिष्ठते॥ स्थमुख इति स्थमुखे॥ ओ
जस्कोमस्ये लो जः॥ कामस्या होतव्याः॥ ओजः॥ वै॥ राष्ट्रभृत इति राष्ट्रभृतः॥ ओजः॥ र

अर्जुन

प० तृ०
६९

५२

यः॥ ओजसा एवा अस्मै॥ ओजः॥ अवेति॥ रुंधो॥ ओजस्वी॥ एवा भवति॥ यः॥ राष्ट्रात्वा अ
यं भूत इत्यं भूतः॥ स्यात्वा तस्मै॥ होतव्याः॥ यावन्तः॥ अस्या र्थाः॥ स्युः॥ तात्वा ब्रूयात्
युद्धं॥ इति॥ राष्ट्रं॥ एवा अस्मै॥ युनक्ति॥ ॥ ॥ आहुतय इत्याहुतयः॥ वै एतस्या अ
क्रान्ताः॥ यस्या राष्ट्रं ना कल्पते॥ स्व रथस्येति स्व रथस्या दक्षिणे चक्रं॥ प्रवृत्तेति प्र
वृत्त्या॥ नाडी॥ अभीति॥ जुहुयात्वा आहुती रित्याहुतीः॥ एवा अस्या कल्पयति॥ नाः॥
अस्या कल्पमानाः॥ राष्ट्रं अन्विति॥ कल्पते॥ संग्राम इति संग्रामो॥ संयत्त इति सं
यत्ते॥ होतव्याः॥ राष्ट्रं वै राष्ट्रं भूत इति राष्ट्रं भूतः॥ राष्ट्रं खलु वै एते॥ व्यायच्छत इति

रामः
६९

तिः॥ आयच्छते॥ यो॥ संग्राममिति संग्रामा॥ संयतीति संयति॥ यस्या पूर्वस्या जुहोति॥
सः॥ एवा भवति॥ अयेति॥ तं॥ संग्राममिति संग्रामं॥ मां धुक्॥ इत्यं॥ ॥ ॥ भवति॥ अंगो
राः॥ एवा प्रतिवेष्टमाना इति प्रतिवेष्टमानाः॥ अमित्रोणा अस्या सेना प्रतीति॥ वेष्टय
ति॥ यो॥ उन्माद्ये दित्युत्तरं माद्येत्वा तस्मै॥ होतव्याः॥ गंधर्वाप्सरस इति गंधर्व अप्सरसे
वै एते॥ उदिति॥ मादयंति॥ यः॥ उन्माद्यतीत्युत्तरं माद्येति॥ एते॥ खलु वै॥ गंधर्वाप्सरस इ
ति गंधर्व अप्सरसे॥ यत्वा राष्ट्रं भूत इति राष्ट्रं भूतः॥ तस्मै स्वाहा॥ ताभ्यः स्वाहा इति जु
होति॥ तिनो॥ एवा एनात्वा शमयति॥ नैय यो धः॥ ओ दुर्बरः॥ आश्वत्थः॥ ह्लाक्षः॥ इति॥ इध्मा



प० न०
७०

भवति। एतौ वै गंधर्वा सरसामिति गंधर्वः असुरसौ। गृहाः स्वे एवा एतान्। आ
यतन इत्याः यतने। श्रमयति। अभिचरतेत्यभिः चरता। प्रतिलोममिति प्रतिःलोमं।
हेतुव्याः। प्राणानिति प्रः अनात् एव। अस्या प्रतीचः। प्रतीति। योति। तं। ततः। येना। के
न। च। स्तुपते। च। हेतु इति स्वः कृते। इति। जुहोति। प्रदर इति प्रः दरे। वा। एतत्। वै। अ
स्यो। निर्वृति गृहते मिति निर्वृतिः गृहीते। निर्वृति गृहीत इति निर्वृतिः गृहीते। एव। ए
न। निर्वृति। निः। कृत्या। ग्राहयति। यत्। वाचः। कूरं। तेन। वषट्। करोति। वाचः। एव।
एन। कूरणा। प्रेति। वृश्चति। ताजका। आर्त्ता। एति। कच्छति। यस्य। कामयेत। अनाद्य

रामः
७०

मित्यलः अद्य॥ ५॥ एति। दहीया इति। तस्या। सभाया। उन्नान इत्युत्तानः। निपद्ये
ति निःपद्ये। भुवनस्या। पति। इति। तृणानि। समिति। गृहीयात्। प्रजापतिरिति प्रजाः प
तिः। वै। भुवनस्या। पतिः। प्रजापतिनेति प्रजाः पतिना। एव। अस्या। अनाद्यमित्यलः अ
द्य। एति। दत्ते। इदं। अहं। अमुष्य। आमुष्यायणस्य। अनाद्यमित्यलः अद्य। हुरामि। इति।
आह। अनाद्यमित्यलः अद्य। एव। अस्या। हरति। षड्विंशति षट्। मिः। हरति। षट्। वै। क
नर्वः। प्रजापतिनेति प्रजाः पतिना। एव। अस्या। अनाद्यमित्यलः अद्य। आदायेत्यः दा
या। कृतवः। अस्मै। अनु। प्रेति। यच्छति॥ द्या। यः। ज्येष्ठबधुरिति ज्येष्ठबधुः। अपमृत इत्य



प० न०
७९

प० भूतः स्वात्ताः स्वलोः अवसाय्यत्वः साय्यः ब्रह्मोदनमिति ब्रह्मः ओदनं च
तुः शरावमिति चतुः शरावः पक्काः तस्मैः होतव्याः वर्षीः वैराष्ट्रभूत इति राष्ट्रः
भूतः वर्षीः स्वलोः वर्षीणाः एवा एवा वर्षीः समानानां गमयति चतुः शराव इति
चतुः शरावः भवति दिक्षु एवा प्रेतीति तिष्ठति क्षीरो भवति रुचं एवा अस्मि
न्नादधाति उदिति हुरति श्रतत्वायेति श्रतः लायाः सापेधानां भवति मेध्यत्वा
मेध्यः लायाः चत्वारः ओषेयाः प्रेती अश्रति दिक्षु एवा ज्योतिषि जुहोति
॥ गामी युनक्ती ध्यः स्व एवैनानना द्यंयक्येकानपचाशच्च ॥ ८॥ देविकाः नित

रामः
७९



रिति वपेत् प्रजाकाम इति प्रजाः कामः छंदोः शसि वै देविकाः छंदोः शसि इवा स्व
वि प्रजा इति प्रजाः छंदो भिरिति छंदः भिः एवा अस्मै प्रजा इति प्रजाः प्रेती
जनयति प्रथमं धातुं करोति मिथुनी एवा तेना करोति अन्विति एवा अस्मै
अनुमतिरित्यनुमतिः मन्यते एते एका प्रेती सिनीवाली जनयति प्रजास्वि
ति प्रजासु एवा प्रजातास्विति प्रजातासु कुक्षो वाचा दधाति एताः एवानिरिति
वपेत् पशुकाम इति पशुः कामः छंदोः शसि वै देविकाः छंदोः शसि ॥ ९ ॥ इवा स्व लु
वै पशवः छंदो भिरिति छंदः भिः एवा अस्मै पश्वन् प्रेती जनयति प्रथमं धातुं



रा० करोति। प्रेति। एवा० तेना० वापयति। अन्वि० ति। एवा० अस्मै। अनु० मतिरित्यनु० मतिः।
मन्य० ते। रोते। एका० प्रेति। सिनी० वाली। जन० यति। प० श्र० त्वा० एवा० प्रजा० र्मे० नि० ति। प्र० जा० ता०
ना० कु० का० प्र० ती० ति। स्तु० प० यति। एताः० एवा० नि० रि० ति। व० पे० त्वा० ग्रा० म० का० म० इ० ति। ग्रा० म० का०
मः० छं० दा० श० सि० वै। दे० वि० काः० छं० दा० श० सि० इ० वा० ख० लु० वै। ग्रा० म० का० छं० दा० भि० रि० ति। छं० दा० भि० रि० ति।
वा० अ० स्मै। ग्रा० म० का० श० अ० वे० ति। रु० धे० म० ध्या० ते० धा० ता० रा० करोति। म० ध्य० तः० एवा० ए० न० ग्रा०
स्या० द० धा० ति। एताः० एवा० नि० रि० ति। व० पे० त्वा० ज्यो० गा० म० या० वी० ति। ज्यो० क० आ० म० या० वी० छं० दा०
सा० वै। दे० वि० काः० छं० दा० श० सि० ख० लु० वै। ए० त० अ० भी० ति। म० न्य० ते। य० स्य० ज्यो० क० आ० म० य०

छं० दा० भि० रि० ति। छं० दा० भि० रि० ति। एवा० ए० न० अ० ग० दा० करोति। म० ध्य० तः० धा० ता० रा० करोति। म०
ध्या० तः० वै। ए० त० स्या० अ० कृ० मा० य० स्य० ज्यो० क० आ० म० य० ति। म० ध्य० तः० एवा० अ० स्या० ते० न० क० ल्य०
यति। एताः० एवा० नि० रि० ति। श० व० पे० त्वा० या० य० ज्ञः० ना० उ० प० न० मे० दि० त्यु० पः० न० मे० त्वा० छं० दा० श०
सि० वै। दे० वि० काः० छं० दा० श० सि० ख० लु० वै। ए० त० ना० उ० पे० ति। न० मे० ति। या० य० ज्ञः० ना० उ० प० न० म० ती०
त्यु० पः० न० मे० ति। प्र० थ० मे० धा० ता० रा० करोति। मु० ख० तः० एवा० अ० स्मै। छं० दा० श० सि० द० धा० ति। उ० पे०
ति। ए० न० य० ज्ञः० न० मे० ति। एताः० एवा० नि० रि० ति। व० पे० त्वा० ई० जा० नः० छं० दा० श० सि० वै। दे० वि० काः० या०
त० या० मा० नी० ति। या० तः० या० मा० नि० इ० वा० ख० लु० वै। ए० त० स्या० छं० दा० श० सि० यः० ई० जा० नः० उ० न० म०



मिल्युतः नमं धातारं करोति॥ धा उपरिष्ठात् एवा अस्मै छंदांश्चि अयानयमा
नीत्ययानस्थामानि अवैति रुंधो उपेति॥ एनं उत्र रल्युतः नरः यज्ञं नमति॥
एताः एवा निरिति विपेत्ता यं मे धान उपन मे दित्युपः न मे त्वा छंदांश्चि वै देवि
काः छंदांश्चि खलु वै एताः न उपेति न मे ति यं मे धान उपन मतीत्युपः न मे ति॥
अथ मं धातारं करोति॥ मुरवतः एवा अस्मै छंदांश्चि दधाति उपेति॥ एनं मे धा
नमति॥ एताः एवा निरिति विपेत्ता॥ पा रुक्को म इति रुक् कामः॥ छंदांश्चि वै देवि
कः छंदांश्चि इवा खलु वै रुक्का छंदांश्चि निरिति छंदः भिः एवा अस्मिन् रुचं दधा

शिरीशं भवति रुचं एवा अस्मिन् दधति मध्यतः धातारं करोति मध्यतः ए
वा एनं रुचं दधाति गायत्री वै अनु मतिरित्यनु मतिः त्रिष्टुका एका जगती॥
मिनीवाली अनुष्टुबित्यनु स्तुष्टु कुहू धाताः वषट्कार इति वषट्कारः पूर्वपक्ष
इति पूर्वपक्षः राका अपरपक्ष इत्यपरपक्षः कुहू अमावास्या इत्यमावास्या मि
नीवाली पौर्णमासीति पौर्णमासी अनु मतिरित्यनु मतिः चंद्रमा धाता अ
ष्टौ द्वादश वसवः अष्टाक्षरेत्यष्टाक्षरा गायत्री एकोदश रुद्राः एकोदश क्षर
त्येकोदश अक्षरा त्रिष्टुपा द्वादश आदित्याः द्वादश क्षरेति द्वादश अक्षरा जमे

नी। प्रजापतिरिति प्रजाऽपतिः। अनुष्टुबिल्यनुःस्कृष्टाधाता। वषट्कार इति वषट्का
रा। एतत्तव वैदेविकाः। सर्वाणि। चोच्छंदाः। सि। सर्वाः। चा। देवताः। वषट्कार इति वषट्का
कारः। ताः। यत्तव सहा सर्वाः। निर्वपेदिति निः। र्वपेत्तव ईश्वराः। एनां प्रदह इति प्रदहो
दे इति। प्रथमे इति। निरुप्येति निः। उप्य। धातुः। तृतीय। निरिति। वपेत्तव तथा इति।
एवा। उत्तरे इत्युत्तर। निरिति। वपेत्तव तथा। एनां। न। प्रेति। दहति। अथो इति। य
स्मै। कामाया। निरुप्यन्त इति निः। उप्येते। तां। एवा। अभिः। उपेति। अभि। ति। आ। प
शु। कामः। च्छंदाः। सि। वैदेविकाः। च्छंदाः। सि। ग्रामैकल्ययत्येता एव निरुत्तमधाताः

य शनिमधानमत्येता एव निर्वपेदष्टोदहति नवचा। णी। वा। स्तो। पते। प्रतीति। जा
नीहि। अस्मान्। स्वावेश इति सु। आवेशः। अनमीवः। भवान्। यत्तव। त्वा। ईमहे। प्रती
ति। तत्तानः। बुधस्वाशं। नः। एधि। द्विपद इति द्विः। पदे। शं। चतुष्यद इति चतुः। पदे।
स्तो। पते। शर्मयो। सः। सदेति सं। सदा। ते। सक्षीमहि। रण्वया। गातुमत्येति गो
तुः। मत्या। आवेशे। क्षेमै। उत। योगे। वरं। नः। यूयं। पात। स्वस्तिमि। शनिस्वस्तिमिः। स
दानः। यत्तव। सायंप्रातरिति सायं प्रातः। अग्निहोत्रमित्यग्निः। होत्रं। जुहोति। आ
हुतीष्टका इत्याहुतिः। इष्टकाः। एवा। ताः। उपेति। धने। १॥ यजमानः। अहोरात्राणि



प० न०
७६

यत्

अथ। वास्तोष्पृतीयमिति वास्तोऽपृतीया जुहोति। उभयौ एवा अकः। अपरिव
र्गमित्यपरिऽवर्गः। एवा एतं। शमयति। यत्र एकया जुहुयात्। दर्वि होममिति
दर्विऽहोमः। कुर्यात्। पुशेनुवाक्यमिति पुरऽअनुवाक्यौ। अनृत्येत्यनुऽउच्य
या ज्यया। जुहोति। सर्वदेवत्वायेति सदेवऽत्वार्या। यत्र हुते। आदध्यादित्याऽ
दध्यात्। रुद्रः गृहान्। अन्वो रोहयेदित्यनुऽआरोहयेत्। अवक्षाणानीत्यव
क्षाणानि। असंप्रक्षायेत्यसं प्रक्षाय्य। प्रयायादिति प्रयायात्। यथा। यज्ञ
देशसमिति यज्ञवेशसे। वा। आदहनेमित्याऽदहनं। वा। तादृक्। एवा तत्र।

११५
७६

अधोनिः। योनिः। कृत्विः। इति। अरण्योः। समारोहयतीति संऽआरोहयति। भा
एषः। वै। अग्नेः। योनिः। स्वि। एवा एतं। योनौ। समारोहयतीति संऽआरोहयति। अ
थो इति। खलु। आहुः। यत्र अरण्योः। समारुद्ध इति संऽआरुद्धः। नश्येत्। उदिति।
अस्या अग्निः। सीदेत्। पुनराधेय इति पुनः। आधेयः। स्यात्। इति। याते। अ
ग्निः। यज्ञिया। तन्तुः। तयो। एति। इहि। एति। रोह इति। आत्मन्। समारोहयति इति
संऽआरोहयते। यजमानः। वै। अग्नेः। योनिः। स्वायां। एवा एतं। योन्यां। समारोह
यतु इति संऽआरोहयते। पा। धत्ते। वाचीनः। स्यात्। समारोहयति। पंचवत्। शिः।

चा॥ १॥ त्वं॥ अग्ने॥ बृहत्॥ वयः॥ दधासि॥ देवा॥ दाश्वये॥ कविः॥ गृह्यति॥ रिति॥ गृह्य
तिः॥ युवा॥ हव्य॥ वाडिति॥ हव्य॥ वाटा॥ अग्निः॥ अज॥ रू॥ पिता॥ नः॥ विभुरिति॥ विभुः॥ वि
भावेति॥ विभावा॥ सुदृशी॥ कृ॥ इति॥ सु॥ दृशी॥ कः॥ अस्मे॥ इति॥ सु॥ गार्हपत्या॥ इति॥ सु॥ गार्
हपत्याः॥ समितिः॥ इत्ये॥ दि॥ दी॥ हि॥ अस्म॥ द्रिय॥ गित्य॥ स्म॥ द्रिय॥ कः॥ समितिः॥ मि॥ नी॥ हि॥
देवा॥ र॥ सि॥ त्वं॥ दा॥ सो॥ मा॥ नः॥ व॥ शः॥ जी॥ वा॥ तु॥ ना॥ म॥ र॥ म॥ हे॥ प्रिय॥ सौ॥ वृ॥ इति॥ प्रिय॥ सौ॥ वृ॥
व॥ न॥ य॥ ति॥ ब्र॥ ह्मा॥ दे॥ वा॥ ना॥ प॥ द॥ वी॥ र॥ इति॥ प॥ द॥ वी॥ रः॥ क॥ वी॥ ना॥ ऋ॥ षिः॥ वि॥ प्रा॥ णा॥ म॥ ह॥ र
नः॥ नः॥ इत्ये॥ नः॥ गृ॥ धा॥ णा॥ स्व॥ धि॥ ति॥ रिति॥ स्व॥ धि॥ तिः॥ व॥ ना॥ ना॥ सो॥ मः॥ ॥ १॥ य॥ वि॥ र॥ अ॥

ना॥ ति॥ ए॥ ति॥ रि॥ म॥ न॥ ए॥ ति॥ वि॥ श्व॥ दे॥ व॥ मिति॥ वि॥ श्व॥ दे॥ वः॥ स॥ त्य॥ ति॥ मि॥ ति॥ स॥ त्व॥ इति॥ स॥
को॥ सु॥ उ॥ त्रै॥ अ॥ द्या॥ वृ॥ णी॥ म॥ हे॥ स॥ त्य॥ वा॥ मिति॥ स॥ त्य॥ स॥ वं॥ स॥ वि॥ तार॥ ए॥ ति॥ स॥ त्ये
नः॥ ॥ १॥ वर्त॥ मानः॥ नि॥ वेश॥ य॥ न्नि॥ ति॥ नि॥ वेश॥ य॥ न॥ अ॥ मृ॥ त॥ म॥ त्य॥ च॥ हि॥ र॥ ण्य॥ ये॥ नः॥
व॥ ता॥ र॥ थ्ये॥ ना॥ ए॥ ति॥ दे॥ वः॥ या॥ ति॥ भु॥ वे॥ ना॥ वि॥ प॥ श्य॥ न्नि॥ ति॥ वि॥ प॥ श्य॥ न॥ य॥ थो॥ ना॥ ॥
दि॥ तिः॥ क॥ र॥ न॥ प॥ श्वे॥ नृ॥ भ्य॥ इति॥ नृ॥ भ्यः॥ य॥ थो॥ ग॥ र्वो॥ य॥ थो॥ तो॥ का॥ य॥ रु॥ द्रि॥ यो॥ मा॥ नः॥ तै
के॥ त॥ न॥ ये॥ मा॥ नः॥ आ॥ यु॥ षि॥ मा॥ नः॥ गो॥ षु॥ मा॥ ॥ १॥ नः॥ अ॥ श्वे॥ षु॥ री॥ षिः॥ वी॥ र॥ न॥
मा॥ नः॥ रु॥ द्रा॥ भा॥ मि॥ तः॥ व॥ धी॥ ह॥ वि॥ षा॥ नः॥ न॥ म॥ सा॥ वि॥ धे॥ मा॥ ति॥ उ॥ द॥ पु॥ न॥ इत्यु॥ द॥ पु॥

प० न०
७८

नः॥ नावयः॥ रक्षमाणाः॥ वावदतः॥ अभियस्याः॥ इव॥ घोषाः॥ गिरिभ्रजः॥ शतैः॥ गिरिभ्रजः॥
जः॥ नाऊर्मयः॥ मदतः॥ बृहस्पतिः॥ अभीतिः॥ अर्कोः॥ अनावनः॥ ह॥ सैः॥ इव॥ सखिभि
रितिसखिभिः॥ वावदद्विरिति वावदतः॥ मिः॥ अश्मन्मयानीत्यश्मन्मयानीति॥ नह
नाः॥ व्यस्यन्निति वि॥ अस्यन्॥ बृहस्पतिः॥ अभिकर्तिकददित्यभिः॥ कर्तिकदत्तगाः॥
उताप्रेति॥ अलौकः॥ उदिति॥ च॥ विद्वान्॥ अगायन्॥ एति॥ इन्द्रासानसि॥ रयि॥ वात्त
जित्वान्मिति स॥ जित्वान्॥ सदा॥ सहमिति सदा॥ सदा॥ वर्षिष्ठा॥ ऊतये॥ भरा॥ प्रेति॥ स
मा॥ हेषा॥ पुरुहूतेति पुरुहूत॥ शत्रून्॥ ज्यैष्ठ्या॥ ते॥ शुभ्रः॥ इह॥ रातिः॥ अस्तु॥ इन्द्रा॥ एति॥

रामः
७८

ति॥ भरा॥ दक्षिणेनावसन्निपातेः॥ सिधूना॥ असिरेवतीना॥ त्व॥ सुतस्य॥ पीतये॥ स
द्य॥ बृह॥ अजायथा॥ इन्द्रा॥ ज्यैष्ठ्याया॥ सुकतो॥ इति सु॥ कतो॥ भुवः॥ त्व॥ इन्द्रा॥ ब्रह्मणा॥
महान्॥ भुवः॥ विश्वेषु॥ सर्वनेषु॥ युद्धिया॥ भुवः॥ नन्॥ व्योहः॥ विश्वस्मिन्॥ भरे॥ ज्ये
ष्टः॥ चामेत्रः॥ धा॥ विश्वचर्षण॥ इति विश्व॥ चर्षणो॥ मित्रस्य॥ चर्षणी॥ धत्त॥ इति चर्ष
णि॥ धर्तः॥ श्रवः॥ देवस्य॥ सानसि॥ सत्य॥ चित्रश्रवस्तममिति चित्रश्रवः॥ तमा॥ मि
त्रा॥ जनाना॥ यातयति॥ प्रजानन्निति प्र॥ जानन्॥ मित्रा॥ दाधारा॥ एथिवा॥ उता॥ द्या
मित्रा॥ कृष्टी॥ अतिमिवेत्यनि॥ मिषा॥ अभीति॥ चरे॥ सत्याय॥ हव्यो॥ धत्त॥ वदिति॥

१०८
१६

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अस्माकं प्रियस्वाम्याय नमः ॥ आदित्यः ॥
नानाहन्वते नानाजीयते त्वोतः नाना एनं अरुहः अश्रोति अंतितः ॥ दूर
तायत्र ॥ ५ ॥ चित्वाहिते विशः यथा प्रेति देवा वरुण वतः मिनीमसिः धविद्य
तिद्यविद्यविद्यति किंचा इह वरुण देव्यं जनीं अस्मिन्नेहमित्यभिद्रोहं
मनुष्याः चरोमसि अचिन्ती यत्र तवाधर्मा युयोपि ममानः तस्मात् एते सः
देवारीरिषः कितवासः यत्र रिपुः नादीविद्यत्राद्यसंख्ये उता यत्र ना
विद्या सर्वा तावीति स्या शिथिरा इवा देवा अर्थात् तस्यां वरुण प्रिया सः ॥

१०८
१६

॥ सोमो गोषुमारयिमं त्रयोयच्छिथिरा सुप्त च ॥ ११ ॥ ॥ विवा आवायो इमे वे
तुम नेभूतानां देवा वाक्ताषा डाष्टका मायदेविका वास्तोष्यते त्वमने बृहदसुर
कोदश ॥ ११ ॥ ॥ विवा इत्याह यथा यनुरैवैतन्मृत्युर्गंधर्वो वरुणं धेत्वमने बृहदसुर
यदुत्वारिः शत्रु ॥ ४६ ॥ ॥ हरिः ओम् ॥ ॥ पूर्णा पुश्वात् उता पूर्णा पुश्वात्
अदिति मध्यतः पौर्णमासीति पौर्णमासी ॥ जिगोया तस्यो देवाः अधीति संवत्
तदिति संवत्तः ॥ उत मइत्युत्तमे नाको इह मादयतां यत्र देवाः अदधुः भा
गधेयमिति भागधेयं अमावास्या इत्यमावास्या संवत्तदिति संवत्तं महि

१०८
१६

प० त०

८०

वस्त्रनि।

ति

त्वमहिःत्वासा। नः यज्ञः॥ विष्टिः विश्ववारः इति विश्ववारः रयिः। नः धेहि। सुभग
इति सुभगे। सुवीरमिति सुवीरः। निवेशनीति निवेशनी। संगमनीति संगमनी।
वस्त्रं। विश्वा। रूपाणि। आवेशयंतीत्यावेशयंती। सहस्रपोषमिति सहस्रपो
षा। सुभगेति सुभगा। रराणा। सा। नः एति। गन्। वस्त्रं। शा। संविदानेति संवि
दः। अग्नीयोमावित्यग्नी। सोमौ। पृथमौ। वीर्येण। वस्त्रं। रुद्रान्। आदित्यान्। इहाजि
वतः। हि। पौर्णमासमिति पौर्णमासः। जुषेथां। ब्रह्मेणा। वृद्धौ। सुकृतेनेति सुकृ
तेन। सातो। अथा। अस्मभ्यमित्यस्मभ्यः। सहवीरमिति सहवीरः। रयिः। नीति।

राम

८०



युष्टं। आदित्याः। च। अंगिरसः। च। अग्नीन्। एति। अदधन्। ति। दर्शपूर्णमासाविति
दर्शपूर्णमासौ। प्रेति। ऐश्वर्यं। तिषी। अंगिरसां। निरुप्तमिति निः। उमा। रुवि। आसीत्।
अथा। आदित्याः। एतौ। होमौ। अपश्यन्। तौ। अनुहुवुः। ततः। वै। ति। दर्शपूर्णमासाविति
दर्शपूर्णमासौ। पूर्वा। एति। अलभेत्। दर्शपूर्णमासाविति दर्शपूर्णमासौ। आल
भमान् इत्यालभमानः। एतौ। होमौ। पुरस्तात्। जुहुयात्। साक्षादिति सः अक्षात्। ए
वा। दर्शपूर्णमासाविति दर्शपूर्णमासौ। एति। लभेत्। ब्रह्मवादिन इति ब्रह्मवादिना। व
दति। सा। तु। वै। दर्शपूर्णमासाविति दर्शपूर्णमासौ। एति। लभेत्। यः। एनयोः। अनुकी

ममित्यनुःश्लोमं। च। प्रतिलोममिति प्रतिःश्लोमं। च। विद्यात्। इति। अमावास्याया इत्य
माऽवास्यायाः। ऊर्ध्वं। तत्। अनुलोममित्यनुःश्लोमं। पौर्णमास्या इति पौर्णमास्ये। प्र
तीतिर्न। तत्। प्रतिलोममिति प्रतिःश्लोमं। यत्। पौर्णमासीमिति पौर्णमासी। पूर्वा।
आलभतेत्याऽलभेता। प्रतिलोममिति प्रतिःश्लोमं। एनौ। एति। लभेता। अमुं। अपूर्वा।
यमाणमित्यपेक्षीयमाणं। अनु। अपेति। आक्षेपेति। सारस्वती। होमौ। पुरस्तात्। च।
दुय्यन्त। अमावास्यायमाऽवास्या। वै। सरस्वती। अनुलोममित्यनुःश्लोमं। एवा। एनौ। एति।
लभेता। अमुं। आचार्यमानमित्याऽचार्यमानं। अनु। एति। ध्यायते। आग्ना वैष्णवमित्या

ग्नाऽद्वैल्लबां एकोदशकपालमित्येकोदशकपालं। पुरस्तात्। निरिति। वृष। स
ख्ये। चरुं। सरस्वते। द्वादशकपालमिति द्वादशकपालं। यत्। आग्नेयः। भवति। अ
ग्निभावो यज्ञमुखमिति यज्ञमुखं। यज्ञमुखमिति यज्ञमुखं। एवा। क्रद्धि। पुरस्तात्।
धत्ते। यत्। वैष्णवः। भवति। यज्ञवै। विष्णुः। यज्ञं। एवा। आरभ्येत्याऽरभ्ये। पेति। तनुते।
सरस्वत्यै। रुचेः। भवति। सरस्वते। द्वादशकपाल इति द्वादशकपालः। अमावास्याय
माऽवास्या। वै। सरस्वती। पूर्णमास इति पूर्णमासः। सरस्वात्। तौ। एवा। साक्षादिति।
सऽअक्षात्। एति। रत्नते। क्रधाति। आभ्यां। द्वादशकपाल इति द्वादशकपालः। स

रखते। भवति। मिथुनत्वायेति मिथुनः स्वाय। प्रजात्या इति प्रजात्यै। मिथुनो गवौ।
दक्षिणा। समेध्या इति संक्रध्यै॥४॥ वर्चसा वै ते दर्शपूर्णमासावपनतुर्न स रस्वत्ये
पंचविंशतिश्च॥१॥ ऋषयः वै। इदं। प्रत्यक्षमिति प्रतिः अक्षैः। ना। अपश्यन्तां। व
सिष्ठः। प्रत्यक्षमिति प्रतिः अक्षैः। अपश्यत्। सः। अब्रवीत्। ब्राह्मणं। ति। वक्ष्यामि। य
था। त्वत्पुत्रो हिता इति त्वत्पुत्रो हिताः। प्रजा इति प्रजाः। प्रजनित इति प्रजनिष्य
तः। अथा। मा। इति रभ्यः। ऋषिभ्य इत्यृषिभ्यः। मा। प्रेति। बोचः। इति। तस्मै। एताव
त्सोमभागानिति सोमः भागात्। अब्रवीत्। ततः। वसिष्ठपुत्रो हिता इति वसिष्ठपुत्रो

हिताः। प्रजा इति प्रजाः। प्रेति। अजायन्त। तस्मात्। वासिष्ठः। ब्रह्मा। कार्यः। नेति। एत
जायते। रस्वति। असि। क्षयाया। त्वा। क्षयः। जिन्वा इति। आ। आह। देवाः। वै। क्षयः। दे
वभ्यः। एवा। यज्ञं। प्रेति। आह। प्रेतिरिति प्रः इति। असि। धर्मीया। त्वा। धर्मः। जिन्वा। इ
ति। आह। मनुष्याः। वै। धर्मः। मनुष्येभ्यः। एवा। यज्ञं। प्रेति। आह। अन्विति रित्यनुः
इति। असि। दिवे। त्वा। दिवा। जिन्वा इति। आह। एभ्यः। एवा। लोकेभ्यः। यज्ञं। प्रेति। आ
ह। विष्टभ इति विष्टभः। असि। दृष्ट्यै। त्वा। दृष्टि। जिन्वा इति। आह। दृष्टि। एवा। अ
वेति। आ। रुंधे। प्रवेति प्रः वा। असि। अनुवेत्यनुः वा। असि। इति। आह। मिथुनत्वा

येति मिथुनः स्वायं। उशिकु। असि। वसुभ्य इति वसुभ्यः। त्वा। वसन्तः। जित्वा। इति। आह। अष्टौ। वसवः। एकोदशः। रुद्रः। द्वादशः। आदित्याः। एतावन्तः। वै। देवाः। तेभ्यः। एवायुर्ज्ञा। प्रेति। आह। ओजः। असि। पितृभ्य इति पितृभ्यः। त्वा। पितृन्। जित्वा। इति। आह। देवान्। एव। पितृन्। अनु। समिति। तनोति। तंतुः। असि। प्रजाभ्य इति प्रजाभ्यः। त्वा। प्रजा इति प्रजाः। जित्वा। आ। इति। आह। पितृन्। एव। प्रजा इति प्रजाः। अनु। समिति। तनोति। एतन्नायादा। असि। पशुभ्य इति पशुभ्यः। त्वा। पशून्। जित्वा। इति। आह। प्रजा इति प्रजाः। एव। पशून्। अनु। समिति।

तनोति। रेवन्। असि। ओषधीभ्य इत्योषधिभ्यः। त्वा। ओषधीः। जित्वा। इति। आह। ओषधीषु। एव। पशून्। प्रतीति। स्थापयति। अमिजिदित्यमिजित्वा। असि। युः। ग्रावेति युक्तः। ग्रावा। इंद्रया। त्वा। इंद्रः। जित्वा। इति। आह। अमिजित्यमिजित्वा। अधिपतिरित्यधिपतिः। असि। प्राणायति प्रः। अनार्यात्वा। प्राणमिति प्रः। अनं। आ। जित्वा। इति। आह। प्रजास्विति प्रजासु। एव। प्राणानिति प्रः। अनान्। दधाति। त्रिदिति त्रिदन्। असि। प्ररुदिति प्ररुदन्। असि। इति। आह। मिथुनः। स्वायं। मिथुनः। स्वायं। सः। रोह इति सः। रोहः। असि। नीरोह इति निः। रोहः।

असिः इति आहुः प्रजात्या इति प्रजात्यै। वसुकः असिः वेषश्चिरिति वेषः श्रिः
असिः वस्यष्टिः असिः इति आहुः प्रतिष्ठित्यो इति प्रतिष्ठित्यै॥ ५॥ जिन्येत्यव
प्रजाजिन्यपाणं त्रिश्रवां॥ १॥ अग्निना देवेनाः एतनाः जयामि गायत्रेण। छंद
सा त्रिवृतेति त्रिवृताः। सोमैनाः स्थुतुरेणेति स्थुतुरेणाः। साम्नाः वषट्कारेणेति
वषट्कारेणाः। वज्रेणाः पूर्वजानिति पूर्वजान्। भ्रातृव्यान्। अचारान्। पादयामि
अवेति। एनान्। बाध्यां प्रतीति। एनान्। नृदे। अस्मिन्क्षये। अस्मिन्भूमि
लोक इति भूमिः। लोकायः। अस्मान्। छेष्टे। यांचावयं। द्विष्मः। विजोः। क्रमेण।

रामः
८

जतीति। एनान्। कामामि। इंद्रेण। देवेनाः एतनाः जयामि। त्रैदुमेन। छंदसाः।
पृथुदशेनेति पंचदशेनाः। सोमैनाः वृहताः। साम्नाः वषट्कारेणेति वषट्कारे
णाः। वज्रेणाः॥ १॥ सहजानिति सहजान्। विश्वेभिः। देवेभिः। एतनाः जयामि।
जागतेन। छंदसाः। सप्तदशेनेति सप्तदशेनाः। सोमैनाः वामदेव्येनेति वामदे
व्येनाः। साम्नाः वषट्कारेणेति वषट्कारेणाः। वज्रेणाः। अपरजानित्यपरजान्।
इंद्रेण। सयुज इति सयुजः। वयं। सासह्याम। एतन्यतः। घ्नंतः। वृत्राणि। अप्रति
यत्। अग्नेः। तेजः। तेनाः अहतेजस्वी। भूयांस। यत्वाते। अग्नेः। वर्चः। तेनाः अहव
ते



प. त.
८५

चस्वी। भूयासां यताते। अग्ने। हरे। तिन। अहं। हरस्वी। भूयासां॥ ३॥ हृतासां मा व
षट्कारेण वज्रेण षट्चेत्वारिंशच्च॥ ३॥ आये। देवाः। यज्ञं हनन्ति यज्ञं हनः। यज्ञ
मुष इति यज्ञः मुषः पृथिव्या। अधीति। आसते। अग्निः। मा। तेभ्यः। रक्षतु। गच्छे
मा। सुकृत इति सुकृतः। वयं। एति। अगन्मा। मित्रावरुणेति मित्रावरुणा। वरेण्या।
रात्रीणां। भागः। युवयोः। यः। अस्ति। नाकं। गृह्णानां। सुकृतस्येति सुकृतस्य। लो
को। तृतीयो। पृष्ठो। अधीति। रोचने। दिवः। ये। देवाः। यज्ञं हनन्ति यज्ञं हनः। यज्ञमु
ष इति यज्ञः मुषः। अंतरिक्षे। अधीति। आसते। वायुः। मा। तेभ्यः। रक्षतु। गच्छे। मा।

राम
८

सुकृत इति सुकृतः। वयं। याः। ते। रात्रीः। सवितुः॥ १॥ देवयानीरिति देवयानीः।
अंतरा। द्यावापृथिवी इति द्यावापृथिवी। वियंतीति वियंति। गृहे। चा। सवै।
प्रजयेति प्रजया। नु। अग्रे। सुवः। रुहोणाः। तरुता। रजाः। सि। ये। देवाः। यज्ञं हनन्
ति यज्ञं हनः। यज्ञमुष इति यज्ञः मुषः। दिवः। अधीति। आसते। सूर्यः। मा। तेभ्यः।
रक्षतु। गच्छे। मा। सुकृत इति सुकृतः। वयं। येन। इन्द्राया। समभर इति समभरा। प
योः। सि। उन्नमेनेत्युत्तमेने। हविषा। जातवेद इति जातवेदाः। तिन। अग्ने। त्वं
उत्तावरुण। इमां। सजातानां। मितिसंजातानां। श्रेष्ठो। एति। धेहि। एनां। यज्ञं हनन्



प० तृ०
७६

नियज्ञः हनः। वै। देवाः। यज्ञमुष इति यज्ञः मुषः॥३॥ संति। ने। एषु। लोकेषु। आ
सते। आददाना इत्याददाना। विमथाना इति विमथाना। यः। ददाति। यः।
यजेति। तस्या। ये। देवाः। यज्ञः हनः इति यज्ञः हनः। पृथिव्या। अधीति। आसते। ये।
अंतरिक्षे। ये। दिवा इति। आह। इमान्। एव। लोकान्। तीर्त्वा। सगृह इति सगृहः।
संपशुरिति संपशुः। सुवर्गमिति सुवर्गः। लोकं। एति। अपेति। वै। सोमना। इजा
नात्। देवता। च। यज्ञः। च। क्रामति। आग्नेयं। पंचकपालमिति पंचकपालं।
उदवसानायमित्युतः। अवसानाय। निरिति। वपेत्। अग्निः। सर्वाः। देवताः॥३॥

समः
७६

पांक्तः। यज्ञः। देवताः। च। एव। यज्ञः। च। अवेति। रुंधो। गायत्रः। दिः। अग्निः। गायत्रं
दा इति गायत्रं छंदाः। तां। छंदसा। वीति। अर्हयति। यत्र। पंचकपालमिति पंच
कपालं करोति। अष्टकपाल इत्यष्टकपालः। कार्यः। अष्टाक्षरेत्यष्टाक्षराः।
गायत्री। गायत्रः। अग्निः। गायत्रं दा इति गायत्रं छंदाः। खने। एव। एनां। छंदसा।
समिति। अर्हयति। पृथ्वी। याज्यानुवाक्य इति याज्याः अनुवाक्यैः। भवेतः। पांक्तः।
यज्ञः। तेन। एव। यज्ञात्। ना। एति॥३॥ सविर्देवाय यज्ञमुषः। सर्वाः। देवताः। स्विचत्वारि
शच्च॥३॥ सूर्यः। मा। देवः। देवेभ्यः। पातु। वायुः। अंतरिक्षात्। यजेमानः। अग्निः। सा।

प० न०
८७

यातुः चक्षुषः सक्षः श्रवः सवितः विश्वचर्षण इति विश्वचर्षणे। एतेभिः सोमना
मेभिरिति नामः भिः विधेमाते। तेभिः सोमना मेभिरिति नामः भिः विधेमाते। अहं
पुरस्तात् अहं अवस्तात् अहं ज्योतिषा। वीति। तमः। बवार। यत् अंतरिक्षा। तत्
उमे। पिता। अभूत् अहं सूर्यः। उभयतः। ददर्श अहं सूर्यासे। उत्तम इत्युत्तमः।
समानना। १॥ एति। समुद्रात् एति। अंतरिक्षात्। प्रजापतिरिति प्रजापतिः। उदधि
मित्युदधि। व्यावयाति। इन्द्रः। प्रेति। सौतु। मरुतः। वर्षयंतु। उदिति। नंभुया। पृथिवी।
भिंधि। इन्द्रादिव्या। नभः। उद्गः। दिव्यस्यानः। देहि। इक्षानः। वीति। सृजः। दत्ता। यशवः।

रा०
८७

वि। एते। यत् आदित्यः। एषः रुद्रः। यत् अग्निः। ओषधीः। पात्येति पश्या। अतो
आदित्यं जुहोति। रुद्रात् एवापश्यत् अतः। दधाति। अथोदति। ओषधीषु। एवा
पश्यत्। २॥ प्रतीति। स्थापयति। कविः। यज्ञस्या। वीति। तनोति। पंथा। नाकस्या। पृथे।
अधीति। रचनोदिवः। येन। रुद्र्या। बहसि। यासि। इतः। इतः। प्रचेता इति प्रचेताः। अ
मृतः। सनीयान्। याः। ते। विश्वोः। समिधु इति संश्लेषः। संति। अग्ने। याः। पृथिव्या। न
हिषि। सूर्ये। याः। ताः। ते। गच्छन्तु। आहुतिमित्याहुतिः। घृतस्या। देवायत इति देवः। य
ति। यजमानाया। शर्म। आशा। सोन इत्याशा। सोनः। सुवीर्यमिति सुवीर्यं। रायः। पोषा।

प० न०
८८

स्वश्चियमिति सुः अश्विया बहुस्यतिना राया स्वगा हेतु इति स्वगाः कृतः मह्यं यज
मानायानिष्ठः ॥ ३ ॥ समानानामोषधीष्वेव पशून्मह्यं यजमानान्येकैवापासमिति
त्वानह्यामि पर्यसा घृतेनासमिति त्वानह्यामि अपः ओषधीभिरित्योषधिः
भिः समिति त्वानह्यामि प्रजयेति प्रजयो अहं अद्य सा दीक्षिता सनवः वा
जौ अस्मे श्विपेति एतु ब्रह्मणः पत्नी वेदिं वर्णेनासीदतु अथ अहं अनुका
मिनीत्यनुकामिनी स्वलोको विशो इह सुप्रजस इति सुप्रजसः त्वा वयं सु
पत्निरिति सुपत्नी उपेति सेदिमा अग्ने सपत्नं दर्भनमिति सपत्नं दर्भनं अ

रायः
८८

स दद्यासः अदाभ्या इमा वीति स्यामिवरुणस्यापाशः ॥ १ ॥ यः अर्धधीता सविता
सुकेत इति सुकेतः धातुः चायोनौ सुकृतस्येति सुकृतस्य लोके स्योनं मे सह
यत्या करोमि प्रिति इति इह उदेहीत्युतः एहि कृतस्य वामी अन्विति अग्निः
ते अग्नौ नयतु अदिति मर्ध्या ददतां रुद्रावसृष्टेति रुद्रः अवसृष्टा असि युवा
नामा मा मा हि सीः वसुभ्य इति वसुभ्यः रुद्रेभ्यः आदित्येभ्यः वा देवेभ्यः पु
न्रे जनीरिति पत्नः नेजनी गृह्णामि यहाय वः पत्ने जनीरिति पत्नः नेजनी सा द
यामि विश्वस्याते विश्वावत इति विश्वेऽवतः वृक्षयावत इति वृक्षियः वतः ॥ १ ॥

विष्णवे



पं० नं०
८९

तवा अग्नेवाग्नीः। अन्विति। संहृतीति संहृतिः। विश्वा रेताः। सि। धिषीया। अग्ने
न। देवान्। यज्ञः। नीति। देवीः। देवेभ्यः। यज्ञः। अशिषन्। अस्मिन्। सुन्वति। यज्ञे
माने। अशिषइत्याः शिषेः। स्वाहा कृता इति स्वाहा कृता। समुद्रेष्ठा इति समुद्रेः
स्वाः। गंधर्वा एति। तिष्ठत। अनु। वातेस्यापत्नम्। इडः। ईडिताः। शूपां हस्ति
यावतस्त्रिंशच्च। द्वावषट्कार इति षष्ठ्यङ्कारः। वै। गायत्रियै। शिरे। अक्षिनुत
तस्यै। रसेः। परेति। अपूर्णतः। सः। पृथिवी। मेति। अविश्रुताः। सः। खदिरः। अगवतः।
यस्याः। खादिरः। कृवः। भवेति। घदसा। एवा। रसेना। अवैति। द्याति। सरसा इति सः

रमः
८९

रसाः। अस्याः। आहुतय इत्याहुतयः। भवति। तृतीयस्याः। इतः। दिवि। सोमः। आ
सीत्। तं। गायत्री। एति। अहरत्। तस्याः। पूर्णः। अच्छिद्यत। तत्। पूर्णः। अभवत्। त
त्। पूर्णस्याः। पूर्णत्वमिति। पूर्णः। त्वं। यस्याः। पूर्णमयीति। पूर्णः। मयी। जुहूः। ११। भवति।
सोम्याः। अस्याः। आहुतय इत्याहुतयः। भवति। जुषन्ते। अस्याः। देवाः। आहुतीरि
त्याहुतीः। देवाः। वै। ब्रह्मन्। अवदन्। तत्। पूर्णः। उपैति। अश्रुताः। सुश्रवा इति
सुश्रवाः। वौनाम। यस्याः। पूर्णमयीति। पूर्णः। मयी। जुहूः। भवति। नापां। श्लोकं।
श्रुताः। विद्वान्। मरुतः। अन्ते। विद्वान्। मरुतः। अश्रुतः। यस्याः। पूर्णम



प० त०
९०

यीति पर्णः मयी। जुहूः भवेति। आश्वत्थी। उपभृदित्युपभृत् ब्रह्मणा। एवा। अन्तः अ
वेति। रुंधे। अथोदति। ब्रह्म। ॥ ३॥ एवा। विशि। अधीति। ऊहति। राष्ट्रं वै। पूर्णः। विरा। अ
श्वत्थः। यत्तु। पर्णः मयीति पर्णः मयी। जुहूः भवेति। आश्वत्थी। उपभृदित्युपभृत्
राष्ट्रं। एवा। विशि। अधीति। ऊहति। प्रजापतिरिति प्रजाः स्यति। वै। अजुहोत्। सा। य
त्रे। आहुतिरिति। आहुतिः। प्रतिल्येषदिति प्रति। अतिष्ठत्। तर्तः। विकंकत इति वि। कंक
तः। उदिति। अतिष्ठत्। तर्तः। प्रजा इति प्रजाः। असृजत्। यस्या। वैकंकती। ध्रुवा। भ
वेति। प्रतीति। एवा। अस्या। आहुतय इत्याहुतयः। तिष्ठति। अथोदति। प्रतीति। एवा। ज

रामः
९०

युते। एतत्तु। वै। सूचा। रूपा। यस्या। एव। रूपा इत्येवं। रूपाः। सूचः। भवेति। सर्वोऽपि।
एवा। एतः। रूपाणि। पभृत्। उपेति। तिष्ठते। न। अस्या। अपे। रुपमित्यपे। रूपा। आत्मत्वा
जायते। ॥ ३॥ जुहूः। यो। ब्रह्म। सूचा। सुप्तदेशचा। गा। उपया। मर्ग। हीत इत्युपया। मः। गृही
तः। असि। प्रजापतय इति प्रजाः स्यतये। त्वा। ज्योतिष्मते। ज्योतिष्मते। गृह्णामि। दक्षा
या। दक्ष इति दक्ष इत्येवं। राते। देवेभ्यः। अग्निजिह्वेभ्य इत्यग्निः। जिह्वेभ्यः। त्वा। क
तायुभ्य इत्येतायुःभ्यः। इन्द्रज्येष्ठेभ्य इतीन्द्रः। ज्येष्ठेभ्यः। वरुणराजभ्य इति वरुणराजः
भ्यः। वातापिभ्य इति वातापिभ्यः। पर्जन्यात्मभ्य इति पर्जन्यात्मभ्यः। दिवे। त्वा। अत



रिक्षायत्वा। सधिव्यै। त्वा। अपेति। इन्द्र। दिवतः। मनः। अपेति। जिज्यासतः। जहि।
अपेति। यः। नः। अराती। यति। तं। जहि। प्राणायेति प्रः अनाय। त्वा। अपानायेत्ये
यः अनाय। त्वा। व्यानायेति विः अनाय। त्वा। सुते। त्वा। असते। त्वा। अश्व इत्यत्र
भ्यः। त्वा। ओषधीभ्य इत्योषधिभ्यः। विश्वेभ्यः। त्वा। भूतेभ्यः। यतः। प्रजा इति प्रः जाः।
अखिद्राः। अजायंता। तस्यै। त्वा। प्रजापतय इति प्रजाः पतये। विभूत इति वि
भुः दात्रैः। ज्योतिष्मते। ज्योतिष्मन्तं। जुहोमि॥१॥ ओषधीभ्यश्चतुर्दशचा। णाया
वै। अध्वर्युः। चा। यजमानः। चा। देवता। अतिरित इत्यंतः इतुः। तस्यै। एति। इत्येति

इति। प्राजापत्यमिति प्राजाः पत्यः। दधिग्रहमिति दधिः ग्रहं। गृहीयात्। प्रजापति
इति प्रजाः पतिः। सर्वाः देवताः। देवताभ्यः। एवा। नीति। द्रुवाते इति। ज्यैष्ठ्यः। वै। एषः।
यहोणा। यस्या। एषः। गृह्यते। जैष्ठ्या। एवा। गच्छति। सर्वासां वै। एतत्। देवतानां। रूपा
यत्र। एषः। ग्रहः। यस्या। एषः। गृह्यते। सर्वाणि। एवा। एनं। रूपाणि। पृथुतां। उपेति। ति
छते। उपयामगृहीत इत्युपयामः गृहीतः॥१॥ अक्षि। प्रजापतय इति प्रजाः पतये।
त्वा। ज्योतिष्मते। ज्योतिष्मन्तं। गृह्णामि। इति। आह। ज्योतिः। एवा। एनं। समानानां।
करोति। अग्निजिह्व इत्यग्निः जिह्वेभ्यः। त्वा। क्रतायुभ्य इत्युतायुःभ्यः। इति



प० न०
९२

आहु। एतावेतीः। वैदेवताः। ताभ्यः। एवा। एनं। सर्वाभ्यः। गृह्णीति। अपेति। इद्र। द्विषतः।
मनेः। इति। आहु। भ्रातृव्यापनुत्या। इति। भ्रातृव्यः। अनुपेत्ये। प्राणायेति। प्रः। अनायः।
त्वा। अपानायेत्यपः। अनायः। त्वा। इति। आहु। प्राणानिति। प्रः। अनात्। एवा। यजमा
नादधाति। तस्मै। त्वा। प्रजापतयु। इति। प्रजाः। पतये। विभूदाब्र। इति। विभुः। दात्रे। ज्यो
तिष्मते। ज्योतिष्मंतं। जुहोमि॥ २॥ इति। आहु। प्रजापतयु। इति। प्रजाः। पतिः। सर्वाः।
देवताः। सर्वाभ्यः। एवा। एनं। देवताभ्यः। जुहोति। आज्यगृहमित्याज्यग्रहं। गृह्णी
यात्। तेजस्कामस्येति। तेजः। कामस्यातेजः। वै। आज्यं। तेजस्वी। एवा। भवति। सो

रामः
९२

मृगहमिति। सोमः। मृहं। गृह्णीयात्। ब्रह्मवर्चसकामस्येति। ब्रह्मवर्चसः। कामस्याब्रह्म
वर्चसमिति। ब्रह्मवर्चसं। वै। सोमः। ब्रह्मवर्चसीति। ब्रह्मवर्चसी। एवा। भवानि। दधिगृ
हमिति। दधिः। मृहं। गृह्णीयात्। पशुकामस्येति। पशुः। कामस्य। ऊर्कः। पशवै। दधिः। ऊ
र्कः। पशवः। ऊर्जा। एवा। अस्मै। ऊर्जा। पशुत्वा। अवेति। रुंधे॥ ३॥ उपयामगृहीतो जुहो
मिन्निचत्वा। रिशश्चा॥ ४॥ त्वे। इति। क्रतुं। अपीति। वृंजति। विष्वै। द्विषयत्। एते॥ ५॥
भवति। ऊर्जाः। स्वाहोः। स्वादीयः। स्वाहुना। मृजः। समिति। अतः। उ। खिति। मधु। मधु
ना। अभीति। योधि। उपयामगृहीतः। इत्युपयामः। गृहीतः। असि। प्रजापतयु। इति

प्रजाः पतयेत्वा। चक्षुः। गृह्णामि। एषः। ति। योनिः। प्रजापतयु इति प्रजाः पतयेत्वा। प्रा
णगृह्णानिति प्राणः गृह्णात्। गृह्णानिति। एतावत्। वै। अस्ति। यावत्। एते। ग्रहाः। सोमः।
छंदोः। सि। एष्टानि। दिशः। यावत्। एवा। अस्ति। तत्। १॥ अवेति। रुंधे। ज्येष्ठाः। वै। एता
न्। ब्राह्मणाः। पुरा। विद्वाः। अकृत्। तस्मात्। तेषां। सर्वाः। दिशः। अभिजित्। इत्यु
जिताः। अभूवन्। यस्य। एते। गृह्यन्ते। ज्येष्ठाः। एवा। गृह्णन्ति। अमीति। दिशः। तेषां।
पंच। गृह्यन्ते। पंच। दिशः। सर्वाः। सु। एवा। दिक्। कृधुवन्ति। नवन्वेति। नवन्वेति। गृह्य
न्ते। नव। वै। पुरुषे। प्राणा इति प्रः अनाः। प्राणानिति प्रः अनात्। एवा। यजेमाने।

रसः
९३

दधति। प्रायुणीयु इति प्रः अयनीये। चा। उदयनीयु इत्युत्। अयनीये। चा। गृह्यन्ते। भि
या इति प्रः अनाः। वै। प्राणगृह्णानिति प्राणः गृह्णात्। १॥ प्राणैरिति प्रः अने। एव। पु
नीति प्रः स्यन्ति। प्राणैरिति प्रः अने। उदिति। यति। दशमे। अहने। गृह्यन्ते। प्राण इति
प्रः अनाः। वै। प्राणगृह्णानिति प्राणः गृह्णात्। प्राणैरिति प्रः अनेभ्यः। खलु। वै। एतत्।
प्रजा इति प्रः जाः। यति। यत्। वामदेव्यमिति वामदेव्यं। योने। च्यवते। दशमे। अहने।
वामदेव्यमिति वामदेव्यं। योने। च्यवते। यत्। दशमे। अहने। गृह्यन्ते। प्राणैरिति प्रः
अनेभ्यः। एवा। तत्। प्रजा इति प्रः जाः। नायति। ३॥ ॥ तत्राणगृहः। समन्त्रिः।



प० तृ०
९४

चा॥१॥ प्रेति॥ देवा॥ देव्या॥ धिया॥ भरता॥ जातवेदसमिति॥ जातवेदसं॥ हव्या॥ नु॥
वक्षता॥ आनुषका॥ अयं॥ उ॥ स्या॥ प्रेति॥ देवयुरिति॥ देवस्यु॥ हुता॥ यज्ञाय॥ नीयुता॥
रथो॥ ना॥ यो॥ अ॥ मी॥ र्वत॥ इत्यु॥ मि॥ श्रुतः॥ घृणी॥ वान्॥ चेत॥ ति॥ त्मना॥ अ॥ यं॥ अ॥ग्निः॥ उ॥
रु॥ ह्य॥ ति॥ अ॥ मृ॥ ता॥ त्वा॥ इ॥ वा॥ ज॥ त्म॥ नः॥ स॥ ह॥ सः॥ चि॥ त्वा॥ स॥ ह॥ या॥ न॥ दे॥ वः॥ जी॥ वा॥ त॥ वे॥ ह॥
तः॥ इ॥ डी॥ याः॥ त्वा॥ पु॥ दे॥ व॥ यं॥ ना॥ मा॥ पृ॥ थि॥ व्याः॥ अ॥ धि॥ जा॥ त॥ वे॥ द॥ इ॥ ति॥ जा॥ त॥ वे॥ दः॥ नी॥
ति॥ धी॥ म॥ हि॥ अ॥ग्ने॥ ह॥ व्या॥ य॥ वो॥ द॥ वे॥ ॥ १॥ अ॥ग्ने॥ वि॥ श्वे॥ मि॥ स्व॥ नी॥ के॥ ति॥ सु॥ अ॥ नी॥ क॥
दे॥ वै॥ ऊ॥ र्णा॥ व॥ न॥ मि॥ त्पू॥ र्णा॥ व॥ न॥ प्र॥ थ॥ मः॥ सी॥ दा॥ यो॥ नी॥ कु॥ ला॥ यि॥ नी॥ घृ॥ त॥ व॥ न॥ मि॥ ति॥

रामः
९४



घृ॥ त॥ व॥ न॥ स॥ वि॥ त्रे॥ य॥ ज्ञा॥ न॥ य॥ य॥ ज॥ मा॥ ना॥ य॥ सा॥ धु॥ सी॥ दा॥ हु॥ ता॥ स्वे॥ उ॥ लो॥ के॥ चि॥ त्वा॥
त्वा॥ सा॥ द॥ र्या॥ य॥ ज्ञा॥ सु॥ कृ॥ त॥ स्ये॥ ति॥ सु॥ कृ॥ त॥ स्ये॥ यो॥ नौ॥ दे॥ वा॥ वी॥ रि॥ ति॥ दे॥ वः॥ अ॥ वी॥ दे॥
वान्॥ ह॥ वि॥ या॥ य॥ ज्ञा॥ सो॥ अ॥ग्ने॥ बृ॥ ह॥ त्वा॥ य॥ ज॥ मा॥ ने॥ व॥ र्यः॥ धा॥ नी॥ ति॥ हु॥ ता॥ हु॥ तृ॥ षे॥
द॥ न॥ इ॥ ति॥ हो॥ तः॥ स॥ दे॥ ने॥ वि॥ दा॥ नः॥ त्वे॥ षः॥ वी॥ दि॥ वा॥ न्॥ अ॥ स॥ द॥ त्वा॥ सु॥ द॥ ह॥ इ॥ ति॥ सु॥ द॥ सः॥
अ॥ द॥ व्य॥ व्र॥ त॥ प्र॥ म॥ ति॥ रि॥ त्व॥ द॥ व्य॥ व्र॥ तः॥ प्र॥ म॥ ति॥ व॥ सि॥ षः॥ स॥ ह॥ स्वे॥ भ॥ र॥ इ॥ ति॥ स॥ ह॥ स्वे॥ भ॥
रः॥ शु॥ चि॥ जि॥ ह॥ इ॥ ति॥ शु॥ चि॥ जि॥ ह॥ अ॥ग्निः॥ त्वा॥ दू॥ तः॥ त्वा॥ शा॥ उ॥ ना॥ पर॥ स्या॥ इ॥ ति॥ प॥
र॥ स्याः॥ त्वा॥ व॥ र्यः॥ ए॥ ति॥ ह॥ व॥ म॥ प्र॥ णे॥ ते॥ ति॥ प्र॥ ज्ञे॥ ता॥ अ॥ग्ने॥ तो॥ क॥ स्यः॥ नः॥ ते॥ ने॥ त॥ न॥

प० न०
९५

नी। अग्रयुक्तनित्यप्रस्युक्तदीर्घत। बोधि। गोपा इति गोऽपाः। अमीति।
त्वा। देव। सवितः। ईशानं वार्योणां। सदा। अवन्त। भागं। ईमहे। मही। द्यौः। पृ
थिवी। चानः। ईमं। युज्ञं। मिमिक्षतां। पिष्टतां। नः। भरीममिरिति भरीमः भिः।
त्वा। अग्ने। पुष्करात्। अधीति। अथर्वा। निरिति। अमंथत। मूर्ध्नि। विश्वस्य।
वाद्यतः। तं। उ। आत्वा। दध्यङ्। ऋषिः। पुत्रः। ईधे। अथर्वणः। वृत्रहणमिति
वृत्रहन्। पुरं। रमिति पुरं। दूरं। तं। उ। आत्वा। पाथ्यः। वृषा। समिति। ईधे। दस्यु
हन्तममिति दस्युहन्तमं। धनं। जयमिति धनं। जयं। रणैरणा इति रणैः रणैः।

रामः
९५

२२।

उत। ब्रुवन्तु। जंतवः। उदिति। अग्निः। वृत्रहति वृत्रहा। अजनि। यनं। जय इति
धनं। जयं। रणैरणा इति रणैः रणैः। एति। य्यं। हस्ते। नारकादिनां। शिथं। जात
ता। बिभ्रति। विशां। अग्निं। स्वध्वरमिति सुअध्वरं। प्रेति। देवं। देववीतय इति
तिदेवः। वीतये। भरता। वसुवित्तममिति वसुवित्तं। त्मं। एति। स्वा। योनौ। नी
ति। सादतु। एति। धा। जातं। जातवैदसीति जातवैदसी। प्रियां। शिशूनु। अ
तिथिं। स्योने। एति। गृहपतिमिति गृहपति। अग्निना। अग्निः। समिति। इ
ध्यते। कविः। गृहपतिरिति गृहपतिः। युवा। हव्यवाडिति हव्यवाद्। जुद्धा

प० न०
९६

स्य इति जुहूः आस्यः त्वं हि अग्ने अग्निना विप्रः विप्रेणा सन् सता स
खा सख्याः समिध्य स इति सं इध्यसे तं मर्जयन्ता मुक्तुमिति सुः कर्तुं
पुरो यादो नुमिति पुरः यावतां आजिषु स्वेषु क्षयेषु वाजिनं यद्वेनाय
ज्ञं अयजन्ता देवाः तानि धर्माणि प्रथमानि आसन्तांते हानां कामहि
मानः संचन्ते यत्रा पूर्वा साध्याः सन्ति देवाः ॥ ५ ॥ ॥ वो देवदूतस्त्वेन
मुसीदन्नायत्र चत्वारिचा ॥ ११ ॥ ॥ पूर्ण ष्यो ग्निना देवेन यदेवाः स
यो मा सत्त्वा न ह्यामिव षट्पदः स खदि खेपया मगृहीतो सिया वै त्वेन ॥ ५ ॥

रा

प० न०
९७

देवमेकादश ॥ ११ ॥
श्रुता ॥ ६ ॥

॥ पूर्णा सहजास्तवानिवाग्मी प्राणैरेव षट्पदः ॥
॥ शुभमेक ॥ ॥ श्रीरक्तमस्त ॥



रामः
९७



ब.म.भा.सं. ३२२५२



Indira Gandhi National
Centre for the Arts

सं.सं.सं. ३२२५३

अनंतमहामानंदस्य सं. १९३३
॥पदेचतुर्थीष्टकप्रारम्भः॥



॥५॥



विष्णोः अत्राः न संविदा नो एति वा जिघर्षि व वंसा घृतेन। असं संसा मनसा ततः।
 नुषस्वामय श्रीरिति मयः श्रीः। स्पृहय हं पति स्पृहय तं वृषः। अग्निः। ना अग्निं नृ
 इत्येभिः नृणां ननु वा। न हं पाणः पशति वा ज पति रिति वा जः पतिः। इति। अग्निः। ह्य
 मि अक्रमीत हयतारजानि। शुश्रूषे पशति वा। अग्ने पुरा वयं विप्रो सह स्वाधीमहि। धृषद
 र्णमिति धृषतं वृषं। दिवो हव इति दिवो दिवो जे नारा भगुर वत इति भेगुर वतः। नो अग्ने।
 धूमिरिति धुः मिः। हो आधु नु सापः। हो अह इत्येतः भ्यः। हो अक्रमे नो पशतो वनेनः।
 त्यो। ओषधी आहो त्या धीः भ्यः। हो नृणां नृपत इति नृः पतिः। जायसे शुचिः॥५॥ प्र
 वन्त्स र्यस्य तिष्ठ जिघर्षि जे नारं वि॥ अतिश्र॥ रा देवस्य। हो सवितुः। धृषद इति धृः स
 वो अश्विनोः। हो ह्यमिति वाहुः भ्याः पूछः। हस्ताभ्याः धृष्टिभ्याः संधस्व इति संधः स्वि॥३॥



अग्निः पुरा षा। अगिरस्वतः। स्वनामि ज्योतिष्मते। हो। अग्ने। सुप्रतीकमिति सुः प्रतीकः। अज
 खेपा नानु नो दीर्घो नो। त्रि वां प्रजा अ इति प्रः जाभ्यः। अतिः सतः। धृष्टिभ्याः संधस्व इति स
 धः स्वि। अग्निः पुरा षा। अहिरस्वतः। स्वनामि। अपो। धृष्टो। आसि। सप्रथा इति सः प्रथा। उरा
 अग्निः। नरिष्यत। अपरा वपि धृमि सपराः वपि धं। वं हं मानं। महः। रतिः। न पुष्परादिः। मा
 त्रया। वरिणा। प्रथस्वाशमे। नृः स्विः॥१॥ वयो। नृः स्विः। अहिरस्व इति वृहदेः इति उने इति। य
 वस्वती इति। समिति। व सधा। सने। अग्निः पुरा षा। समिति। व सधा। सु वरि देति सुवः
 विहा। समीचीः इति उरसा। अनी। अग्निः। अतः। नरिष्यतीः इति ज्योतिष्मते अजस्व
 इति पुरा षा। आसि। विश्व भरा इति विश्वः भराः। अथवा। हो। प्रथमः। निरिति अमंथना अ
 न्नात्। अग्ने। पुष्परात। अधाति। अथवा। निरिति। अमथता मृष्टः। विश्व स्या वाधते। ततो। ता
 रय उः। अतिः। पुत्रः। ईधो। रा। अथर्वणः। दृव हवमिति दृवः हवो। पुरंदरमिति पुरः दरा। तवा। ता

पांशुः। वृषाः। समितिः। ईधेः। दस्युः। दंतममितिदस्युः। दंतमो। धनं। नृपमितिधनः। जमो। रवेः। र
 तिः। गः। रणो। सी। दा। होतः। स्वा। उ। लो। वे। विवि। नाना। सा। दया। यतः। सु। हेतः। स्थितिः। सुः। दृ। तः।
 यानो। देवा। वीरितिदेवः। अवीः। दिवानो। ह। विषा। यजासि। अग्निः। ह। हतः। यजमानो। वयः।
 नीति। होता। होतृषदंनइतिहोतृः। सदेने। विहानो। विषाः। दी। दिवानो। असदता। सुदसइतिसुः
 दसः। अदस्यव्रतप्रमतिरिसदस्यव्रतः। प्रमतिः। वे। स्विष्ठः। स। दस्यनरइतिसहस्रः। नः। सु।
 जिह्वइतिशुचिः। जिह्वः। अग्निः। समितिः। सी। दस्व। महा। नो। असि। गो। वस्व। अ। देववीतंमइति
 देवः। वातंमः। वीति। दूमो। अग्ने। अरुषा। मियेधा। सजाप्रशस्ततिप्रः। शस्ता। दर्शता। अनिषा। हो।
 जेयः। अग्ने। अज्ञः। हितः। हितेषु। अरुषः। धनं। पु। दमेदमइतिदमेः। दमो। सभा। रत्ना। दधः। ॥४॥
 अग्निः। होता। नीति। सेसा। दधयाजा। ॥४॥ स्फु। धे। नो। वस्वसमविः। अतिश्रा। ॥४॥ समि
 ति। तो। वायुः। मातृरिष्या। दया। तु। उता। नो। याइतु। ता। नाये। हदयं। यन। विलिष्टमिति। विलि

॥४॥



शां। देवा। नो। यः। चरति। प्राणयेनेतिधः। अनर्थेन। तस्मै। वा। देवि। वर्षद। अस्तु। तु। मं। सुजातः।
 रिसुः। जातः। ज्योतिषा। सुहा। भर्म। वरुण्येति। असदः। सुवः। वासः। अग्ने। विन्तः। सुमिति
 विन्तः। रूपा। समिति। अयस्व। विभावसोइतिविभावसो। उदिति। उतिष्ठ। स्वधेरतिसुः।
 श। अवीनो। देवा। हृषा। हृषा। वा। नो। सा। ह। हता। सुश्रुवेनीरिति। सुश्रुवेनिः। रति। वा।
 सुजास्तिमिरिति। सुजास्तिः। मिः। रा। दुर्धः। उ। स्वि। तिः। नः। तुतयेति। विषादेवः। नो। सविता।
 यतः। धः। वाजस्यः। सानेता। अजिमिरियजिः। मिः। वाधदिरिति। शोधतः। मिः। विदयामहइतिदिः
 दयामहः। सजातः। गर्भः। अस्मि। रोदस्योः। अग्ने। चारुः। विन्तइतिविः। भतः। ओषधीषु।
 विजः। निषुः। प। रीति। तमा। सि। अक्तः। प्रेति। मातृभइतिमातृः। मः। अशीति। वनिज
 दग्गः। गः। स्मिरा। नवा। वीरुगइतिवीरुः। अगः। आमुः। नवा। वाजी। अर्वनः। एषुः। नवा। सुषद
 इतिसुः। सदः। स्वा। अग्निः। पुरीषवाहनइतिपुरीषवाहनः। अविः। नवा। प्रजाः। इति। जमी।

प्रजो॥४

मां च सोऽग्निः। मां चावापृथिवी इति यावाः पृथिवी। अमीति। अमुचः। अंतरिक्षा।
 मां च स्वर्गानां प्रेति। एतु। वाजी। कनिक्कदत्त। नानदत्त। रीसंभा। पत्नी। भर्ता। अग्निः। पुरः। अमा।
 कादि। आयुषः। पुरः। रासंभः। वा। कनिक्कदत्त। सुयुक्त। इति सुयुक्तः। वृषणा। रथः। राः। वे। अग्निः।
 पुरीषः। आयुः। दत्तः। वहात। इतः। वृषा। अग्निः। वृषणा। भर्ता। अयोः। गमी। ससुदियः। अग्निः।
 रति। याहा। वा। वीतयोः। रते। सस्यः। ओषधयः। प्रतीतिः। गृहीतिः। अग्निः। एतः। शिवः। आयतनि
 त्योः। यतोः। अमीति। अत्रायुः। मानः। यस्य त्रिति विः। अस्याः। विष्वाः। अमतीः। अरतीः। निषीदन्ति
 तिनिसि। दत्तः। नान। अपेति। उर्मिति। मितिः। मतिः। हुनत्। ओषधयः। प्रतीतिः। मोदधु। एन। पुष्पाव
 तारि। ति। पुष्पावतीः। सुपिप्पला। इति सुपिप्पलाः। अयोः। वाः। गर्तः। अविः। प्रत्तिः। विस्वाः। नि
 सधः। स्वः। एति। असदत्तः। सु। अस्ति। सिः। शिवः। नवयादिषु। इति। अग्निः। वा। वीति। धार्जसः।
 ना। शोष्ठः। चानः। बाधस्वादिषु। रससः। अमीवाः। सु। मर्षा। इति सुमर्षाः। वृहत्तः। अर्धणि।



स्या। अग्नेः। अहः। सुतवस्ति। सुः। हंस्यः। प्रकीर्ता। विति। प्रः। नो। अपः। हि। स्वाम्योः। नुवृत्ति
 मयः। नुवृत्ति। ताः। नुवृत्ति। द्यातनु। महोः। रणयोः। नसंसायः। वः। नुवृत्ति। नुवृत्ति। नुवृत्ति। नुवृत्ति।
 रसः। नस्यः। भाजयत। इहः। नः। उरातीः। इवा। मातरः। तस्याः। अरः। गुमा। मावः। यस्याः। स
 जिन्वा। अपः। नुनयथा। नः। मित्रः। रासः। सस्यति। सस्यति। सस्यति। पृथिवी। समिः। वा। दे
 ति। पा। सहा। सुजातमिति। सुजातः। जातवैदसमिति। जातः। वेदसः। अग्निः। वैष्वा। नरा। विष्
 मिति। विः। सु। अयस्या। वा। समिति। सजाति। प्रजा। अइति। प्रजा। अयः। विष्वा। वा। देवाः।
 नानराः। समिति। सजेतु। आवुष्टु। मेनेत्यावः। सुभेना। छेदसा। अद्रिः। रसता। रदाः। सभने
 ति। सः। सस्यः। पृथिवी। वृहत्तः। शोतिः। समिति। ईधिरः। ते। पो। नानुः। अजेतः। इतः। अग्निः। देवः।
 रचने। सः। सस्यति। सस्यति। सस्यति। वसुधैव कुटुम्बकम्। इति। अग्निः। देवः। नानुः। अजेतः। इतः। अग्निः। देवः।
 अग्निः। देवः। नानुः। अजेतः। इतः। अग्निः। देवः। नानुः। अजेतः। इतः। अग्निः। देवः।

वृत्तान्तः प्रोक्तिसुः ओषणाः सातुभ्यः अदितो मदेः एति उरवाः दधानाः हस्तयोः उरवाः वृत्तान्ताः
 शक्त्याः बाहुभ्यामिति वाहुः भ्याः अदितिः ध्रुवाः मातो पुत्रो यथाः उषस्व इत्युपः स्थाः साः अ
 भनो भनौ आभस्वस्य विरः अस्ति यज्ञस्य पदे इति स्तुः वसवः साः कृण्वन्तु वायवेः पथितः
 अग्निः उदसाः अगिरस्वताः एधिवाः अस्ति रुद्राः साः कृण्वन्तुः त्रेष्टुभेनः उदसाः अगिरस्वताः अ
 त्रिस्तः अस्तिः आदित्याः साः कृण्वन्तुः जागतेनाः उदसाः अगिरस्वताः वाः अस्ति विष्वा
 तादिवाः विष्वा नराः कृण्वन्तुः आनुष्टुभेन त्यानुः स्तुभेनः उदसाः अगिरस्वताः दिवाः अस्ति
 ध्रुवाः अस्ति धारयाः मयि प्रजामिति प्रजो रायः पोषा गोपयो सुवीधेनिति सुवीधोः ॥६॥
 तानिति स्तुः जाताना यजमानाया अदित्यो रास्त्राः अस्ति अदितिः नो बिलो गृह्णातु पा
 नः उदसाः आहुरस्वताः कृतायाः साः मही उरवाः मृमया मिति मृतः मयी यानि अग्नयो
 ताः पुत्रेभ्यः साः प्रीतिः अयच्छतः अदितिः प्रपथाना इति मित्रः केशोत्तरि हसमसि प्र

कतिनाः पावसवः साः धूपयन्तु मायजनाः उदसाः अगिरस्वता रुद्राः साः धूपयन्तुः त्रेष्टुभेनः उदसाः
 अगिरस्वता अदित्याः साः धूपयन्तु जागतेनाः उदसाः अगिरस्वता विष्वा तादिवाः विष्वा नराः
 धूपयन्तुः आनुष्टुभेन त्यानुः स्तुभेनः उदसाः अगिरस्वता इन्द्राः साः धूपयन्तुः अगिरस्वता वि
 धूपयन्तुः अगिरस्वता वरुणाः साः धूपयन्तुः अगिरस्वता अदितिः सा देवा विष्वदेयावतीति वि
 देयावती एधिवाः सधस्व इति सधः स्तुः अगिरस्वता खनन्तुः अवरादेवानां सा पत्नीः ॥१॥
 विष्वदेयावतीति विष्वदेयः वतीः एधिवाः सधस्व इति सधः स्तुः अगिरस्वता दधन्तुः उरवाः वि
 ता देवाः विष्वदेयावतीति विष्वदेयः वतीः एधिवाः सधस्व इति सधः स्तुः अगिरस्वता अभि
 इष्टता उरवाणाः सा देवाः विष्वदेयावतीति विष्वदेयः वतीः एधिवाः सधस्व इति सधः स्तुः अ
 गिरस्वता धूपयन्तु उरवा वस्तत्रयः जनयः सा देवाः विष्वदेयावतीति विष्वदेयः वतीः ॥२॥
 सधस्व इति सधः स्तुः अगिरस्वता धूपयन्तु उरवानां एतां उरवा पञ्च एषा मा नेशि एताः ॥३॥

71911

Indira Gandhi National
Centre for the Arts

सति विविश राट् अग्निः सुहृदिति सुहृत् तदा शिदिहि इह विश्वाः आग्नीः मित्राग्निः संवनात्
 नृणां पिथः क्रिवाक्तेः अद्य पराति पादि नः वधे हं स्पतेः सवितुः कोऽयं पना ॥ १ ॥
 तमिति संविता त्वेता संनरा मितिसं तरां समितिः क्रिवाद्यो वधे एनां महते स्याम ॥ २ ॥
 ॥ आ विश्वे एनां अचित्ति मदेतु देवाः अमुं नरस्य दित्यमुं संस्थातुं अर्वाथ तं यमसां वदस्य
 ते अस्मिन्नां स्तिरित्यमिन्नां स्तः अमुं नरां प्रतीतिः अहतां अमिनां मसुं अस्मानां देवनां अ
 न्नां मिषज्जाः नरा मिरिति नरा विः मिः उदिति नरां तमेसां पराति पर्यंतः ज्योतिः उतरमि
 ल्युतः तरां देवा देव जेति देवः आस्सरां अगं न्मा ज्योतिः उत ममिल्युतः तमेसां ॥ इमे न्निवो
 सो भगा यवतु स्त्रिः द्वात्रिः ॥ १ ॥ उर्वाः अस्या समिध इति सं इधः भुवन्ति उर्वाः भुक्ताः ॥ २ ॥
 शिः अग्नेः द्युमन्त मेति धुमन्तः तमा सुप्रतीकस्येति सुप्रतीकस्य सनेः नून धादिति नूनः
 नरा तः अमुं नरा विश्व वेदा इति विश्व वेदाः देवाः देवेषु देवः पथः एति अनेत्ति मधा घृतेन ॥

मधा यज्ञं नृसुखा ग्रीष्माणः नरा नृपः अग्नेः सुहृदिति सुहृत् देवः सवितुः विश्व वारुड
 ति विश्व वारः अद्य अयो एति क्रिवाक्तेः घृतेन नृपः नः वदितः नभसा अग्निः सुवेः अर्धुर्धु
 पुषस्विति प्रयतः सुः सः यस्तु अस्या महमाना अग्निः सः ॥ १ ॥ उर्वाः नृसुखा नृसुखा नृसुखा
 तिष्ठः वसुधाते मृदिति वसुधाते मः नृः हारः देवीः अचित्ति अस्या विश्व व्रता ददंते अ
 उत यवसु इत्युरः यवसा धाम्ना पत्यमानाः ते इति अस्या योषेयो इति द्विष इति नायोः
 पुषसा नत्ता इमे यज्ञा अवताः अर्धुर्धुः नः देवा होता नृपुर्धुः अर्धुर्धुः नः अग्निः जिह्वा अनीति
 नृणां तः हृद्युतः नः स्विष्टि मिति सु इति तिस्व देवीः बर्हिः एति इदं स दंत उडो सरस्वती ॥ २ ॥
 भो रती भूहा ग्रीष्माणः ततः नः नृरीपा अडेतां पुरुषा लघोः सुवीरमिति सुवीरः रायः पोषो
 वाति स्तुता नः अस्मि इति वने स्पते अवेति रदजा वरीणाः तमना देवेषु अग्निः देवाः नृपु
 नः नृपुः अग्नेः स्वाहा हृद्युहि जात वेद इति जात वेदः इदं या हवो विश्व देवाः हविः इदं

जुः... दुर्ग... सतिरि... अवनता अग्री... स्तस्याजातः... एका...
 तः... धार... धा... इमाः कस्मै देवाया हविषा विधेमायः...
 तः... इति... मुधुतः... इति... एका... इतरातो जगेतः...
 स्याद्विषदइति... पदः... चतुषदइति... पदः... कस्मै देवाया हविषा विधेमायः...
 इत्येताः... इति... यस्याः... इत्येताः...
 यस्याः... यस्याः... यस्याः...
 तदिताः... इति... यस्याः...
 तदिताः... इति... यस्याः...
 इति... इति... इति...

॥८॥

दसाध्यानाः

येन सुवास्तजिनयेनामकायः अत्ररिसोऽनसः विमानइतिविमानः कस्मै देवाया हविषा विधेमायः...
 विरिति अवनता अग्री एका कस्मै देवाया हविषा विधेमायः...
 इति... अवनता अग्री एका कस्मै देवाया हविषा विधेमायः...
 इति... अवनता अग्री एका कस्मै देवाया हविषा विधेमायः...
 इति... अवनता अग्री एका कस्मै देवाया हविषा विधेमायः...
 इति... अवनता अग्री एका कस्मै देवाया हविषा विधेमायः...
 इति... अवनता अग्री एका कस्मै देवाया हविषा विधेमायः...
 इति... अवनता अग्री एका कस्मै देवाया हविषा विधेमायः...
 इति... अवनता अग्री एका कस्मै देवाया हविषा विधेमायः...
 इति... अवनता अग्री एका कस्मै देवाया हविषा विधेमायः...



वृणाता पुष्पसो स्वाहा। मास्विति। मिथ्याः। मास्विति। रिषः २५ हंस्व। वीडयंस्व। सु। अंवा। एषु।
 वीरयंस्व। ११॥ अग्निः। चाइदं। कुरिष्यथः। २५ हंस्व। देवि। एधि वि। सुस्तये। आसुः... १॥ स
 धयेति स्वधया। कृता। असु। जुष्टादेवा। इदं। अस्तु। हयो। अरिणा। लोउदिति। इति। यते।
 अस्मिन्। मित्रा। एतां। उरवा। तृषा। एषा। मा। जेदि। एतां। तो। परीति। तु। म। अजिते। इति। न। इति।
 अन्नः। सर्पिः। रासुति। रितिसर्पिः। ३॥ आसुतिः। प्रत्तिः। होता। वरण्यः। सहसः। पुत्रः। अइते। ॥
 रस्याः। अचीति। सवतइतिसंवतः। अवरात्ना। अमि। एति। २॥ तत्र। यत्र। अत्र। ॥
 स्मिता। न। अत्र। परमस्याः। परावतइति परावतः। रोहिदंस्वइति रोहितः। अत्रः। २५ हंस्व।
 गहि। पुरिषः। पुरिष्यइति पुरः। प्रियः। अग्ने। लो। तत्र। मध्यं। सीदां। मातुः। अस्याः। ३॥
 इत्युपः। स्वा। विस्व। नि। अग्ने। वयु। ना। नि। विहान। मा। एना। अविषा। मातृपसा। अचीति।
 २॥ अतः। अस्याः। अत्र। ज्योति। रिति। अत्र। ज्योतिः। वीति। मोहि। अतः। अग्ने। रवा। लो। उरवा।

॥१०॥

सदेनास्व। तस्याः। २॥ हंस्व। तपना। जातवेदइति जातवेदः। विवः। अवा। विवः। सुत्ता। मधो। अ
 मो। अग्नेः। इति। सीदा। विवः। लो। विवः। २॥ लो। दिशः। सवी। स्वा। योनि। इहा। एति। अत्रः।
 ॥३॥ वीरयंस्व। तपन्निः। इति। अत्रः। २॥ यतः। अग्ने। यानि। कानि। वा। एति। तो। दो। म्या। २॥
 तत्र। अस्तु। तुभ्यो। इता। घृता। तत्र। जुषस्व। यविष्ठा। यतः। अति। उपजि। द्वि। सुपः।
 का। यतः। वयः। अतिसर्पतीत्यतिः। सर्पति। सवतत। अस्तु। तो। घृता। तत्र। जुषस्व। ॥
 रविः। रजिमिति। रजिः। रजिः। अत्र। धावमि। तत्र। धावा। अत्रः। अत्रः। याइ। नाति। घृते।
 सो। अत्रः। रजः। यो। वे। मा। समिति। इषा। मदेतः। अग्ने। मा। तो। प्रति। वेशा। इति। प्रति।
 ॥३॥ रिषा। भना। म्या। १॥ एधि। द्याः। सुमिधाने। मिति। सं। इधाने। अग्ने। राय। राय। ॥
 वृद्धता। हंस्व। महे। इरमदमितीरः। महे। वृद्धता। मिति। वृद्धते। उरवा। यजेत। जे। तां। अ
 ॥३॥ एतं। नो। सु। सा। सहि। याः। सनाः। अग्ने। रवा। रित्यकिः। इरवा। आयाधि। ता। रस्याः

[illegible]

देहं पुं गच्छति सोमयाः नो मयो वृद्धति मयः पुं वः पुं नयः संति शम्भुषो ता निः नः अवि
 तो नवः आनिः मृषो नवः सोमया नो शम्भुषो ता निः नः अवि
 वस्थाधी मदि धियः यः नः प्रो द्यादि ति प्रः नो द्याता अविज्ञो यता वृद्धमा दे जने
 दानैः दसैः प्रसूता ति प्रः मृती पूरुषं सेते ति पूरुषः त्वतो ॥ १॥ देवेषु नो सवितः मातुषे
 युवा त्वा नः अत्र सुवेता नः अनी मसः चो दयित्री सन्तानो चेतंती सुमती नामिति सुः
 मती नो यज्ञो दयो सरस्वती पावीरवा कृन्ता वित्रा धुरिति चित्रः आयुः सरस्वती वा
 पुनीति वारः पत्नी धियः धातु ग्ना सिः अदिदः कारणो सजो पादिति सः जोषाः दुः
 धमिति दुः आधर्षः गृध्रति शर्मयः सता पूषा गाः अन्विति एता नः पूषा रस्तु ॥ ११ ॥
 तः पूषा वाजो सनोतु नः मुक्तो तो अम्यतो यजता तो अम्यता शो विधु रूपे इति विषुः रुतः
 अरुनी इति योः इतो अस्मिन् विषोः हि मायाः अवस्मिन् स्वधा वृद्धति स्वधोः वः ॥ १२ ॥

४०
 प्रथमः इहा सतिः अस्तु नो अवधंता स्वतव स इति स्वः प्रवसः मदि त्वनेति मदिः लना एति नो
 नो तस्ते दुः शत्रोः सदेः विष्णुः यता ह आवेता वृषणा मृदु स्युता मिति मदेः स्युता वयः नः
 सादना अधाति बहिषि प्रिये जिति चित्रः अर्कः गृध्रते तुरयो धा रता या स्वतव स इति यः
 तव सान रधा ये तहा सितह सा सहता शारजते अग्ना एधि वा नू से नः विचिदे
 तिमि देवाः धावा नः एधि वा इति इमो सिधो अद्य दिवि सन्ता मिति दिति स्युता यः
 देवेषु यलता मिति पूर्वजे इति पूर्वजो पितरा नव्य सा सिः गीर्वाणि दुषु धुः सदे नः तो
 क्रतु स्या एति नः धावा एधि वा इति धावा एधि वा देवेन जनेना याता मदि वा वरुणा म
 गिन स्तोमेना बोधयः समिधो न इति सः इधानः अमर्त्यः हव्या देवेषु नः दुधते सः हव्य
 ठिति हव्यः शदा अमर्त्यः पुत्रि दू दूतः चनो हितः आनिः धिया समिति अरुणा नो
 नः जनेन वाजे वाज इति वाजे वाजा ॥ १४ ॥ पुरुषं सेता यजते तै अम्यत्स हते च नो हितो यो



॥१॥ शुभं ज्ञानं इमां मग्नां देवस्य तं ते विपाजं साव स वस्तास मां स्तोधी अन्यथा कृतिय
 दग्नेथा न्यग्नेय मेका दग्ना ॥११॥ शुभं ज्ञानं व मे वस्तु आदित्यस्ता भारती स्वाः ॥१॥ यः
 विः शत ॥१॥ ॥ ओम् ॥ विष्णोः ॥ क्रमः ॥ अस्मि ॥ अस्मि माति हेत्यस्मि माति हागा युवा ॥ ६॥
 तिरोहा ॥ धृतिवा ॥ अनुवाति ॥ क्रमस्वानिर्भक्त इति निः ॥ भक्तः ॥ सः ॥ यादृशः ॥ विष्णोः ॥ क्र
 मः ॥ अस्मि ॥ अस्मि शस्ति हेत्यस्मि शस्ति हागा युवा ॥ ६॥ एति रोहा ॥ अंतरसं ॥ अनु
 वाति ॥ क्रमस्वानिर्भक्त इति निः ॥ भक्तः ॥ सः ॥ यादृशः ॥ विष्णोः ॥ क्रमः ॥ अस्मि ॥ अस्मि शस्ति
 तः ॥ हेता ॥ जगत् ॥ ६॥ एति रोहा ॥ देवा ॥ अनुवाति ॥ क्रमस्वानिर्भक्त इति निः ॥ भक्तः ॥
 यादृशः ॥ विष्णोः ॥ क्रमः ॥ अस्मि ॥ अस्मि शस्ति ॥ यत इति शब्द ॥ यतः ॥ हेता ॥ अनुवाति ॥ भक्तित्योः ॥ ॥ ॥
 स्तुभो ॥ ६॥ एति रोहा ॥ दिवा ॥ अनुवाति ॥ क्रमस्वानिर्भक्त इति निः ॥ भक्तः ॥ सः ॥ यादृशः ॥
 अत्र दग्ना ॥ अग्निः ॥ स्तुभं यन् ॥ इवाद्योः ॥ सामो ररिहता वीर्यः ॥ स मज्जति तिस्रं अजने

सद्यः तदज्ञानं ॥ वीति ॥ दिवा ॥ ६॥ अस्वत एति रोहसी इति ॥ नानुना भाति ॥ अतः ॥ अग्निः ॥ अग्ना
 वति ॥ नित्यं ॥ अविर्निना ॥ अभाति ॥ नः ॥ एति वृत्तं स्व ॥ आयुषा व नृणां ॥ स न्यासि ध्या ॥ ६॥
 यति प्रजया ॥ धर्मेना ॥ अग्ने ॥ रा ॥ अग्निः ॥ ॥ अग्ने ॥ सतु ॥ आयुष इत्यः ॥ वृत्तः ॥ सहस्रं ॥ ते ॥ उपवृ
 त्त इत्युपः ॥ अतः ॥ तासां ॥ पापस्या ॥ पाप्या ॥ पुनः ॥ नः ॥ नृणां ॥ एति ॥ हा ॥ धृति ॥ पुनः ॥ नः ॥ नृणां ॥ एति ॥ हा
 धि ॥ पुनः ॥ ॥ ॥ अग्निः ॥ ॥ आयुषा ॥ पुनः ॥ नः ॥ पापि ॥ विष्व
 हा ॥ रथ्या ॥ नीति ॥ वृत्तं स्व ॥ अग्ने ॥ पिब स्व ॥ पादया ॥ विष्व ॥ स्मियेति विष्व ॥ स्मिया ॥ विष्व ॥
 उदिति ॥ वृत्तं म ॥ मित्यतः ॥ तमा ॥ वृत्तं ॥ पादया ॥ अस्मता ॥ अ वति ॥ अधमां ॥ ॥ वीति ॥ मध्यमा ॥ अया
 या ॥ अथा ॥ वृत्तं ॥ आदित्यो ॥ वृत्ते ॥ तवा ॥ अनागसः ॥ अदितयो ॥ स्याम ॥ एति ॥ ला ॥ अहायी ॥ अतः ॥ अ
 स्तः ॥ ॥ वृत्तः ॥ तिष्ठ ॥ अविचो ॥ वलि ॥ रित्यवि ॥ वा ॥ वलिः ॥ विदाः ॥ ला ॥ सवीः ॥ ॥ वृत्तं ॥ अस्मि
 अधाति ॥ अया ॥ अग्ने ॥ वृत्तं ॥ वृत्तं ॥ ॥ वृत्तं ॥ अस्मता ॥ निजं ॥ मि ॥ वानिति निः ॥ जग्मि वान



ज्योतिषाः एति अगताः अग्निः भ्रातृनां रक्षायाः स्वर्ग इति सुः अंगः एति जातः विश्वाः
 सन्मानी अभाः सीदं लोमानुः अस्थाः ॥ भ्रातृपत्न्यः स्त्रो विष्वा निः अभाः वसु
 नोति विद्वानाभा एनाः अविषा मातृपत्न्या अनीतिः अमुनः अतः अस्थाः सु
 ज्योतिरिति अमुनः स्त्रोतिः वीतिः नादि अतः अनेना रक्षा लोभुरवाधे सुदना स्वतः स्याः
 लोभुरवाधे तपना जातवेद इति जातः वेदः निवः अना निवः नृता भवो अग्निः अयो
 इति मातृ निवः लो निवः तुलादिः सर्वः स्या योनिः इहा एति अस्वः ॥ ६ ॥ सः
 अविषदिति अविः सन्त वसुः अतृ रिष सदित्यं तिरि सः होता वेदि पदिति वेदिः सः
 अतिषिः इरोण सदिति इरोणः सत्रः नषदिति नः सत्रः वर सदिति वरः सत्रः
 तसदित्यं नः सत्रः यो भः सदिति यो भः सत्रः अजा इत्यं पः जाः गो जा इति गोः
 अत जा इत्यं तः जाः अजा इत्यं दिः जाः अतो हता पाः दिवः भनु विज्रम स्वनिः

[illegible]

ग॥ यज्ञे हि संस्थितं मा॥ यज्ञपतिमिति यज्ञः पति॥ जानवेदसाविति जानः वेदस्यो॥ जिवो॥ भवतो॥ अ
 ह॥ न॥ मातो॥ इवा॥ पुत्रो॥ पृथिवी॥ पुरीषो॥ अग्निस्त्वो॥ यो नो॥ अना॥ उरवा॥ तां॥ विष्णो॥ दे॥
 नु॥ सि॥ सवि॥ दान॥ इति॥ स॥ वि॥ दान॥ प्रजा॥ पति॥ रिति॥ प्रजा॥ पति॥ वि॥ स्व॥ व॥ मे॥ ति॥ वि॥ स्व॥ व॥ कु॥ नो॥ नो॥
 सु॥ व॥ तु॥ यत्॥ अ॥ स्या॥ पारे॥ रज॥ स॥ सु॥ क॥ स्यो॥ ति॥ अ॥ ज्ञो॥ यत्॥ न॥ त॥ न॥ प॥ र्यत्॥ अ॥ ता॥ ति॥ हि॥ ष॥ अ॥
 स्या॥ वे॥ श्वा॥ न॥ रा॥ स्वा॥ हा॥ न॥ म॥ स्वि॥ ति॥ तो॥ नि॥ र्ज॥ न॥ इ॥ ति॥ नि॥ कृ॥ त॥ वि॥ स्व॥ रू॥ प॥ इ॥ ति॥ वि॥ स्व॥ रू॥ पो॥
 य॥ र॥ म॥ यो॥ वा॥ ति॥ च॥ ता॥ व॥ धा॥ र॥ तो॥ य॥ मे॥ नो॥ लो॥ य॥ म्या॥ स॥ वि॥ दाने॥ ति॥ स॥ वि॥ दान॥ उ॥ न॥ म॥ मि॥ यु॥ त॥
 ना॥ क॥ अ॥ धा॥ ति॥ रो॥ ह्य॥ इ॥ मा॥ यत्॥ ति॥ दे॥ वा॥ नि॥ र्ज॥ त॥ रिति॥ ति॥ नि॥ कृ॥ त॥ आ॥ व॥ व॥ धे॥ य॥ व॥ व॥ धा॥ रो॥ म॥
 यो॥ रा॥ मा॥ अ॥ वि॥ च॥ र्ये॥ मि॥ स॥ वि॥ च॥ र्य॥ इ॥ वा॥ तो॥ न॥ दा॥ वा॥ ति॥ स्या॥ मि॥ आ॥ धु॥ ष॥ नो॥ म॥ धा॥ ता॥ अ॥ धा॥ जी॥ ॥ १९८॥
 पि॥ तु॥ आ॥ हु॥ प्र॥ सु॥ क॥ इ॥ ति॥ प्र॥ सु॥ क॥ य॥ स्या॥ तो॥ अ॥ स्या॥ कृ॥ त॥ आ॥ स॥ न॥ जु॥ हा॥ मि॥ ए॥ धा॥ व॥ धा॥ नो॥
 अ॥ वे॥ रू॥ ज॥ ना॥ ये॥ स॥ य॥ रू॥ ज॥ ना॥ यो॥ र॥ मि॥ इ॥ ति॥ ला॥ ज॥ ना॥ वि॥ दु॥ नि॥ र्ज॥ त॥ रिति॥ ति॥ नि॥ कृ॥ त॥

इति॥ ता॥ अ॥ हा॥ प॥ रा॥ ति॥ वे॥ दा॥ वि॥ स्व॥ त॥ अ॥ सु॥ न्व॥ त॥ अ॥ य॥ ज॥ मा॥ न॥ इ॥ हा॥ स्ति॥ न॥ स्या॥ इ॥ या॥ न॥ स्वर॥ स्या॥ अ॥
 न्वि॥ ति॥ ए॥ धि॥ अ॥ न॥ सु॥ स्य॥ न॥ इ॥ हा॥ सा॥ तो॥ इ॥ या॥ न॥ म॥ दे॥ वा॥ नि॥ र्ज॥ न॥ इ॥ ति॥ नि॥ कृ॥ त॥ तु॥ यो॥ अ॥ सु॥
 दे॥ वा॥ अ॥ हा॥ नि॥ र्ज॥ त॥ मि॥ ति॥ नि॥ कृ॥ त॥ व॥ द॥ मा॥ न॥ पि॥ ता॥ इ॥ वा॥ पु॥ त्रो॥ द॥ य॥ पा॥ न॥ वो॥ सि॥ रिति॥ न॥ च॥ अ॥
 वि॥ स्व॥ स्या॥ या॥ जा॥ र्य॥ मा॥ न॥ स्या॥ वे॥ दा॥ शि॥ रः॥ शि॥ र॥ इ॥ ति॥ शि॥ रः॥ शि॥ रः॥ प्र॥ ती॥ ति॥ स॥ रा॥ वा॥ ति॥ च॥ हा॥ वि॥
 दान॥ इ॥ ति॥ नि॥ वे॥ रा॥ न॥ सं॥ ग॥ म॥ न॥ इ॥ ति॥ स॥ ग॥ र्म॥ न॥ वि॥ र्ज॥ नो॥ वि॥ स्वो॥ रू॥ पा॥ अ॥ नो॥ ति॥ च॥ हा॥ वि॥
 ति॥ रिति॥ न॥ चि॥ स्ति॥ दे॥ वा॥ इ॥ वा॥ स॥ वि॥ ता॥ स॥ त्प॥ ध॥ मे॥ ति॥ स॥ त्प॥ ध॥ मा॥ इ॥ इ॥ ना॥ तु॥ स्तो॥ सं॥ म॥ इ॥ ति॥ स॥
 अ॥ रा॥ पु॥ धा॥ ना॥ स॥ मि॥ ति॥ व॥ र॥ ज्ञा॥ द॥ धा॥ त॥ ना॥ नि॥ रिति॥ ओ॥ हा॥ वा॥ नि॥ त्या॥ हा॥ वा॥ न॥ उ॥ णो॥ त॥ ना॥ सि॥
 मे॥ हा॥ अ॥ वे॥ दं॥ उ॥ णि॥ यो॥ द॥ यो॥ वि॥ श्वो॥ अ॥ हा॥ अ॥ द॥ स्तं॥ अ॥ र्जितं॥ नि॥ षु॥ ता॥ हा॥ व॥ मि॥ ति॥ नि॥ षु॥ ता॥ आ॥ हा॥ वा॥
 अ॥ द॥ ता॥ सु॥ व॥ र॥ ज॥ मि॥ ति॥ सु॥ व॥ र॥ ज्ञा॥ मु॥ षे॥ व॥ न॥ मि॥ ति॥ सु॥ से॥ व॥ नो॥ उ॥ णि॥ यो॥ सि॥ चो॥ आ॥ र्जितं॥
 जे॥ ति॥ व॥ व॥ थ॥ यु॥ गा॥ वा॥ ति॥ न॥ य॥ न॥ इ॥ ध॥ दा॥ धा॥ रा॥ दे॥ वे॥ षु॥ म॥ या॥ यु॥ न॥ क॥ स्या॥ रा॥ वा॥ ति॥



मंयमिब्रज्जणो॥ अहं॥ शूनोधा॥ नानि॥ सप्त॥ आशतोवः॥ अंबाधामानि॥ सदस्त्रं॥ इतः॥
रहः॥ अथाशेतकृतइतिशतः॥ कृतः॥ पूर्व्याइमा॥ नो॥ अग्रे॥ इतो॥ पूर्व्या॥ इतीरितिपुष्पा॥ वतः॥
सर्वे॥ इतिप्रः॥ स्वर्ता॥ फलिनीः॥ अथुलाः॥ उता॥ अथोः॥ इवा॥ सजिबरीरितिसंजित्तराः॥
वास्त्यः॥ पारथिष्ठः॥ ओषधीः॥ इति॥ मातुरः॥ ननु॥ इवाः॥ उपेति॥ इवाः॥ रपाः॥ इति॥ विज्जना
इतिविः॥ इतोः॥ इता॥ रपः॥ ॥१॥ आतयमानाः॥ अशुल्यः॥ किं॥ निषदन्मिति॥ निः॥ सदनो॥ यतः॥
वा॥ सतिः॥ इतो॥ गो॥ भाजइतिगो॥ भाजः॥ इता॥ किला॥ अस्तथा॥ यतः॥ सनवथा॥ पूरुषः॥ यतः॥
अहं॥ वाजयेन्ना॥ इमाः॥ ओषधीः॥ इतो॥ आदधइत्यं॥ दधे॥ आसा॥ यस्मस्य॥ नश्यति॥ पशः॥
नी॥ गृह॥ अइतिनी॥ वः॥ गृहः॥ यथा॥ यतः॥ ओषधयः॥ सगंठइति॥ सगंठेति॥ निः॥
अमि॥ तो॥ विति॥ सः॥ इतो॥ इवा॥ विप्रः॥ सः॥ उच्यते॥ पिपद्वा॥ रसो॥ हि॥ निरसः॥ हा॥ अमी॥ नातः॥
अतः॥ आतनः॥ निहं॥ निरिति॥ निः॥ इति॥ नाम॥ वः॥ मोता॥ अथा॥ यथो॥ का॥ ता

तिः पं. कृतीः सखाः पतत्रिणीः ॥ २ ॥ सुनायना आभयनि निरिति कृता अन्याः व... गो
 अवतः सुनाः अथस्थोः उपेति अवतीताः सेवीः ओषधयः संविदना इति ते...
 नाः इहामि प्रेति अवतः वचः उदिति शुभाः ओषधानां गावः गोष्ठादिति गोः स्मरतु...
 इरने धने सनिष्पतीनां आसनाः तवा पुरुषः अतीति विधाः परिष्ठा इति पतिः स्तः स्ति
 नम इवा वृजः अतः पुः ओषधयः प्रेति अतः अतः यत्वा विना तनुशो रपयथाः वाते आनु
 रियाः तं सुः आसनाः याः आवि विष्ठरितः विविष्टः परः पर इति परः परः ताः नो यस्या
 वीति दोधुताः उयः मधुमश्रु रिति मधमः शोः इवा साका यस्मा प्रेति पुतरे पुने नी वि वि
 दादिना साका वि तस्य धीयाः साका नश्य निहा कयेति निः हा कया अश्ववृता मित्यस्य व
 ती साहवती मिति सोमः वृता उज्येती उदजसुमि लुतः ओजसु रति विस्ति ॥ २ ॥
 ओषधीः अस्मै अरिष्ठतात धइत्यरिष्ठ तातयो याः फलिनीः याः अपलाः अष्टप्याः

॥ २ ॥

वीपुष्पिणीः वृहस्पतिप्रसता इति वृहस्पतिः प्रसुताः ताः नः मुंचुतु अः सखायाः ॥ ४ ॥ ओ
 षधयः सोमराज्ञा रिति सोमः राज्ञाः प्रविष्टा इति अः विष्टाः पृथिवी अतः ता सोमः मुष्टि
 उन्मयुनः तमा प्रेति नः जावाते वा सुवा अश्वपतेनी रित्यवः पतेनीः अवदना दिवाः ओष
 पति यो जीवा अश्वमर्मा नो सः रिष्याति शोषा योः उइहा उपप्य पवती लुपः प्यवति याः
 दरे परा गता इति पराः गताः इहा संगयेति सः गत्या ताः सखाः अस्मै समिति दत्ता नुषुजा मा
 रिष्या रवनिना यस्मै अहः रवनी मिवाः द्विपदिति द्विः पता चतुष्प दिति चतुः पत अस्मा
 यवः अस्तु अना नुरमित्यना नुरा ओषधयः समिति वृद्धे सोमना सहो राज्ञा यस्मै वर
 बाहो गताः राज्ञा पुरया भुसि ॥ ५ ॥ रपेः पतत्रिणी गो अह सो याः रवना मिवा दत्ता
 ॥ ६ ॥ भानुः दिः सानु निता यः पृथिव्याः कवा दिवा सयधु मे रित्यस्य धमी जज्ञो ना यः
 अपः चडाः इहताः ज्ञेना यः कस्मै देवा या हविषा विधेमा अभाव नु सित्यसिः आहुतः
 धिना पज्ञे ना पयसा सह वपातो अग्निः इधितः अवति सपेता अग्नो यदा ते खनय



उच्यते सुतः यना सुमुखाता उता वा पुत्री पातः नृपेन स्यात् पुताः हरिणस्या वा ह इति उपसुतमि
 सुपः सुनो जनिमातेत तो अर्चुना अपाः एषो अन्ति योनिः अग्नेः समुद्रः अजितः पितृमानो
 दर्थमानः मरुः ॥ १ ॥ एति वा पुष्यो दिवः अत्रया विरिणा अधिवा ब्रह्मजज्ञानो प्रथमो पुरा
 तावीति स्त्रीमेतः सुतः च इति सुतः रचः वेनः आवः सः बुधियोः उपमा इत्युप नमः अन्ति वा
 इति विस्वाः सुतः वा योनिः अस्तः वा विवः हिरण्यगर्भ इति हिरण्यगर्भः अमिति अर्चुते
 तो अत्रैः परतस्य जातः पतिः एकः आसीतासः साधारे एषिवी वां उता इमां वस्मे देवाया
 हविषा विधेमा इत्यः पुसुदा एषिवी अन्ति वा योनिः अन्ति वा योनिः अन्ति वा योनिः ॥ २ ॥
 वृत्तीयो योनिः अन्ति वा सचरतमिति सं चरतः इत्यः पुहोमि अन्ति वा सचरतमिति सं चरतः ॥ २ ॥
 अस्तु सर्वभ्यः यो वै वा एषिवी अनायो अ तरिस्वा यो दिविति भ्यः सर्वभ्यः नमः यो अ
 शे च न दिवः यो वा सर्वस्य रात्रि मध्याये श्री अश्वत्थः सु सदा वृत्ते तेभ्यः सर्वभ्यः ॥

॥ २ ॥

याः इषवः वा तु धाना नमिति या तुः धाना नो यो वा वनस्पतीना अर्चु यो वा अर्चु
 करतो तेभ्यः सर्वभ्यः नमः ॥ ३ ॥ न हो नु या तु धाना नो यो वा वनस्पतीना अर्चु यो वा अर्चु
 रणा अस्तु ता विस्वके मणेति विस्वः कुम्पा सु ह तेति सुतः उता मा वा सुमुद्रा उता
 तिवृथीता मा सुपुर्ण इति सुपुर्णः अ व्यथमाना एषिवी इह प्रजापतिरिति प्रजा
 पतिः वा सादयतु एषिमाः एषो अचस्वता प्रथस्वता प्रथः अस्ति एषिवी अस्ति
 अस्ति सर्वमिः अस्ति अदितिः अस्ति विस्वधाया इति विस्वधायाः विस्वस्ये
 नुव न स्या ध्वज एषिवी यथा एषिवी इह एषिवी मा हिः स्या विस्वस्ये प्राणाय
 तप्रः अनाया अनायाय तपः अनाया अनायायति विः अनाया उता नो य सुतः अनाया ति
 धाया इति स्वायं ॥ १ ॥ नृजित्रीया अग्निः वा अग्नीति पातु मद्या सुखा सुति मा
 नमेनेति शं तमेन तयो दिवर्त पा अगिरस्वत धुवा सीदा तूष्णः ताण्डा ॥ १ ॥



मधुहृदिनिमधुः कृतः कुलायाः भजनाः आस्ताः मधुदेवताभ्याः तस्याः आस्तो हरयः सप्ता तीशेख
 धामितिस्वः धाउहा नाः अमृतस्याः शोधाः ॥६॥ प्रतिष्ठाये सहस्वः तीर्थपरमविशदः
 रातिनाः ॥७॥ आदित्यः शमीपयसाः समज्जितिसः अजनेः सहस्वस्याः प्रतिभामिति ॥८॥
 विश्वरूपमिति विश्वः रूपः परीतिः वृद्धिः हरसाः माः अनीतिः मृत्सः श्रुतोधुषमिति शतः ॥९॥
 धाः कृष्णहिः नीयमानः इमे माः हिः सीः ॥१०॥ द्विपादमिति हिः पादोः पुष्पनाः सह आसति सहस्वः
 असाभिधो एतिः नीयमानः मधुः आरण्यः अविर्तिः तोदिशामितेनो विन्वानः तनुवः नीतिः
 स्यादावतस्याः प्राजावरणस्याः नापीः अर्धः जज्ञानः सत्तुः स्वो मधोः शिशोः नदीनां हरिः अदि
 वुद्धः एदिः वृद्धः अग्नेः माः हिः सीः ॥११॥ परमो योमज्जितिविः ओमनाः इमे माः हिः सीः एरे ॥१२॥
 शोफमित्येकः शोफः पुष्पनाः वेनिः कुरेः वाजिनः वाजिनेषु गोरोः आरण्यः अविर्तिः तोदिश
 मितेना विन्वानः तनुवः नीतिः सीदः अजस्वः वृद्धः अरुषः पुरण्यः अग्निः ईडः पूर्वनिमित्तः

५७० विर्तिपूर्वः विन्नोः नमोः कृत्तिनमः ॥१३॥ सः पर्वः सिरिति पर्वः सितः अतुः शइत्यतुः शः कल्प
 मानः गाः माः हिः सीः ॥१४॥ आदितिः विश्वजामिति विः रजः इमं स्वमदः शतधारमिति शतः
 धाराः उत्तरोः अज्योमोः जमिति विः अज्यमानोः अवनस्याः मधोः धृतः पुष्पनाः आदितिः जनीया
 अग्नेः माः ॥१५॥ हिः सीः ॥१६॥ परमो योमोः जतिविः ओमनाः शतयोः आरण्यः अविर्तिः तोदिशामि
 तेनो विन्वानः तनुवः नीतिः सीदः वरुचिः लघुः वरुणस्याः नापीः अविजज्ञानो रजस्वः
 ॥१७॥ परमाता मुहोः साहस्वः अस्तुः रस्याः मायाः अग्नेः माः हिः सीः ॥१८॥ परमो योमज्जितिविः ओम
 नाः इमे माः वृष्णोः वरुणस्याः मायाः लघुः पुष्पनाः द्विपादमिति हिः पदोः चतुष्पदमिति चतुः रप
 रोः लघुः प्रजानामिति प्रजानाः प्रथमोः जनित्रोः अग्नेः माः हिः सीः ॥१९॥ परमो योमज्जितिविः ओ
 मनाः उधुः आरण्यः अविर्तिः ॥२०॥ तोदिशामितेनो विन्वानः तनुवः नीतिः सीदः ॥२१॥
 अग्नेः तपसोः अधितिः ज्ञातः शोभतिः एष्टियाः उतोः दिवः पिरायेनः प्रजः इति ॥२२॥

स्वकृतिविषयकृत्वा व्यानडिति विः आनं ११ तं अग्निदेवः । पतीति । तो वृणक्तु । अग्निः हि । अ
ग्नेः । अजनिष्टा बोधिता सा वा । अपश्यत् । अनितारं । अग्ने । तया रोहं । आयनारुहेति । १२ । स ।
तया देवाः देवता । अग्ने । आयनो दारमे । आरण्या । अन्विति । तो हि । आमि ते नो । वि । व्यानः । ता उ
वा । नीति । सीदा । १३ । अग्ने मा हि । सीरु मे मा । घृमा रूप्यमनु । अग्ने न न वे । १४ । आदित्यं पि न
हि पादं न युर्वीतस्य मे । दत्तां गो रमजस्त्रे गवयं वरुं । त्रिमविमि । भार्मणा युयो । अग्रिरग्ने
अग्ने । १५ । अग्नी इती । १६ । अग्नी । तो वृजा । दिवः । पतीति । वा जेषु । स्वयं । तत् । वा । चेति । प्रेति ।
वा । यः । अथ । ता वृजा । वृत्तः । स नोति । वा जे । इ । शायः । अग्नी । इति । सहस्री । इति सः । हुरी । सपथी । न
इत्येता । व स वस्य । अग्नेः । सहस्तु मेति सहः । १७ । तमा । सहसा । वाजये तेति । वाजः । यत्ता । इति ।
सिद्धिभूति । सिद्धिः । भ्यः । प्रेति । गि । भूति । गिरिः । भ्यः । महि । तेति । महिः । वा । प्रेति । इ । अग्नी । इती ।
वर्षणि । भूति । वर्षणिः । भ्यः । १८ । तेनाहवेषु । प्रेति । एधि । वा । रि । वा । धेः । इति । दिवः । १९ । इति ।

१२

अग्नी । विषा । भुवना । अतीति । अग्ना । मरुतः । यस्या । हि । ११ । ह्यथे । पाया । दिवः । विमहस्य । तितिः
सोः । सोः । सुगोपातन इति सुगोपः । १२ । तमः । जनः । धृजै । वा । यज्ञः । वा । हस्य । इति । यज्ञः । वा । हस्यः । विजस्य
वा । मतीना । मरुतः । १३ । अथ । ता । हवा । अथि । यज्ञः । वा । ननु । अति । भा । नुः । १४ । समिति । मिमि । सिरोः ।
रन्मि । पिरि । तिर । र्मिः । मिः । तो । अग्ने । मि । रि । त्य । कृ । पिः । सुखा । दथ । इति । सु । रवा । दथः । तो । वा । नः । मे । न
इति । वा । दि । मे । नः । इ । पि । ना । अग्नी । रवः । वि । दे । पि । यस्या । मा । रते । स्या । धानोः । अवेति । तो । देवः । उ । दि
ति । उ । न । म । म । लु । तः । तमः । कथा । नः । चित्रः । रति । भुवना । पुती । सदा । वृध । इति । सदा । वृधः । सरवा
ग्ना । वा । वि । ध्या । वृता । १५ । कृ । अवा । धु । १६ । धुरि । गाः । अतस्य । शिमी । वतः । भामिनः । १७ । देवा
णा । १८ । धृनि । ति । १९ । हृधनः । आसनि । पू । नि । स्या । सनः । इ । धनः । हृत्त्व । स । इति । हृत्त्वः । अ । स । २० । यो । अ । नि । मि । धः
सना । य । ए । धा । भू । स्या ।
आ । २१ । भ । नु । वा । जे । वा । नु । इति । वा । जे । वा । जे । अ । सि । त्य । रः । सु । अग्ने । सधिः । तवा । सः । अ । धे । धी ।

विविभिन्नाः परं जगत् देवताः पुष्टा इविष्णोः एव विष्णोः इत्येकः विष्णोः स्तोमः सः उच्यते
 वत्तन्नि रतिनिष्ठा वत्तन्नि तु यं वाडितितुयं वाटः वयः आस्तु देवताः स्तुतः आस्तु
 नदा दत्त इत्युत्तरात् वातः वातः प्रलः क्रिः सुधा दिवा हं मुत निशि वा विविहमत
 दौः क्रतूनां वृहस्पतिः देवताः ववः इविष्णोः त्रिषु वरति त्रिः नवः स्तोमः सः उच्यते यस्मि
 शव तैरति त्रयस्त्रिः शव वत्तन्निः पुष्टा वादिति पुष्टा वातः वयः अपि परितः पितः अपि
 ना विष्णोः त्रि विष्णोः वातः वरः सुपुष्ट इति सुपुष्टः क्रिः पितरः पितृ मदाः पदे
 अवेरः तो नः पातु तो नः अ वत्तु अस्मिन् ब्रह्मन् अस्मिन् सुत्रे अस्या आशिषी
 ह्या शिषि अस्या पुराया यामिति पुरः धायो अस्मिन् कर्मन् अस्या देव हं त्यामिति दे
 वः हं त्या ॥ २ ॥ विष्णोः वदो वदो विष्णोः इति आस्तु वदो वदो इति विष्णोः इति
 ति पुष्टो यानिः पुष्टा अस्मिन् पुष्टा योनि एति स्तोमः स्तोमः उच्यते स्वस्त्यो वत्तु वत्तुमा पुष्ट

५२

स्तोमः अस्मिन् अष्टुष्ट इति सादयता इह सास्त्रा देवो दत्तं प्रीतिरुत्तरात् पुष्टा इह सास्त्रा दे
 वनेति देव आष्टुष्टी ब्रह्मता रदोणा स्तु सु स्तुति सु आस्तु स्तुता तु वः समिति विष्णोः
 ता इवः पाष्टा सुत्रा एति सुत्रा विति सुत्रा वः अस्मिन् अष्टुष्ट इति सादयता इह सास्त्रा कुला
 यिनी वत्तु मतीति वत्तु मतीति वयः धाः रयि नः वृधा ब्रह्म सुवीरमिति सु
 वीरः ॥ १ ॥ अपेति अमति कुर्मति मिति दुः मति वाधमाना रायः पोषो यज्ञ पति मिति यज्ञ
 पतिः आभजंतीत्या भजंती सुवः धिहा यजमानाया पोषो अस्मिन् अष्टुष्ट इति साद
 यता इह सास्त्रा अग्निः पुराषो अस्मिन् देव्या नीति देव्यानी तां स्तु विष्णोः अनाति मरणं तु
 देवः सोमैष्टेति सोमैष्टुष्टा घृतवतीति घृतवती इह सास्त्रा मजा वदिति प्रजावता अ
 स्म इति इविष्णो एति यज्ञ स्वा अस्मिन् अष्टुष्ट इति सादयता इह सास्त्रा दिवः सुधा
 धा यथा नास्ति विष्णु नीति विस्त्वननी दिवा अपि पुनीत्यधि पुनी पुवना ॥ १ ॥

किं इत्यः। अथा। अस्मिन् कर्मतिविश्वः कुर्मा। न। कर्षिः। अस्मिन्। अध्वर्युः इति। सादय
 ता। इहा। सा। सन्नरितिसः। नः। कुतुभिरित्युः। सन्नरितिसः। नः। विधाभिरिति वि
 नः। सन्नरितिसः। नः। वसुभिरिति वसुः। सन्नरितिसः। नः। तदे। सन्नरितिसः। नः। अ
 सन्नरितिसः। नः। विधेः। देवः। सन्नरितिसः। नः। देवः। सन्नरितिसः। नः। देवः। वयोः। वे
 ५ य। रितिवयः। नाधे। अग्नये। त्वा। वे। नः। अस्मिन्। अध्वर्युः इति। सादयता। इहा। सा। प्राण
 निति। अना। मो। पादि। आपानमित्यपः। अना। मो। आनमिति विः। अना। मो। पादि। च। सुः। मो। पुम।
 पादि ५ वाति। भादि। आत्रे। मि। स्ते। कुय। अपः। पिन्वा। ओषधीः। जिन्वा। दिपादिति विः। पात। पादि। च।
 ष्यादिति चतुः। पात। अवादि वः। वृष्टि। एति। ईरया। ३। सुवा। उभे। वना। न। अम्या। सनदे। वाचा। ६।
 अत्रिरिति विः। अविः। वयः। जिष्णुः। छंदः। दित्यु। वाडिति दित्यु। वादः। वयः। विशाडिति विः। रादः।
 छंदः। पंवे। विरिति पंवेः। अविः। वयः। गायत्री। छंदः। निवत्सइति विः। वत्सः। वयः। उरि।

छंदः। तुर्यकाडिति तुर्यः। वायः। अतुष्टुबिलेनुः। स्तुष्टुः। छंदः। धृष्टुवाडिति पञ्चः। वातः। वयः। अ
 छंदः। उर्या। वयः। सुतो। हृहतीति सुतः। बृहता। छंदः। अयनः। वयः। कुतु। छंदः। भुनुः। वयः। अ
 ता। छंदः। अना। वयः। पतिः। छंदः। वस्तः। वयः। विवलमिति विः। वुळे। छंदः। वृष्टिः। वयः। विशा
 वमिति विः। शां। छंदः। पुरुषः। वयः। तदः। छंदः। व्याघ्रः। वयः। अना। पृष्टुमि। तनीः। धृष्टुः। छंदः।
 सिः। वयः। छंदः। छंदः। विष्टुमइति विः। स्तुभः। वयः। अर्घिपतिरित्यर्घिः। पतिः। छंदः। अ
 ना। वयः। मयंदः। छंदः। विश्वकर्मतिविश्वः। कुर्मा। वयः। पुरुमेष्टा। छंदः। मूर्धा। वयः। प्रजापतिरि
 मनाः। पतिः। छंदः। ॥ ११॥ पुरुषो वयः। वडि। इति विश्वः। ॥ ५॥ इहा। न्नी। इतो। इः। अन्ती। अमथमाना।
 वृष्टका। धृष्टतः। सुवा। पृष्ठेना। धावा। पृष्टिवा। इति धावाः। पृष्टिवा। अतदि। सो। वा। वाति। वा। पता। वि
 अतदि। तिविश्वः। कुर्मा। सा। सादयता। अतदिसास्या। पृष्ठे। अचरवती। अथरवती। ना। स्वनी।
 मती। मिति। सति। मती। एति। या। धा। भास्ति। एति। पृष्टिवा। एति। उता। अतदिसा। अना। ॥ १२॥ सायतु।



अंतरिक्षादृष्टा अंतरिक्षा मा हिंसाः विश्वे स्मि प्राणयेति प्रः अनायः अयानयेत्यपः अनायः
 अनायेति विः अनायः दृष्टानयेत्युतः अनायः अति प्राया इति प्रतिः स्थायेः अरिनायः अनायः
 अनातिः पातु मया स्वस्त्वा बुद्धिर्वा १११ शोते मेने तिशोः तमेना तथा देवतया अंगिरसत्वा
 पुत्राः स्वादा रक्षा अस्मि प्राची दिक्वा विराडिति विः राट् अस्मि दक्षिणा दिक्वा सस्माडितिरः रा
 ट् अस्मि प्रतीची दिक्वा स्वराडिति स्वः राट् अस्मि उदीची दिक्वा अर्धपुलीत्यर्थः पुली अस्मि
 देहना दिक्वा आयुः मे पाहि प्राणमिति प्रः अने मे पाहि अयानमित्यपः अने मे पाहि अयानमि
 तिविः अने मे पाहि चक्षुः मे पाहि श्रोत्र मे पाहि मनः मे जिह्वा वाच मे शिखा आस्मानमे पा
 हि ज्योतिः मे पृच्छा ११ बुद्धिर्वापित्वषट् ॥ ११॥ मा छंदः प्रतिनिप्रः मा छंदः प्रतिमिति प्रतिः मा छंदः ॥ ११॥
 अस्त्राविः छंदः पडिः छंदः उच्छिहा छंदः बुद्धता छंदः अनुष्टुबित्युत् स्तु छंदः विराडिति विः राट्
 छंदः मायुजा छंदः त्रिष्टु छंदः ॥ ११॥ अग्निः देवता ११॥ वातः देवता ११॥ देवता ११॥ देवता ११॥

५१२

दृग्ताः। छंदः। पृथुवाः। छंदः। अंतर्विस्। छंदः। योः। छंदः। समोः। छंदः। नर्षात्राणि। छंदः। भनः। छंदः।
 का। छंदः। कृषिः। छंदः। तिरण्याः। छंदः। गौः। छंदः। अजाः। छंदः। अश्वः। छंदः। अग्निः। देवताः। शावानः। दे
 वताः। अर्थः। देवताः। अदमोः। देवताः। बरखः। देवताः। कुडाः। देवताः। आदिताः। देवताः। विस्। देवताः। देवताः। अ
 रतः। देवताः। अहस्पतिः। देवताः। ईदः। देवताः। वरुणाः। देवताः। मूर्धा। अस्ति। राट्। ध्रुवा। अस्ति। ध्रुवर्णा।
 अस्ति। धर्मिजा। इषे। ला। पुष्पा। ला। कृष्ये। ला। सिमोय। ला। येजी। राट्। ध्रुवा। अस्ति। धर्मर्णा। धर्म
 अस्ति। धर्मिजा। आधुषे। ला। वरुणे। ला। ओजस्ये। ला। वरुणा। ला। राट्। देवता। ध्रुवर्णा। धर्मर्णा। आधु
 विदिति। विः। वरुणा। जतः। पंचदश। इति। पंचदशः। अति। विः। ओमा। सप्तदश। इति। सप्तदशः। अति
 निरिति। प्रः। तुलिः। अष्टदश। इत्येष्टदशः। तपः। नवदश। इति। नवदशः। अति। वरुण। इत्येष्टदशः। वरुणः।
 सविः। राट्। इति। सः। विः। राट्। ध्रुवर्णाः। पृथुविः। राट्। इत्येष्टदशः। विः। राट्। ध्रुवर्णाः। सप्तदश। इति। सप्त
 रणाः। ज्योतिः। राट्। इति। ज्योतिः। विः। राट्। ध्रुवर्णाः। वरुणः। योनिः। वरुणः। राट्। इति। वरुणः। विः। राट्। ध्रुवर्णाः। पंचदश। इति। पंच

विःशः॥ ओजः॥ विष्णुवइतित्रिः॥ नवः॥ चतुः॥ एकविंशत्यैकः॥ विःशः॥ प्रतिष्ठेतिप्रतिः॥ शः॥
 शः॥ इतित्रयः॥ विःशः॥ ब्रह्मस्याविष्टपः॥ चतुस्त्रिंशदितिचतुः॥ विःशः॥ नाकः॥ पृथिः॥
 दः॥ विःशः॥ विवर्तइतिविःवर्तः॥ अष्टाचत्वारिंशत्यैष्टाचत्वारिःशः॥ धर्मः॥ चतुष्टयंइतिचतुः॥
 शोभः॥ १॥ आशुः॥ सप्तत्रिंशत्॥ ८॥ अग्नेः॥ भागः॥ आसिः॥ दीप्तायोः॥ अधिपत्यमित्याधिः॥ पुं॥ तः॥
 त्रां॥ स्युतां॥ पञ्चदशइतिपञ्चः॥ दशः॥ स्तोमः॥ नवसंस्मामिति॥ नवसंस्तोः॥ भागः॥ अस्ति॥ बध्नातुः॥
 * अस्मः॥ स्युतां॥ चिदितिचिद्वरा॥ स्तोमः॥ इदस्याभागः॥ अस्ति॥ विष्णोः॥ अधिपत्यमित्याधिः॥ पुं॥ तः॥
 एत्यमित्याधिः॥ पुं॥ तः॥ जनित्रः॥ स्युतां॥ सप्तदशइतिसप्तः॥ दशः॥ स्तोमः॥ मित्रस्याभागः॥ आसिः॥ वर्ण
 स्या॥ अधिपत्यमित्याधिः॥ पुं॥ तः॥ द्विः॥ दृष्टिः॥ वातोः॥ स्युतां॥ एकविंशत्यैकः॥ विःशः॥ स्तोमः॥ आदित्यः॥
 भागः॥ आसिः॥ इच्छः॥ अधिपत्यमित्याधिः॥ पुं॥ तः॥ ओजः॥ स्युतां॥ विष्णुवइतित्रिः॥ नवः॥ स्तोमः॥ वरु
 नः॥ भागः॥ अस्ति॥ १॥ रुद्राणोः॥ अधिपत्यमित्याधिः॥ पुं॥ तः॥ चतुष्पादितिचतुः॥ पादा॥ स्युतां॥

शइतिचतुः॥ विःशः॥ स्तोमः॥ आदित्यानां॥ भागः॥ आसिः॥ नरुतां॥ अधिपत्यमित्याधिः॥ पुं॥ तः॥
 भाः॥ स्युतां॥ पञ्चविंशदितिपञ्चः॥ विःशः॥ स्तोमः॥ देवस्यासुवितुः॥ भागः॥ आसिः॥ दहस्यः॥
 धिपत्यमित्याधिः॥ पुं॥ तः॥ सुमीचीः॥ दशः॥ स्युतां॥ चतुष्टयमइतिचतुः॥ स्तोमः॥ स्तोमः॥ पावानोः॥
 गः॥ आसिः॥ अथोवाचोः॥ अधिपत्यमित्याधिः॥ पुं॥ तः॥ प्रजाइतिप्रजाः॥ स्युतां॥ चतुष्प्रजापरिःशः
 इतिचतुः॥ चत्वारिंशः॥ स्तोमः॥ अक्षुणोः॥ भागः॥ आसिः॥ विश्वेषां॥ देवानोः॥ अधिपत्यमित्याधिः
 पुं॥ तः॥ कृतं॥ निर्वर्तमितिनिःश्रोतो॥ स्युतां॥ चतुस्त्रिंशदितिचतुः॥ विःशः॥ स्तोमः॥ १॥ शवसना
 भागोः॥ सिधईत्यारिः॥ शब्दः॥ ६॥ एकया॥ अस्तुवतः॥ प्रजाइतिप्रजाः॥ अधीयतां॥ प्रजापतिरिति
 प्रजाः॥ पतिः॥ अधिपतिरित्याधिः॥ पतिः॥ आसीत्॥ तिसृप्तिरिति॥ तिसृः॥ मिः॥ अस्तुवतः॥ प्रजा
 अस्यतः॥ ब्रह्मणः॥ पतिः॥ अधिपतिरित्याधिः॥ पतिः॥ आसीत्॥ पञ्चप्तिरिति॥ पञ्चः॥ मिः
 नतां॥ कृतानि॥ अस्यतः॥ कृतानोः॥ पतिः॥ अधिपतिरित्याधिः॥ पतिः॥ आसीत्॥ सप्तप्तिः



पञ्चवः अस्तु ज्ञेता पृष्ठा अधिपतिरित्यधिः प्रतिः आसीत् त्वं च विः श्रुतिपत्रं विः श्रुतिपत्रं
 स्तुवता आरण्यापेक्षः अस्तु ज्ञेता शयुः अधिपतिरित्यधिः प्रतिः आसीत् अन्विः श्रुत्ये
 तिसृषः विः श्रुत्या अस्तु वता धावी पृथिवी इति धावाः पृथिवीः वीतिः राएतो वसवः रुद्राः
 आदिताः अन्वीति अधिपतिः अधिपत्यमित्यधिः पत्नी आसीत् नर्विः श्रुतिनर्विः विः
 राया अस्तु वता वनुस्पतयः अस्तु ज्ञेता सोमः अधिपतिरित्यधिः प्रतिः आसीत् एकत्रिः श्रु
 तित्येकः विः श्रुता अस्तु वता प्रजा इति प्रजाः अस्तु ज्ञेता यावीनां च अधिपत्यमित्यधिः पत्नी
 आसीत् त्रयोविः श्रुतित्रयः विः श्रुता अस्तु वता सतानि अत्रात्मनः प्रजापतिरिति प्रजा
 पतिः परमेष्ठा अधिपतिरित्यधिः प्रतिः आसीत् त्वं च स्वस्वश्रुतिर्विपंचं विः श्रुता
 एव साया प्रथमा वो अदितिर्विः अन्वीता अन्तः अस्यां चरति प्रविष्टेति प्रविष्टः वरु
 णाम् नवमपतिनवमगतो जनित्रा त्रयो एनामहिमानः सवन्तः छिदस्वती श्रुतिः

Indira Gandhi National
Centre for the Arts

॥३३॥

निष्कृतेतिनिःकृतेषु। धर्मस्य। एको। सुविता। एको। नाति। यकृति। या। प्रथमा। गोबुदि
 तिविः। ओष्ठेता। सा। धेनुः। अनुवृत्ता। पुमो। सा। नः। पर्यस्वता। धुसु। उत्तरा। मुनरा। मिलेताः
 ५३ उत्तरा। समो। सुकृतेति। सुकृः। नृभा। नभसा। ओर्तिधा। ऐति। अगात्। विश्वेति।
 विश्वेति। नृबलीः। अग्निवैतुरित्युः। वेतुः। सुमाने। अर्थः। स्वपस्यमानेति। सुः।
 धुयमोना। विनीता। जरा। अजरा। उषः। ऐति। अगाः। क्रतुना। पत्नी। प्रथमा। इयो।
 ऐति। अगात्। अक्रा। नेत्री। जनित्री। प्रजाभूमिति। प्रजानां। एको। सुता। बहुधेति। बहुधा।
 उषुः। वाति। उषसि। अजर्णी। वा। जययुधि। सर्वे। अयत्। ५॥ तुर्जमेको प्रतिमुं चमो
 नाभ्यासुमेकपत्येकात्रविः। शतिश्च॥ ११॥ अग्ने। जोन। प्रिति। तुदानः। सपत्नान्। ॥३४॥
 प्रतीति। अजातान्। जातवेदइति। जातवेदः। तुदस्व। अग्नेः। इति। द्योदिदि। सुमना। इति। ता३
 सुमनाः। अर्देन। तव। स्या। इमिन्। त्रिवरेण। इतिनिः। वरेण्यः। उज्जिदित्युतः। सितः। स



हेसा। जातान्। प्रिति। तुदानः। सपत्नान्। प्रतीति। अजातान्। जातवेदइति। जातवेदः। तुदस्व।
 स्व। अधीति। नः। बुद्धि। सुमनस्यमानेति। सुः। मुनस्यमानेति। वयः। स्याम। प्रिति। तुदानः।
 सपत्नान्। चतुश्चरित्। शदति। चतुः। चत्वारि। ताः। स्तामः। वरेः। इविण। विउता। स्ति।
 मः। ओजः। इविण। धृष्टिमाः। पुरीष। अस्ति॥ १॥ अस्ते। नाम। एवः। छंदः। वरिवः। छंदः।
 नास्ति। रिति। नः। स्तः। छंदः। पुरिस्वरिति। परिः। स्तः। छंदः। आठता। छंदः। मनः। छंदः। यवः।
 छंदः। सिधुः। छंदः। समुद्रः। छंदः। सलिलं। छंदः। सुयदितिसंयतः। छंदः। विषदिति। विः।
 यतः। छंदः। हृदतः। छंदः। रथंतरमिति। रथः। नृरः। छंदः। निकापइतिनिः। कायः। छंदः। वि
 वधइतिविः। वधः। छंदः। गिरः। छंदः। नृजः। छंदः। सुष्टुवितिसंस्तुपः। छंदः। अनुष्टुपतिर
 नुः। स्तुपः। छंदः। कुकुता। छंदः। त्रिकुकुदितिनिः। कुकुतः। छंदः। काव्यः। छंदः। अक्षयः। छंदः॥ १॥
 यदपदि। रिति। पुदः। पदुः। छंदः। अक्षरपदु। रित्यक्षरपदुः। छंदः। विष्टारपदुः। वि

11741

पाः॥ मरुतः॥ स्वकी इति सुः अकीः॥ उरु स्या इत्युः॥ स्याः॥ सगणा इति सः गणाः॥ मानुष पातो अ
 स्मत्॥ पात्रीनां प्रितिः॥ मुचुत्तु अः॥ हसः॥ सातपुना इति साः॥ तपुनाः॥ मुदिराः॥ मादयिष्व
 हि देवानां उग्रतः॥ यविष्ठा विद्वानां कुतूनां कुतुपत इत्युः॥ पुता॥ यजा इहा यो देवोः॥ कुतूनां
 फिः॥ अग्निः॥ सो होतृणां॥ अग्निः॥ आर्या जघ्न इत्याः॥ यजिष्ठा॥ अग्निः॥ यत्ता अया विरः॥ अथुरणा
 होतः॥ पावकाः॥ उग्रो वेः॥ सोहाय्योः॥ कुता॥ यजा सि॥ मुदिना॥ वीति॥ यत्ता॥ सः॥ हया देहा
 विष्ठायाः॥ अया अग्निना॥ इयि॥ अन्नवत्॥ पोषा॥ एवा॥ दिवे दिवे इति दिवे दिवे॥ यत्रो॥ नी॥ र्वे॥ सु॥ सं॥
 ति॥ वारवत्॥ तमे॥ गयस्फा न इति गयः॥ स्फा नः॥ अमा बहेत्ये॥ मितः॥ हा॥ वसु विदिति वसुः॥ वित्ता॥
 पुष्टिर्वर्द्धन इति पुष्टिः॥ वर्द्धनः॥ सुमित्र इति सुः॥ मित्रः॥ सोमानः॥ भुवा॥ गृहमेधा सु इति गृहः॥ मेधा
 सुः॥ एति॥ गता॥ मरुतः॥ मा॥ अप्रति॥ पतन॥ प्रसुचेतु इति प्रः॥ सुचे॥ नः॥ अः॥ हसः॥ पूर्वसिः॥ तिः॥
 दशानि॥ मा॥ शरद्विरिति शरदः॥ सिः॥ मरुतः॥ वयो मर्हा सिरिति मर्हः॥ सिः॥ पा॥ वर्धणा॥ तिः॥

तुष्टिर्वा इरतो वः॥ महा॥ सि॥ प्रेति॥ नामानि॥ प्रयुज्यव इति प्रः॥ युज्यवः॥ तिरु॥ सदा स्त्रियः॥ दम्प
 नाना॥ पुतः॥ गृहमेधायमिति गृहः॥ मेधायो मरुतः॥ जुष्टु॥ उपति॥ या एति॥ प्रवतिः॥ सुदसमिति
 सुः॥ दसो देवा वरुतोः॥ हविर्मेता॥ पुता॥ वा॥ उपति॥ स्वा॥ एनां॥ अन्नमितिः॥ दशु इति नः॥ सुः॥ युः॥ मे
 इति॥ अग्निः॥ वीनतमा नोति वीतः॥ तमानि॥ हव्या॥ अन्नस्रः॥ वृष्टि॥ देवतो निमिति देवः॥ तोति॥ अर्ध
 प्रतातिनः॥ ई॥ सुदपाणि॥ विद्युता॥ क्रीडावोः॥ शर्द्धः॥ मरुतो॥ अन्नवीणा॥ र्वे॥ पुनमिति र्वेः॥ अमा॥
 कर्पाः॥ अग्निप्रेति॥ गायता॥ अलोसः॥ नाये॥ मरुतः॥ स्वचः॥ यसादश इति यसः॥ दवाः॥ नः॥ शुभय
 तो मर्याः॥ ता॥ हर्म्येष्टा इति हर्म्यः॥ स्थाः॥ विद्रावः॥ नः॥ पुत्राः॥ वत्साः॥ ना॥ प्रजीडिन इति प्रः॥ जीडिनः॥
 पयोधा इति पयः॥ धाः॥ प्रेति॥ एषा॥ अन्नैषु॥ विशुरा॥ इवारजने॥ पर्मिः॥ यामैषु॥ यत्ता॥ युजता॥ उमे
 तो॥ क्रीडयः॥ धुनेयः॥ आनदृष्टय इति आनतः॥ कृष्टया॥ स्वयो॥ मुदितमिति मदिः॥ लो॥ पुनयं॥ नः॥ य
 उपदरेष्वेत्ये॥ दरेषु॥ यत्ता॥ अचि॥ ययि॥ वयः॥ इवा॥ मरुतः॥ देन॥ वा॥ चित्ता॥ पयो॥ अत्ता॥ ति॥



②

[illegible]

नी ३

आशु उरं च। दिक् विचैः। तौ देवाः। अविपतय इत्यर्थः पतयः। वरुणः हेतोः। प्रतिधुनेति प्रतिः।
धनी। एकविंशत्यर्थः। विंशः। द्वा। स्तोमः। पृथिव्यां अथवा निषेधस्य। नृत्तं। न्याः। अथवा यदन्तः। न्याः।
तु वरुणः। स्तोमः। प्रतिधिया इति प्रतिः। स्थितौ। अविपतया धिः पत्नी। आशि। बहता। दिक्। मूरु
तः। तौ देवाः। अविपतय इत्यर्थः पतयः। २॥ बहस्यतिः हेतोः। प्रतिधुनेति प्रतिः। धनी। विणव
त्रयस्त्रिः। शविति विणवः। त्रयास्त्रिः। तौ। न्याः। स्तोमः। पृथिव्यां अथवा निषेधस्य। नृत्तं। न्याः।
आ श्वदेवः। निमरुते। नृत्तं। इति। अथेथयः। तौ। इति। स्तुनी। तौ। न्याः। बहस्यतिः हेतोः। प्रतिधुनेति प्रतिः।
३। इति। प्रतिधिया इति प्रतिः। स्थितौ। अन्तरिक्षायाः। नृत्तं। न्याः। प्रथमजा इति प्रथमः। तौ। देवः।
दिवः। भ्रात्रेया। विष्णोः। प्रथमजा विधुनेति विधुः। धनी। त्रयाः। अविपतिरित्यर्थः। पतिः। त्रयाः। तौ।
न्याः। चन्द्रिदः। शविति न्याः। विदना। न्याः। केत्या। पृष्ठो। सुवर्गः। इति सुवः। भोक्तो। यजमानः। न्याः। तौ। देवः।
॥ २॥ प्रतीजो दिशु रतस्ते देवाः। अविपतयश्च तौ। नृत्तं। न्याः। २॥ अथवा पुरः। हरिकेश इति हरिः। न्याः।



मोः पाः अजनिष्ठा जगद्विः अग्निः सुदस्य रितिसुः दसः सुनिर्वाय नयसो पुनर्पती कुश्चिद्विदुः
 प्रदीपः सुदतादिनिष्ठो रितिविः स्वर्गाद्युमदितिसुः मन्त्रोवाति भाति भर्तुः सः अग्निः वेतः
 अग्निः वेतः ॥ शशुहो ॥ द्वितो अग्निः अविद्वन्ना विप्रियाणां वनं वनरितिसुः द्वेः द्वेः ॥ नायसो
 व्यमानः सहः ॥ महतः सोऽग्निः सहसः पुत्रो अगिरा ॥ यज्ञस्य वेतुः प्रथमः पुत्रो हितमिति पुत्रः
 द्वितो अग्निः नरः ॥ त्रिः बधुः सहितविः सुपुत्रः समितिः इधुनो इधुना द्वेः ॥ सुपुत्रमिति सः सः
 सः बर्हिषि सा देवनातिहोता ॥ यजर्थाया सुपुत्रवितिसुः कुतुः ॥ ना विजयं वसमेति ॥ प्रथमः
 वः तमः सहवेतः विष्ठा ननवः गोविदेनामिति गोविः कुतः ॥ पुत्रप्रियेति पुत्रः प्रिया अग्निः हवा
 धातोर्देवाः सखायः समितिः वः ॥ सुम्यं देव ॥ ॥ स्तोमः ॥ अग्निर्वा वरिष्ठायाः क्षिता ता नमः ॥
 नमः सहस्वतो सः सुपुत्रमिति सः सुः इतः पुत्रो सः वधुः अग्निर्विदिना अर्थः आः इतः पुत्रः समितिः
 इधुसोः सः नः ॥ वरुनि एति भुरा एना वः अग्निः नर्मसा पुत्रः ॥ वर्षतो एति हवा प्रियः ॥

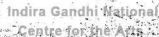


पुजा २

[illegible]

सा सा च वा रि श श च ॥ ५ ॥ ब्रह्मस्य तिः ॥ सा ॥ सा दय तु ॥ दृष्टि व्याः ॥ दृष्ट ॥ ज्योति भती ॥ विष्णवे ॥ अ
पा ये ति प्रः ॥ अना यो ॥ अ पा ना ये त्य पः ॥ अना यो वि ॥ ज्योतिः ॥ युद्ध ॥ अग्निः ॥ ते ॥ अ धि पति रि स्या ॥ धि
पतिः ॥ विष्णवे ॥ ज्योतिः ॥ कुम्भी ॥ ता ॥ सा दय तु ॥ अन्तरि सस्या ॥ दृष्ट ॥ ज्योति भती ॥ विष्णवे ॥ अ
पा ये ति प्रः ॥ अना यो ॥ अ पा ना ये त्य पः ॥ अना यो वि ॥ ज्योतिः ॥ युद्ध ॥ वा युः ॥ ते ॥ अ धि पति रि स्या ॥
पतिः ॥ पुना पो त्ति रि पुनाः ॥ पतिः ॥ सा ॥ सा दय तु ॥ दिवः ॥ दृष्ट ॥ ज्योति भती ॥ विष्णवे ॥ अ पा
ये ति प्रः ॥ अना यो ॥ अ पा ना ये त्य पः ॥ अना यो वि ॥ ज्योतिः ॥ युद्ध ॥ पृथ्वी ॥ ते ॥ अ धि पति रि स्या ॥
पतिः ॥ पृथ्वी ॥ सन्नि रि पृथ्वी ॥ सनिः ॥ अ सि ॥ अन्तरि स्या ॥ सनिः ॥ अ सि ॥ पृथ्वी
ये ति रि विष्णुः ॥ सनिः ॥ ॥ ॥ अ सि ॥ सन्नि रि स्या ॥ सनिः ॥ अ सि ॥ पृथ्वी
ये ति रि विष्णुः ॥ सनिः ॥ अ सि ॥ अग्नेः ॥ यानी ॥ अ सि ॥ देवानी ॥ अग्ने यानी ॥ सग्ने यानी ॥ आ सा दय
तु ॥ यानी ॥ अ सि ॥ देवानी ॥ वा यो यानी ॥ ता वा यो ॥ यानी ॥ अ सि ॥ अन्तरि स्या ॥ यानी ॥ अ सि ॥ पृथ्वी
ये ति रि स्या ॥ यानी ॥ अ सि ॥ अन्तरि स्या ॥ अ सि ॥ अन्तरि स्या ॥ सा ॥ सन्नि रि स्या ॥

॥३॥

[illegible]

अनादृशं तत्त्वमसि धृतं अत इति एतत् अतः मधुसूत इति मधुः सुतः। वर्जस्वतीः
 दिने इति स्वधाः विनीः ताः मो अनादृशं काः धेनवः सुतु। विराज इति विराजः। ने
 मृदुया इति मधुः दुधाः। अमुनी अमुमिना लोको। २॥ सवेता रुद्राणां मधुतेन पेनेन वि
 ज्ञा। ११॥ समिति नित्यः इति दिशाः आशयोः नः। सुवर्वादि नित्यः सुवः वितः मधाः अतः माधवः।
 पातु अस्मान् अग्निः। देवः दुष्टरातुः। अदाभ्यः इदं। सज्जः रसता पातु अस्मान्। रथेतर
 ति रथः नुर। सामेभिरिति सामः। सिः पातु अस्मान्। गायत्री छंदसा विष्णुरूपेति वि
 ष्णुः रूपाः निवृदिति जे वृत्तः नः। विष्णवेति विष्णुः। स्तोमः अक्रोः। समुद्रः वातः। इदं।
 ओजः। पिपुनोः उद्याः दिशाः। अमिर्षति रित्यमिः पतिः। वयोधा इति वयः। धोः। शुचिः। शुजः।
 अहनि। ओजोः। ओजः। इदं। अपिपति रित्यपिः पतिः। पिपता त्व अतः नः। मदि। १॥ सज्जः।
 विष्णवः। धारया इदं। ब्रह्मता सामे। सज्ज इति सज्जः भवो ब्रह्म इति धूमिति वयः वृद्धिः
 योः। त्रिभुजा ओजः। भुसितं उद्यवी रमित्युग्रः वीरः इदं। स्तोमः। पुनरुननेति पयः दहनः।

मधुः इदं। सतेन। समरेणा रसा प्राची दिशाः। सहयका इति सहः यकाः। यशस्वती। विष्णु देवः।
 आवषा। अक्रोः। सुवर्वाती नित्यः वती इदं। सज्जः। उष्टराः अस्तु। ओजः। अनादृशं मित्यनादृशः।
 सदृशः। २॥ स्वरा वेरुपा सामेना इदं। तत्त्वा केना जगेत्या एना विष्णुपति वेरायाम। नि
 ज्ञे। देवाः। सुमद्वेनेति समः द्रोने। रागः नदीः इदं। सज्जः। सुकिलरानेति सलिलः। वानः।
 योः। धृजः। दिशाः। सज्जः इदं। दाधार उपस्केल्यः स्त्रोः। आशना। निवृदिति मित्रः वृत्ता
 अस्तु। ओजः। मित्रावरुणमित्रीः वरुणा। वाररा। अक्रोः। त्रिकुल इति। अस्मान्। ओजः।
 १॥ सज्जः। मधुः। ता वेराजो सामेना अधीतिना मनीषा। अनुद्यनेत्येनुः स्तुता। २॥ इत
 मिति सज्जः। ता योः सहः। इदं। सज्जः। मित्रवदिति मित्रः वृत्ता। आर्द्रा नित्यार्द्रः दत्तु मि
 त्रावरुणमित्रीः वरुणा। रदते। आधिपत्ये रित्याधिः पत्येः। सम्प्रादिति सज्जः इदं। समः।
 सहस्यान्ता नित्यसहः साम्नी। सहस्वती। क्रतुः। हमतः। विष्णवेति विष्णुः। नः। पिपता।
 देवः। निश्चयवस्यः वातः। ३॥ ब्रह्मता। नाराक्षेत्रीः। इमो यज्ञो अवतु नः। एता योः।

०५१०
 ५५

[illegible]

अथो वृत्तः। अथिवनेत्येविकाः। प्रथमः देवः। अथिवका अहो न। ना सवीन। जंभयन। सहीन।
 यानुधुन्ये इतिरतुः धान्यः। असीयः। ताभः। अरुणः। उता वः। सुभगे इति सुभः।
 यो। उता मोः। रुद्रः। अनितः। दिसु। रा। मिताः। सदस्वरा इति सहस्वराः। अदेति। एपा। हेउः।
 इमहा। असीयः। अवसपुनीत्येवः सपति। नीलेयी वृत्तिनालेः। श्रीवः। विलोहित इति विः।
 लोहितः। उता एनः। गोपा इति गोः। पाः। अट्टान। अट्टान। उदका पद इत्युदः। दार्थः। उता एनः।
 विष्वा। हतानि। सः। ट्टः। म्। इयति नुः। नमः। अस्तु। नीलेयी वायेति नीलेः। श्रीवाया सह
 स्मासायेति सहस्वः। असाये। मादये। अथो इति। यो। अरुणः। सहीनः। अहः। तेभ्यः। अकुः।
 नमः। प्रेति। मुंवा। धन्वेनः। ले। उभयोः। आर्त्तियोः। ज्योयाः। नुते। हस्ते। इयवः। रा। परेति।
 ताः। नृगुवृत्तिनगः। वः। वेपः। अतयेत्येवः। तया धनुः। ले। सहस्वायेति सहस्वः। अस्तु।
 जनेषु धृतिरातेः। इधुः। नित्रीयेति निः। रायी। कात्माना। सुखा। निवः। नः। सुभना इति
 सुभनः। नेवा विमिति विः। यो। धनुः। कपदिनः। विशल्य इति विः। शल्यः। बाणवानिति बाणः

यानु। उता। अनेशन। अस्या इषवः। आनुः। अस्या निषेगार्थः। यानु। हेतिः। मादृष्टमेति मादृष्टः। तनाह
 स्तो ब्रह्मवाता धनुः। तया अस्मान्निष्वतः। ले। अथुस्मया। परीति नुजः। नमः। ति। अस्तु। न्नायेया
 य। अनात तोयेत्यनाः। तताया धृष्टवै। उभान्मा। उता ति। नमः। बाहु। अमिति बाहुः। स्मात वा धन्वेन।
 परीति। ते। धन्वे। हेतिः। अस्मान्। वृणक्तु विष्वतः। अथो इति। यः। इषु। धिरे। ती। वृष्टिः। तवाः।
 आरे। अस्मत्। नीति। धृति। ता। होह स्नेहिष्ठिषव उभाभ्या हाविः। वातिस्वा। नमः। हिरण्यबा
 हवः। इति हिरण्यः। बाहुवै। सेनाभ्य इति सेनाः। बन्वादिशो। वा। पतये। नमः। नमः। वृक्षेभ्यः। धरि
 के। नोभ्य इति धरिः। के। नोभ्यः। पृथ्वी। पतये। नमः। नमः। सास्थिजराय विपीमनु इति विष्वः। न
 हो। पृथ्वी। पतये। नमः। नमः। बल्लुकाया विआधिन इति विः। व्याधिने। अन्नातो। पतये। नमः।
 नमः। हस्तिवरायेति हस्तिः। कुराया उपातिन इत्युपातिने। पूषा। पतये। नमः। नमः। नमः।
 हेलो। जंगः। ता। पतये। नमः। नमः। रुद्राये। अतता विन इत्या तता विने। क्षिनापा। पतये। नमः।



उत्तमः प्रणीताविति प्रः नीतोः मानः महानोऽतः मानः अर्धकोः मानः
उत्तमः उत्तमानः उत्तिताः मानः बुधाः पितरः मातुना मातरा विद्याः मानः तत्तुवः
रुद्रा रविषः मानः तोयः तनयः मानः आयुषि मानः गोषु मानः अश्वेषु रविषः
वा रात्रि मानः रुद्रा नीमिनः बुधाः हविर्धनः नर्मसा विधे मते आरात्राते गोघ्न इति
गोघ्नोऽतः पूरय घ्न इति पूरयः घ्नोः सुयक्षरायति सुयत्तः वीराया सुन्नो अस्म इति तो
अस्तुरक्षा चानः अधीति ना देवा रुद्रा अया चानः शमे यथा द्विर्वा इति द्विः बर्हास्तु
हिराश्वतो गर्नसदमिति गर्नः सदा युवानो मृगाना नीमा उपहन्तु उच्यः मृडा जारित्रा रुद्रा
स्तवानः अन्वोते अस्मन्नाति वेषंतु रानाः परीति नः रुद्रस्य इति वेषन्तु परीति
वेषस्य इमिति रिति उः मतिः अघ्राया रिसघः योः अवेति खिरा मधव अ इति मधवतः
न्यः तनुषा मी दुः तोकाया तनयया मृडा मी दुष्टमेति मी दुः तमा श्रिवतमेति श्रिवः तमे
श्रिवः नः सुमना इति सुमनाः नवा परमे वृक्षा आयुषा निधायति निः धाय कर्त्त

भर्तः। परमछन्द इति परमः छन्दः। वरः। एति। विवेकाविश्वकर्मतिविश्वः कुर्मा। मन्सा। यत्ता। विद्यापति
 विः। हायाः। धातो। विधातेतिविः। धाता। परमाउता। सेदगितिसंः दृकोतेषां इष्टानि। समिति। इका। मुद
 ति। यत्रासुपुषनिति। ससाः। चोना। परः। एका। आहुः। यः। नः। पिता। जनिता। यः। विधातेतिविः। धाता।
 यः। प्रः। सतः। अस्ति। एति। सदा। जजा। मा। यः। देवा। नो। नमः। धा। इति। मा। मः। धाः। एका। एवा। तो। सु। प्र
 मिति। सः। प्रः। सु। वना। यति। अन्त्या। ते। एति। अयु। इता। इविण। समिति। अस्मै। त्वेयः। पूर्व। जे
 तारः। ना। हिना। अस्ती। सती। रजसः। विमान। इतिविः। माने। यो। पूतानि। सम। वृण्वनि। सः। य
 कृण्वन्। इमोति। ना। तो। विद्यायः। इदं। जजा। नो। अन्त्या। युष्माकं। अतः। रं। अवाति। नीहारेण। प्राव
 ताः। ज। ल्या। वा। अस्तु। पश्यत्यसु। तपः। उख्यता। सुइत्यस्यः। आसः। चरति। परः। दिवा। परः।
 ना। एष्टिवा। प्ररः। देवेति। अखरेः। गुह्यं। यत्ता। का। स्त्रिता। गमै। प्रथमादुष्टा। आपः। यज्जिह्वी
 समगं। तेति। सः। अगं। तः। विष्वा। ता। इता। गमै। प्रथमादुष्टा। आपः। यज्जिह्वी। समगं। तः। सः।
 अगं। तः। विष्वा। अजयः। ना। नो। अवाति। एका। अर्चिता। यस्मिन्। इदं। विष्वा। वनेना। अवाति।

॥५५॥

अति। विश्वकर्मतिविश्वः कुर्मा। हि। अर्जनिष्टा। देवः। आता। इता। गंधर्वः। अभवता। द्वितीये। ततः। ए। वि
 ता। जनिता। ओषधीना। एषा। अषा। गमै। वाति। अदधात। पुरजति। पुरा। ज्ञो। वै। सुषः। पिता। मन
 सा। हि। धारः। पुत। एनइति। अनेन। ताननमात्रे। इति। यदा। उता। अताः। अददः। दंता। हवी। आता। इ
 ता। धावा। एष्टिवा। इति। धावाः। एष्टिवा। अप्रथता। विश्वतश्च। सुरिति। विश्वतः। उस्तु। उता। विश्वतो। सु
 खइति। विश्वतः। सुरतुः। विश्वतो। हस्तइति। विश्वतः। हस्तः। उता। विश्वतस्मादिति। विश्वतः। एता। स
 मिति। इह। म्या। निति। मा। ह। म्या। नमेति। समिति। पनेत्रै। धावा। एष्टिवा। इति। धावाः। एष्टिवा। जून
 यन। देवः। एका। कि। स्त्रिता। आसा। त। अष्टिवा। नमित्वजिः। स्थाने। आरे। भणमि। याः। रं। मण। वृते। म
 ता। स्त्रिता। दि। आसा। त। यदः। समि। जूनयन। ना। विश्वकर्मतिविश्वः कुर्मा। वाति। धा। ओषधीना। म
 दिना। विश्ववसा। इति। विश्वः। वसाः। कि। स्त्रिता। वना। का। उता। वृक्षः। आसा। ता। यतः। धावा। एष्टिवा। इति
 धावाः। एष्टिवा। नि। एत। सुरिति। निः। ततः। सुः। मनीषणः। मनसा। एत। इता। उता। यत्ता। अन्त्या



तिष्ठदित्यधिः अतिष्ठत्तुर्वनानि धारयन्नायाति धामानि पुरमाणि या अयमाया मय्यमा।
 विश्वकर्मजितिविष्वकर्मन्। उता इमा त्रिहो सविभूति सविभूः हविषि स्वधा वदति स्वधा
 वः स्वधा युजस्व तनुवं जुषाणः। वाचः। एति। विश्वकर्मन्। एति। विश्वः। कुर्मन्। उता यो। ए। मुने।
 युजामिति मनः। युजः। यजे। अया हवेम। स्वः। नः। नेदिष्ठा। हवनानि जोषता विश्वत्र पूरिविष्वः। त्रि४
 वासः। अवंसे। साधुर्मैतिसाधुः। कुर्मन्। विश्वकर्मजितिविष्वकर्मन्। हविषा। वारुधानः। स्वः। य
 जस्व। तनुवं जुषाणः। मुद्यंतु। अयो। अमिति। सपत्न्या। इह। अस्माकं मघ वेति मघं वा। सरिः। अ
 स्ता। विश्वकर्मजितिविष्वकर्मन्। हविषा। वदनेन। ज्ञाता रोइइ। अहणाः। अयमो तस्मै विशः। ॥५६॥
 समिति। अनमंता। पुवः। अयः। उयः। विहव्य इति विहव्यः। यथा। असन्। समुद्राया। वयुनाया। त्सिं
 ना। पतये। नमः। नदीनां। स्ववीसा। पित्रो। जुहुता। विश्वकर्मन्। इति विश्वः। कुर्मणे। विश्वा। अहा। अ
 मर्त्यं। हविः। ६॥ जज्ञाने नो पथानां। समिजनयन्तयेनमो नववा। रा उदिति। एनं। उत रागि युक्त

नुरो। उयः। अग्निं धृतेन। आहृतया। हुता रायः। पोषेण। समिति। उज्जा। प्रत्ययेति प्रजया। ज्ञाने
 ना। ज्ञाइइ। इमं प्रनेरामिति प्र। नुरो। कृष्टि। सुज्ञाता नामितिस। ज्ञाता ना। असुत। पुत्री। सोम
 ति। एना। वचैसा। स्तेजा। देव्यः। रागया इति रागः। धाः। असुत। यस्या। कुर्मः। हविः। गदे। तं। अग्ने।
 वर्षया। सोम रश्मि देवाः। अधाति। ब्रुवन्। अथा। वा ब्रह्मणः। पतिः। उदति। उता। विश्वो देवाः। ॥१॥
 अग्ने। प्रतु। विति। मिरिति। चित्तिः। सिः। सः। नः। नवा। शिवन्म इति शिवन्तुमः। सुप्रतीक इति
 सुप्रतीकः। विना वसुरिति विनाः। वसुः। पना। दिङ्। देवाः। यज्ञा। अयन्तु। देवाः। अपेति। न
 मति। दुर्मैति। मितिङ्। मति। बाधमानाः। रायः। पोषे। युजपतिमिति युजः। पति। आमजंती
 रित्या। मजंतीः। रायः। पोषे। अधाति। यज्ञाः। अस्मात्। समिह इति सं। इहो। अग्ने। अय
 ति। मा मृहानः। उक्थपत्र इत्युक्थः। पुत्रः। ईश्या। गृहानातः। नृसा। धुम। प्रदिग्गृह्यति परिगृ
 ह्य। अयजंती। पुत्री। यती। यज्ञा। अमता। देवाः। ईमया। धृते। ज्ञाते। देव्यारति देव्यः।



सुधाः सुः युधः इन्द्रः गणेशः सः सुष्टुजिदितिसः सुष्टुजितः सोमपादितिसोमः पाः सः
 इन्द्रादितिकादः श्राद्धादुधधुनेलुधः धुन्वाप्रतिदितामिरतिप्रतिदितामिः अस्तो ब्रह्म
 स्यतो परीतिः द्यायाः शार्वनाः इन्द्रादितिरसुः हाः अमित्रान् अपवाधमाने इत्ययः बाधमा
 नः अमुजान्तिषः मज्जनाः सनः प्रमण इति प्रमणः युधाजयेनः अस्माकं एधिः अविना
 रथानां गोः अमिरमिति गोः अमिदगो विदमिति गोः विदः वज्रबाहमिति वज्रः बाहः जयः
 अज्मः प्रमणतुमिति प्रमणतो अजसाः इमोः सजाता इतिसः जातोः अन्वितिः नृपयधः इ
 द्रोः वायः अन्तुः समिति नृधः बलविज्ञोय इति बलः विज्ञायाः स्वविरः प्रवार इति प्रवा
 रः सहस्वानाः वज्राः सहमानः उग्रः अमिबीर इत्यमिः वीरः अमिसत्तेत्यमिः सुखाः सहजा
 इतिसहः जाः जैः इन्द्रादितिरसुः तिष्ठामो विदिति गोः विदमि अस्मिती गोः अणिः सहसो गो
 हमानः अराधः रावीरः शत्रुमनुविति शत्रुः मनुः इन्द्रः दुःश्रुवन इति दुःश्रुतः एतन्नायः

॥५८॥

अथः अस्माकं रेवः अवनुः प्रेतिः युस्वितियुतः सुइन्द्रः आस्तो नेता ब्रह्मस्यतिः दक्षिणा
 धनुः पुरः एतः सोमः देवसैनानामिति देवः सैनानोः अमिभुजंतानामित्यमिः भुजंतानो ज
 यंतानो भुजंतः यंतुः अग्रे इन्द्रादितिरसुः वरुणस्य राक्षः आदित्यनो भुजतोः इन्द्रः उग्रः अम
 भनः मिति भुजः भुजतोः भुवनः भुवानामिति भुवनः भुवानोः घोषः देवानां जयतोः उदिति अ
 स्माकं अस्माकं इन्द्रः समन्वितिसः अतथाः धुजेषु अस्माकं थाः इवैवः ताः जयतुः आ अस्मा
 कं वीरः उग्रः इत्युतः तरे नवतुः अस्मान् उदेताः अवतः हवेषा उदितिः इषुधाः मधुवज्रिति मधु
 वज्रः आधुधाना उदितिः सर्वनां आभुकां नो महः सिद्धितिः इन्द्रादितिरसुः इन्द्राजिनो
 वाजिनानां उदितिः रथो नां जयतां एतुः घोषः उपेतिः इतुः जयतः ननुः क्षिराः वः सुतः वा
 हवः इन्द्रः वः शमीः धनुः अनाधुषा इत्यनाधुषाः यथा अस्य अवरुष्टयवः सुखा
 परेतिः पता शत्रवे ब्रह्मसः मिति त्रिलः सः शिता गडाः अमित्रान् प्रेतिः जाविना माः एधा



अपेति धेति वाजीः विधेमोति परमेजमना अग्ने विधेमोस्तेभ्यः अरवे सुधसु इति सुधः खो यस्यात्
यो नः बुद्धिस्थे सुतः आविष्टाय जितो प्रेति वे इति ह वा विष्णुने सुमिह इति स इहो तो र वि
तुः वरेण्यस्या विजोः एति अहो वृणो सुमतिमिति सुः मतिः पृथ्वेज्यामिति विष्वाज्यायाः अ
स्या कर्कः अहो हत प्रयोजनमिति प्रः पीनाः सह स्वधाशमिति सहस्त्रः अयोः ॥ १ ॥ पयसो मदाः ॥ स
प्तो अग्ने सामिध इति सः श्वेः सुसाजिहोः सुसाजैः यः सुसाधामो मिथणिः सुसाहो जः ॥ स
पथेति सप्तः धाः सा पृजतिः सुसायोमीः एति वृणोस्तु घृतेन ईहः ॥ ३ ॥ अग्न्या दृष्टः च एतु दृष्टः ॥ ३ ॥
प्रतिदृष्टिप्रतिः दृष्टः चामितः ॥ ३ ॥ संमित इति सः मितः ॥ ३ ॥ समैरा इति सः नराः ॥ ३ ॥ अज्योतिरिति
अज्योतिः ॥ ३ ॥ विज्योतिरिति विज्योतिः ॥ ३ ॥ सत्यज्योतिरिति सत्यज्योतिः ॥ ३ ॥ नद्योतिष्मानः ॥ ३ ॥
सत्यः ॥ ३ ॥ अतदा इत्येतः पाः ॥ ३ ॥ अत्यः हा इत्यति अः हाः ॥ ३ ॥ अतजिह्वेतः जितः ॥ ३ ॥ अतपजिह्व
तिसत्यजितः ॥ ३ ॥ अतजिह्वेतः जितः ॥ ३ ॥ सुषेण इति सुः सेनः ॥ ३ ॥ अत्यमिह इति अतिः ॥ ३ ॥
अमित्रः ॥ ३ ॥ अगणः ॥ ३ ॥ सत्यः ॥ ३ ॥ धुवः ॥ ३ ॥ धुवः ॥ ३ ॥ धुवः ॥ ३ ॥ धुवः ॥ ३ ॥ धुवः ॥ ३ ॥

[illegible]

स्यते। वीरुगइतिवीरुः। ओगः। हि। कथाः। अस्मत्प्रवेत्यस्मत्प्रवरता। प्रतरणइतिप्रतरणः।
 सुवीरइतिसुवीरः। गोप्तिः। सन्नइतिस्वन्नः। अस्मि। वीरयस्व। आस्थातातेत्यां स्थाता।
 ते। जयतु। जे। क्षाति। दिवः। पृथिव्याः। पुरीति॥५॥ ओजः। उद्धतमित्युतः। भूतं। वनस्यति। अइतिव
 नस्यतिः। अः। पुरीति। आभूतमित्याभूतः। सद्ः। अयोः। आम्भान्। पुरीति। गोप्तिः। आवृत्त
 मित्याः। वृत्तः। ईदृश्या। वज्जः। हविषा। रथः। युजः। ईदृश्या। वज्जः। मरुतो। अनीकः। मित्रस्यागर्भः।
 वरणस्यानापिः। सः। इमाः। नः। हव्यदातिमितिहव्यदातिः। युषाणः। देवारया। प्रतीति। हव्या
 गभाया। उच्येति। आसया। पृथिवी। वृता। द्या। पुरजतिपुरुः। ज्ञातो। मनुतो। विच्छित्तमिति। वि
 स्थिते। जगतासः। कुडुमे। सज्जरिति। सः। नः। इदं। दैवैः। दशता। द्वाद्वीयः। अवेति। सिधा। न
 नूनः। एति। जेदया। वले। ओजः। नः। एति। धाः। निरिति। स्तनिहि। दुरितेति। दुः। इतो। बाधमानः।
 अवेति। प्रेथा। दुडुमे। दुडुना। नः। इतः। ईदृश्या। मुष्टिः। अस्मि। वीरयस्व। एति। अम्भः। अजः। प्रहा
 वनयेतिप्रतिः। आवृत्तया। इमाः। वेतुमदिति। कुतुः। मतः। कुडुप्तिः। वावदति। समिति। अन्वपण

॥६२॥

इत्यर्थः। पण्तिः। प्रतीति। नूनः। अस्माकं। ईदृश्याः। ज्ञातं। ॥७॥ वनन्महिमानं। आर्त्तणा। सोदि
 ति। पृथिव्याः। परिदृश। ईदृश्याः। वारिः। वचः। द्या। यत्। अक्रदः। प्रथमं। जायमानः। वृषान्। लुतः। यन्।
 समुद्रात्। उता। वा। पुरी। वातः। यनस्या। पसा। इति। पसा। इति। उपस्तु। सनि। सुपः। स्तुते। महि
 ताते। जेदः। जेनेन। दन्ते। जितः। एनः। अयुचकः। ईदः। एनः। प्रथमः। अधाति। अतिष्ठता। गध
 वः। अस्या। रक्तः। अगभाते। सूरोता। अन्धो। वृत्तः। निरिति। अतुष्ट। अरि। यमः। अलि
 आदित्यः। अग्निः। अस्ति। जितः। युधेना। वृत्तेन। अरि। सोमना। समया। विप्रे। इति। विः। एतः। ॥१॥
 आदुः। तः। जीणि। वेषनाति। जीणि। तः। आदुः। दिवि। वेषनानि। जीणि। अस्मि। यः। सु। जीणि। पुं
 तः। समुद्रात्। उता। इमो। वरणः। छेदितः। अर्वन्। यन्। तः। आदुः। परमं। जनित्र। इमाते। वाजिरे।
 अवमाजिनाना। त्येव। मादीनानि। इमा। राफाना। सुनिनुः। निधनिति। निधाना। अनीते। जडा।
 रशानाः। अपदया। कृतस्य। धाः। अतिरसतीत्यपि। रक्षतिः। गोपाइतिगोपाः। आत्मानो। मन



ति ५

सा आराता अजानो अयः दिवा ॥ २ ॥ पतयते पुत्रो गिरिः अपर्या पथि मिरिति पथि सि
सुगेमिदिति सुगेमिः अरुण पुरित्येयः तिः अहमाने पुत्रो अत्रो रूपं पुत्रममि
सुतः सम अयः जिगममागो इषः एति पुत्रो गोः यशो तो सतेः अनितो मेगो ना
नटा आता इति अविषः अषधः अजो गोः अनितो रथः अनिति मयः अवेन
अनिति गावः अनि मगः कुना ना अनिति जाली सः तव अयः ईयः अनि दुवा ॥ १५
ममि रावा र्था ताति हिरेण्ये गइति हिरेण्यः अंगः अयः अस्या पादाः मने जगइति
मने जगः अवेरः इदः आसीत दिवाः इति अस्या दविर घुमिति हविः अवे आधना
यः अवेन प्रथमः अतिष्ठ दिव्यः अतिष्ठ इमो तो सुइतीमः अता सुः सिलिके मे
धमा सइति सिलिके मधुमा सुः समिति स्वरणा सः दिवा सः अताः इः साः इवा अ
णिता इति अणिः राः यततो यतो आसिष्टुः दिव्यः अजो अवाः तव शरीरे पुत्रे यिष्ठु

॥ १५ ॥

अइमः तव विज्ञो वरतः इवा धनीमानः तव अंगो जि विष्ठु तेति विः स्विता पुत्रेति पुरः जा
अरेण्येषु जगइतया अरेति उप ॥ ४ ॥ प्रेति अगात्रा वसेन वाजी अवी देव इवेति देवो
को मने सा दीधनः अजः पुरः जी मने नापिः अस्या अनिति पुत्रा ता केवयः येति रेना
उपो प्रेति अगात्रा पुरमा धता सधस्थमिति सुधः खो अवी ना अछो पितरा मातरं ना अछो देवा
ना सु एतमइति सुतः तमः हि मियाः अयः एति शांता दाम्बुधो वायणिणा पाव एतो दिवा वा
यमपे का जे वसो र्पु शब्दो ॥ ७ ॥ मा नः मित्रः तरेणः अयमा आधुः इदः अज सा इत्ये सु
साः मरुतः पुरः तो रेण्य ना यता वाजिनः देव जात स्येति देव जात स्युः सतेः प्रवृत्त्या मइत प्रवृ
त्त्या मः विदुषो वीर्याणि यता निर्णि जेति निः निजो रेवणा सा प्रावृत्त स्या राति गृभीता मु
रुवतः अर्थति सुशा डि तिसुः प्राडः अजः मिम्यता विश्व रूप इति विश्वः रूपः इदं प्रच्छादि
ती इपुच्छोः प्रिया अपीति एति पोथ्यः एषः छागेः पुरः अवेन वाजिनो पूछः नो गो

॥४३॥

॥३॥

ਜ਼ਿਕਰ

रितिः
नृपयति प्रयातः न। प्रोचति रितिः कसितिः। च प्रोधातिः। च प्रो कठः। ३५

[illegible][illegible]

三、

बुद्धेयः।

Indira Gandhi National
Centre for the Arts

मो अक्षिपतिरित्यधिः पतिः चामे। अउपाः पुरित्युपः अः शुः चामे। अत्रयामहयतः यामः।
त्रामेरेदवायवदत्येदवायवः। त्रामे मत्रावृणइति मत्राः वृणः। त्रामे आश्विनः। त्रामे
प्रतिपक्षानइति प्रतिपक्षानः। चामे मृगः। चामे मथाः। चामे आश्रयणः। चामे वैश्वदेव
इति वैश्वदेवः। चामे ध्रुवः। चामे वैश्वानरः। चामे क्रतुयहाइत्यतुः यहाः। चामे अतिआ
हाइत्यतिआहाः। चामे अण्डानइत्यण्डः अन्तः। चामे वैश्वदेवइति वैश्वदेवः। चामे मुरल
तायाः। चामे माहइति महाइदः। चामे आदित्यः। चामे सावित्रः। चामे सारस्वतः। चामे
मो घोषः। चामे पालीवतइति पालीवतः। चामे हारियोजनइति हारियोजनः। चामे पा
क्रतुयहाअतुस्त्रिः शत्राः। चामे बृहिः। चामे वेदिः। चामे छिष्टियाः। चामे सुवः।
चामे अमृताः। चामे आश्रयणः। चामे स्वरवः। चामे उपरवाइत्युपरवाः। चामे अक्षिप
तिरित्यधिः सर्वना। चामे दोणकुलत्राइति दोणः कुलत्राः। चामे वायव्यानि। चामे पूतः। दि

והנה

तत्पुत्रः भूता चामे आधुवनीय इराः धवनीयः चामे आगी प्रमित्याग्निः इष्टः चामे हविर्ह
 नमिति हविः धाने चामे गन्धः चामे सिद्धः चामे पुरोडासाः चामे पंचतः चामे अ
 वृष्य इत्यवृष्यः चामे अग्निः कारी चामे पाण्डुह्यषाडरा चामे टा
 चामे पुनः चामे अर्वाः चामे सूर्यः चामे अण्ड इति प्राञ्जनीः चामे अश्वमेध इत्य
 अश्वमेधः चामे अष्टविः चामे अदितः चामे दितिः चामे घोः चामे वाकरीः अगुल्यः
 दिवाः चामे यज्ञेना कल्पताः ककु चामे सामः चामे स्तोमः चामे यजुः चामे दृक्षाः चामे
 तपः चामे कृतः चामे वृताः चामे अहोरात्रयो रित्यः रात्रयोः वृष्ट्याः वृद्ध इत्येतै रिति वृद्धतः
 रथं नरो चामे यज्ञेना कल्पताः वा हा साष्टा दरा चामे गभीः चामे वस्यः चामे अदिति
 निः अविः चामे अवीतिः चामे अवी चामे द्विपवा इति द्विपवाटः चामे त्रिपवाटः चामे प
 चारि द्विपवाः अविः चामे पंचावीतिपवाः अवी चामे द्विपुत्र इति द्विपुत्रः चामे त्रि
 वसति चामे वस्यः चामे अवीतिपुत्रः चामे अवीतिपुत्रः चामे अवीतिपुत्रः चामे अवीतिपुत्रः चामे अवीतिपुत्रः

विष्णुः अमृतः न तत्रा इत्यतः ज्ञाः अस्यामर्धः पिवता मा रयधं तृप्ताः याता पथि सिरिति पथिः
 सिः देवयानेरिति देवः यानैः वाजः पुरस्तात् उत मध्यतः नः वाजः देवानां केतु सिरित्यनुः
 सिः कल्पयति वाजं स्याति प्रसवश्रुतिः स्वर्गः न न माति विश्वाः आत्राः वाजपतिरिति
 वाजः प्रतिः न वेया पथः पथिवा पथः ओषधीषु पथः दिवि अंतरिक्षे पथः धौ पथस्वतः
 प्रदिशति प्रदिशः संतु मही समिति मा सुजा मि पथस्वा घृतेन समिति मा सुजा
 मि अपः आ ओषधीषु रिता पथिः सिः सः अहः वाजो सुने यो अहो नक्तो पासा सप्त
 न सतिसः मनुसा विकृते इति विरूपेष्वा पथेत इति शिष्टो एको समीचीन इति द्वावासा
 मी रुक्मः अतः वाति भाति देवाः अग्निः धारयन् इविणो दा इति इविणः दाः सुसुदः
 अस्मि न भस्वान् आ ईदं नुरिया ईदं दानुः शस्तरिति शः सः मयो स्तरिति मयः सः असी
 ति मा वाहि स्वाहा मारुतः अस्मि मरुतो गणः शस्तरिति शः सः मयो स्तरिति मयः सः

॥१०॥

अभाति मा वाहि स्वाहा अ वृक्षुः अस्मि देवस्वान् शस्तरिति शः सः मयो स्तरिति मयः
 सः अनीति मा वाहि स्वाहा आधेन द्वयोर्देवस्वा उक्तं मयो स्तरिति मयः अग्निः
 युनज्मि शवसा घृतेन दिव्यो सुपूर्णमिति सुपूर्णं विष्यतां नृतेन तेन विष्यते मन्त्रे
 स्या विष्णो सुवः इति णः अधीति ना के उक्तं मय इत्यतः तमो इमां तो पक्षो अजयौ पतन्ति
 णः याम्यो रसा रसा अपहः सीत्यपः हः सि अग्ने तभ्यां पतन्तं सुहतामिति सुहता
 सुलोकां यत्रा अरूपः प्रथमजा इति प्रथमजाः यो पुराणाः निता अस्मि सुसुदयो निरि
 तिसुसुदयो निः इदं इदं सः स्थिनः कृतो वेद्यतः शा हि रू प्यपसु इति हि रू प्यः पक्षः शत्रु
 नः सुरण्यः मन्त्रः सुधस्त इति सधस्तः अहः अग्निः इति निषत्त इति निः सतः नमः ते अस्ता
 मा माहि सीः विश्वस्यामर्धन् अधाति तिष्ठसि अतः सुसुदतो हरया अतः आयुः
 धावी पथि वा इति द्वावाः पथिवा सुवनेषु अर्पित इति उदः दत्ता उदधिमि त्युदः धिा वि

३८

तादिवः। पर्जन्यातामंत्ररिस्ता। एधिआः। ततः। नः। दृष्टा। अवनतदिवः। मूर्धा। अस्ति। एधिआः। ना
 पि। पुर्नः। अथा। ओषधीनां। विष्वागृतिविम्बः। आयुः। धामा। सुप्रधाइति। तः। प्रयः। नमः। पथये
 मे। नरयः। तपसा। सजे॥२॥ आसताइधानाः। अग्नि। सुवः। ज्ञानरतुत्याः। भरतातस्मिन्। अ
 हो। नीति। दधोनाइ। अग्नि। एतां। यो। आ। नूः। मनवः। स्तो। यो। बहिषमिति। स्तो। यो। बहिषं। तो। यो
 स्तो। यो। अचि। ति। ग। के। नो। देवाः। पुनः। आ। मे। किरिति। आ। नः। स्तिः। उता। वा। दिदृषेः। ना। नः। मृ। दु।
 नाः। सुहृतस्येति। सु। हृतस्य। लो। वः। एतां। यो। एधि। अधाति। शे। नू। ना। दिवः। एति। वा। नः। मध्यं। अरु
 हत। सुरण्युः। अथा। अग्निः। सत्यतिरिति। सतः। पतिः। चैकि। तो। नः। एधि। एधिआः। निहितइति
 निः। हितः। दविधुतत। अधस्यदमित्यधः। पदो। हणतो॥३॥ यो। एतु। यवः। अथा। अग्निः। वीरत
 मइति। वीरतुमः। वयो। धाइति। वयः। धाः। सुहास्त्रियः। दी। प्रता। अभयुकुनित्यमः। यु। कुनः। तु
 जाजमानइति। वि। ज्ञानमानः। सतिरस्य। मध्यं। उपा। प्रति। यात। दिवा। नि। धामा। सो। प्रति। अ

॥३१॥

वधो। अचि। ति। सं। प्रेति। यात। अग्नि। पथः। देवधानानिति। देवः। धाना। नः। कृणु। धो। अस्मिन्। सध
 स्तइति। सधः। स्तः। अधाति। उतरस्मिन्। नि। सुतः। तरस्मिन्। विष्वादेवाः। धेनोमानः। चो। सी। दत्ता
 येना। सहस्त्रां। वेदस्य। येन। अग्नि। सुववेदस्यमिति। सर्वः। वेदस्य। तेन। इमं। यज्ञः। नः। वृहदेवस्य
 नइति। देवधानः। यः। ना। उतुमइत्युतुं। तेमः। उरिति। बुधस्वो। अग्ने। प्रतीति। सागृ। एनो। इ
 द्वा। पूते। इती। हाः। पूते। समिति। सृज्या। अथा। वा। पुनः। कृण्वन्। स्वा। पितरं। युवा। नः। अन्वा। तः।
 सु। दिव्यमः। आताः। सीता। सयितु। एता। अयातो। योनिः। मु। त्रियः। यने। नोतः। अरो। वधः। तां। नो
 ननः। अन्वा। एति। रोह। अधातुः। वधयारयि। पा। ध्रुवः। सजे। वं। एतु। यः। सप्तत्रिः। अथा॥१३॥ ममी
 अग्नि। वधः। विदुवधिति। वि। वधो। अस्तु। वयो। स्वा। इधोनाः। तनुवो। प्रथमो। मध्यो। नंतो। प्रदिशइ
 ति। प्र। दिशः। चैनेस्त्रः। लया। अथ। लणत्यधिः। अस्तु। एतनाः। जयमा। ममा। देवाः। विहवइति। वि
 हवो। संतु। सर्वो। इहा। वतइती। इ। वंतः। मरुतः। विष्टुः। अग्निः। ममी। अनेदिस। उता। गो। यो। अस्तु



महाकारः। प्रवृत्ताः कामे। अस्मिन्मयिदेवाः। इविणोपति। यज्ञतो। मयि। आचारित्याः। शोः। मयि।
वृत्तिरितिदेवः। इतिः। देवाः। शोताया। इतिपुनः॥१॥ पूर्वा। अरिष्टाः। स्थामा। तुनो। सुवीरा। इतिस्तु। वी
राः। मयो। पुनो। मयो। यानि। आरुतिरित्याः। वृत्तिः। सत्या। मभसः। मि। अस्तु। एनः। मा। नीतिमा।
कतमत्। पुनो। अहा। विष्टे। देवाः। अ। धाति। वृत्ति। पुनो। देवीः। पुनो। इति। चेदः। उदः। उदः। नः।
कृष्णा। विष्टे। देवाः। इहा। वी। रयधो। मा। हा। स्मृदि। प्रजयेतिप्रः। जयो। मा। तनसः। मा। रधो। मा। हि
धुते। सो। मा। रा। पुनः। आग्निः। मय्यः। पुनो। इति। मिति। पुनः। पुनस्ता। वि। अदधः। गोपाति
गोपाः। पुरीति। पाहि। नः। वा। मय्ये। वः। पुनो। निगु। तइतिनिः। गुते। पुनो। तः। अमा। एषो। विनो।
पुनो। येतिप्रः। वृष्णा। वाति। ने। रा। धाता। अ। वृष्णा। पुनस्ता। यः। पतिः। देवाः। सविता। री। अग्निमा
निषा। हमित्यभिमानिः। साहा। इमे। यज्ञो। अग्निना। उमा। हृ। हस्यतिः। देवाः। पातो। यज्ञमाना। न्य
था। दितिनिः। अर्थो। न। उर। य। इ। लुनः। य। नः। मुदियः। शो। मः। पुनो। अस्मिन्। देवा। पुनस्ता। इ
तिपुनः। पुनः। पुनस्ता। सो। नः। प्रजाया। इतिप्रः। जायो। हय। येतिहरिः। अस्मा। मे। उपा। इंदो। मा। अनेः।

अस्तु।
॥३२॥

सविष्टः। मा। परेति। राः। ये। नः। सुयलाः। अपेति। तो। नुवे। तु। इ। शग्निभ्यामिति। शग्निभ्याः। अवेति। वा
धो। मेहे। ताना। वभयः। इहाः। आदित्याः। उपदिश्ये। शमिते। पतिः। रयधो। मा। उयो। ने। तो। रा। अघ्रा
अमित्येधिः। राजा। अर्जुनः। अर्जुनः। वी। इंदो। अयुते। हवो। मेहे। मः। गोविदितिमाः। जितो। पुनो। जितिति। पुनः।
जितो। अष्टा। निरित्युः। जितो। मः। पुनो। मः। यज्ञा। विदुवइतिविः। देवा। नुपसा। अस्त्यः। पुनो। इति। पुनः।
तिहरिः। वः। मेदिना। वा। अ। निषत। पुनस्ता। मा। विनस्ता। रिः। शो। एषा। अर्जुनः। मन्त्रो। प्रथमस्या
वृद्धे। तसइतिप्रः। चेत्तसः। यो। पा। वं। जना। मितिपो। वः। पुनो। वहवः। सुमिप्रतइतिसः। इधते। वि
श्वस्य। विशा। प्रवि। विशि। राः। सुमितिप्रः। विवि। शि। वाः। सो। इ। मेहे। सः। नः। मुचतु। अदसः।
यस्य। इंदो। मा। पतिप्रः। अनातो। निमिषदितिनिः। मिषता। यते। यनेति। यस्ये। जातो। पुन
माने। वि। वे। वं। स्तो। मि। अग्निो। नो। धितः। जो। हवी। मि। सः। नः। मुचतु। अदसः। इंदस्य।
मन्यो। प्रथमस्या। प्रवेत। सइतिप्रः। चेत्तसः। पुनस्ता। इतिप्रः। प्रः। सो। माः। उपेति। मा। उपा। ग
रित्युपः। आगुः। यः। शशुषः। सुकृतइतिस्तुः। हेतः। हवी। वि। पेति। गेता। ॥१॥ सः। नः। मुच



तु अहं सः यः । सं ग्राम मिति सं ग्रामे न यतिः समितिः । वृत्ता युधे यः । पुष्पा नि । सु सु
 जती तिसं रजति । नृपाणि । स्तोमि इद्रि मिथितः । जो ह वा मि । सः नः । मुं वृत्ता । अहं सः
 मन्त्रे वा । मित्रा वरुणेति मित्रा वरुणा । तस्य विज्ञे । सत्ये जसेति सत्ये । अजु सा । दुः
 पा । यः । सु देव्ये इति या । नाजो नः । सुरधुमिति सः रथो या योः । उग्रो । ता नः । मुं वृत्ता । अ
 गसः । यः । नः । रथः । नः । नृपा मिथितः । सु सु । सत्ये जसेति सत्ये । पुष्पा नि । मिथु । वरुते
 उपयतीत्युपयति । दुः पा । नः । स्तोमि । मित्रा वरुणेति मित्रा वरुणा । नाथितः । जो
 ह वा मि । तो नः । मुं वृत्ता । आगसः । वा योः । सवि तु । विदधी नि । मन्त्रे वा । यो । आसन्व दि
 त्यो मन्त्रे वा । विभृत्तः । यो । नः । रसतः । यो । विश्वे स्या परि स इति परि । सः । बुभुवतु ।
 तो नः । मुं वृत्ता । अगसः । उपेति । अष्टा । नः । आशि युद्ध स्या । शयः । देवयोः । धर्म
 आदि रजति । मि । वायुं । सवितारे न । नाथितः । जो ह वा मि । तो नः । मुं वृत्ता । आगसः । रथो

॥७३॥



नमावितिरथिः । नमो । रथो नः । जो ह वा मि । तो नः । मुं वृत्ता । आगसः । सवि तु । विदधी नि । मन्त्रे वा । यो । आसन्व दि
 त्यो मन्त्रे वा । विभृत्तः । यो । नः । रसतः । यो । विश्वे स्या परि स इति परि । सः । बुभुवतु ।
 तो नः । मुं वृत्ता । अगसः । उपेति । अष्टा । नः । आशि युद्ध स्या । शयः । देवयोः । धर्म
 आदि रजति । मि । वायुं । सवितारे न । नाथितः । जो ह वा मि । तो नः । मुं वृत्ता । आगसः । रथो

अनिती ॥

ति प्रतिः स्तोत्रं न वतां वस्तुनां सौमि। घावापायुवा इति धावाऽऽयुवा। नाथे नः जोहवामि
 २५५॥ नेहति मुचतं अः सा उचुऽइति। रोऽसा इति वरिवः। उयातं सिस्यो पत्नीऽइति अयाति।
 उयातं सौमि घावापायुवा इति धावाऽऽयुवा। नाथे नः जोहवामि। इति नः मुचतं अः हसः। य
 तोतो वयां पुरुषनेति उरुपः। यत्रिषा अविदाऽऽसः। उछेना नृता नृनः। आगः। कृषिः। सि
 ति। अन्मानी अदितेः। अनागाः। वाता रनाऽऽसि। अमयः। विषकः। अनी। यथा। दा। तत। वसवः। गि
 र्या। चित। पुदि। सित। असुचता। युजुवाः। एवा। स। अस्मत्। प्रेति। धं। वाति। अः हः। प्रेति। अते। रि।
 अनी। अतरा। मिति। पः। तरो। नः। आयुः। ॥ ७॥ गतां दुषयन्ते। नित्ययोः। शर्द्धे। नृमति। रवचन। नृव
 त्त्रिः। रोचै। ॥ १५॥ अग्निर्मे नृयस्विदनिर्दस्ययः सैयमिः सनी मुचतः हसः। मुचता नो मुच ॥ १७॥
 तुमा गसः। यो वीनायोर परथा। तमो यदयातौ नो मुचतमा गसः। नृता। निमदेवान्। यदितो
 नो मुचतमसः। अतु नृव। अत्तेना मुचतमः हसः। चतुरः हसः। पडाग सन्तुरने सोदिरः ह
 सः ॥ ॥ अग्नाविष् ज्येषुः शोचो क्रीरमा वाग्निश्चाऽऽयुवे धममगमो यैव

॥ १०॥ जो नृग्नियुनं ज्जिममग्निर्मन्त्रे पंचदश ॥ १५॥ ॥ अग्नाविष् अग्निश्चमवाजो नृयैव
 वरा गोपान वज्रिः शता ॥ २॥ ॥ अवे १६८६ तारणनाम संवत्सर ज्येष्ठ वद्य ११ येकादशी उवा
 सरं यस्तवं संपूर्ण ॥ ॥ ॥ ॥ गो इत्युपनाम्ना गोपाकनहासतमोमभेदेन लिखितं ॥ ॥ ॥



सं.मं.पा.सं. ३२२५३

॥ पदेचतुर्थीष्टकसनासः ॥

